THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बदलापुर यौन-शोषण केस : कोर्ट ने पुलिस को फटकारा

मुंबई/बदलापुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बदलापुर में स्कूल के अंदर 2 बच्चियों के साथ हुए यौन शोषण मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार (27 अगस्त) को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले में प्रोसीजर फॉलो न करने पर पुलिस को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा, पुलिस ने बच्ची और उसके परिवार को शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया जो असंवेदनशील और नियमों के खिलाफ है।

इस मामले की सुनवाई बॉम्बे हाईकोर्ट में जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने की। सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल बीरेंद्र सराफ ने कोर्ट में पक्ष रखा। अब अगली सुनवाई 3 सितंबर को होगी।

वर्ष-29 अंक : 157 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.10 2081 बुधवार, 28 अगस्त-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शराब नीति घोटाला केस में

के. कविता को जमानत

सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच हो चुकी, ट्रायल में देरी होगी, महिला हैं बेल मिलनी चाहिए

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) लीडर के. कविता को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है।

के. कविता 5 महीने से जेल में बंद हैं। महिला हैं और पीएमएलए के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए।

तेलंगाना के पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव की बेटी के. कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से अरेस्ट किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को कस्टडीमेंट्री में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी दोनों केस में के. कविता को जमानत दी है। इससे पहले के. कविता 1 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट में जमानत के लिए गई थीं। कोर्ट ने कहा था कि वो मुख्य आरोपी हैं और जांच अभी अहम मोड़ पर है। अभी जमानत नहीं दी जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देते वक्त हाईकोर्ट के इस फैसले का भी जिक्र किया और उस पर टिप्पणी की। दिल्ली शराब नीति केस में जमानत पाने वाली के. कविता तीसरी बड़ी पॉलिटिकल लीडर हैं। उनसे पहले सुप्रीम कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को इस केस में जमानत दी है।

जमानत की शर्तें...

> 10-10 लाख रुपये का बेल बांड भरने होंगे।

> सबूतों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगी।

> के. कविता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा।

महिला होने के नाते स्पेशल ट्रीटमेंट मिलना चाहिए :

लॉ वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक, के. कविता पर फैसला सुनाते वक्त सुप्रीम कोर्ट ने पीएमएलए के तहत सेक्शन 45 का हवाला दिया। कहा कि इसके तहत महिला होने के नाते के. कविता स्पेशल बेनिफिट की हकदार हैं।

क्या शिक्षित महिला को जमानत मिलनी ही नहीं चाहिए

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस कमेंट का भी जिक्र किया, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि एक उच्च शिक्षित महिला सेक्शन 41 के तहत स्पेशल ट्रीटमेंट की हकदार नहीं होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि काबिल जज के आदेश के बाद ऐसी धारणा बन गई कि किसी शिक्षित महिला को जमानत मिलनी ही नहीं चाहिए। ये क्या है? सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमारी राय इसके उलट है। एक महिला सांसद और आम महिला में अंतर नहीं करना चाहिए।

महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहें अदालतें :

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीएमएलए के तहत आरोपी महिलाओं के मामले में अदालतों को ज्यादा संवेदनशील रहना चाहिए। हाईकोर्ट की काबिल जज सेक्शन 41 के तहत के. कविता की जमानत पर फैसला सुनाते वक्त भटक गईं।

केस में के. कविता का नाम कब आया, आरोप क्या :

ईडी ने 30 नवंबर 2022 को गुरुग्राम से कारोबारी अमित अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। अमित ने के. कविता के नाम लिया था। ईडी ने कहा था कि कविता ने विजय नायर के माध्यम से दिल्ली में आप सरकार के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान किया था। आप ने इस पैसे का इस्तेमाल गोवा और पंजाब विधानसभा चुनाव में किया।

इसी केस में गिरफ्तार बिजनेसमैन अरुण रामचंद्रन पिल्लई ने बताया था कि कविता और आम आदमी पार्टी के बीच एक समझौता हुआ था। इसके तहत 100 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ, जिससे कविता की कंपनी 'इंडोस्पिरिट्स' को दिल्ली के शराब कारोबार में एंट्री मिली। 15 मार्च 2024 को ईडी ने कविता को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। इसी दिन उनके घर पर सुबह 11 बजे रेड डाली थी। करीब 8 घंटे की तलाशी और कार्रवाई के बाद शाम 7 बजे कविता को अरेस्ट किया गया।

कोलकाता रेप-मर्डर केस : प्रोटेस्ट मार्च में स्टूडेंट्स पर लाठीचार्ज

कई जख्मी, पुलिस बोली- रैली गैरकानूनी, छात्रों पर कार्रवाई के खिलाफ भाजपा का आज बंगाल बंद

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर को लेकर मंगलवार (27 अगस्त) को छात्रों और राज्य कर्मचारी संगठनों का प्रदर्शन जारी है। पश्चिम बंग छात्र समाज और संग्रामी जौथा मंच नबन्ना अभिजान मार्च निकाल रहे हैं। नबन्ना, पश्चिम बंगाल सरकार का सचिवालय है, जहां मुख्यमंत्री, मंत्री और अफसरों के दफ्तर हैं। प्रदर्शनकारियों की रैली दोपहर करीब 12.45 बजे शुरू हुई। विरोध कर रहे लोगों ने हावड़ा से लगे संतरागाछी में बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और

वाटर कैनन का इस्तेमाल भी किया। पुलिस ने हिंसा का हवाला देते हुए प्रदर्शनकारियों की रैली को गैर-कानूनी करार दिया। वहीं, पुलिस की कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी जख्मी हुए हैं। इधर, भाजपा ने कल 12 घंटे का बंगाल बंद बुलाया है। प्रदर्शनकारियों को नबन्ना (सचिवालय) जाने से रोकने के लिए 7 रास्तों पर तीन लेयर में 6 हजार की फोर्स तैनात है।

>14

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

सीएम बोले- शुगर लेवल डाउन हो रहा, लंच की मांग की, सीबीआई ने 14 दिन की कस्टडी मांगी थी

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को 3 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए।

उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनका शुगर लेवल डाउन हो रहा है। इसी वजह से लंच करने की इजाजत मांगी है। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते ही हिरासत बढ़ाई। इससे पहले 20 अगस्त को लोअर कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी थी।

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

>14

11 साल बाद जेल से बाहर आया आसाराम

जोधपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। नाबालिग के साथ यौन शोषण के आरोप में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम आज इलाज के लिए पुणे रवाना हो गया है। आसाराम 11 साल बाद जेल से बाहर आया है।

आसाराम सात दिन तक पुणे में खपोली स्थित माधव बाग हॉस्पिटल में हार्ट का इलाज करवाएगा। बता दें कि आसाराम को 13 अगस्त को राजस्थान हाईकोर्ट ने सात दिन की पैरोल दी थी। पैरोल की अवधि को हॉस्पिटल में पहुंचने के समय से गिना जाएगा। आसाराम के साथ उसकी सेविका शिल्पी भी थी।

आसाराम जिस एंबुलेंस से एयरपोर्ट पहुंचे, उसे स्पेशल गेट से एंट्री दी गई। इस गेट से एयर एंबुलेंस के माध्यम से क्रिटिकल

मरीज को ही ले जाया जाता है। एंट्री के बाद एयरपोर्ट अथॉरिटी की गाड़ी में बैठाया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी की गाड़ी से व्हीलचेयर के माध्यम से इंडिगो की फ्लाइट में बोर्ड करवाया गया।

जोधपुर पुलिस के जवान और दो अटेंडेंट भी रहेंगे साथ :

आसाराम 2 बजकर 20 मिनट की इंडिगो फ्लाइट से मुंबई के लिए रवाना हुआ। उसके साथ जोधपुर पुलिस के जवान और दो अटेंडेंट भी हैं। पहले आसाराम के एयर एंबुलेंस से जाने की बात सामने आई थी।

आयुर्वेदिक इलाज कराने पर अड़ा था :

आसाराम की ओर से कई बार पैरोल के लिए याचिकाएं लगाई गई थीं। पहली बार इलाज के लिए 13 अगस्त को जज पुष्पेंद्र भाटी और मुन्नारी लक्ष्मण की खंडपीठ ने जोधपुर एम्स की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर सात दिन की पैरोल दी। आसाराम की ओर से हमेशा यह दलील दी जाती रही है कि वह सिर्फ और सिर्फ आयुर्वेद इलाज करवाएगा।

पंजाब में बढ़ी कंगना की मुश्किलें

एसजीपीसी ने भाजपा सांसद और फिल्म निर्माता को भेजा नोटिस, बयान पर माफी मांगने को कहा

अमृतसर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा सांसद व बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनोट की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अब शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने फिल्म इमरजेंसी के लिए कंगना रनोट और फिल्म के निर्माता को नोटिस भेज दिया है। वहीं, दूसरी तरफ किसान आंदोलन पर दिए विवादित बयान पर किसान भड़क चुके हैं और लगातार माफी की मांग कर रहे हैं।

हालांकि भाजपा मीडिया सेल ने खुद बयान जारी कर कंगना रनोट के बयान से पल्ला झाड़ा है। लेकिन पंजाब के किसान इस पर भी मानने को तैयार नहीं हैं। वहीं, एसजीपीसी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी है कि फिल्म इमरजेंसी के लिए कंगना रनोट व फिल्म निर्माता को नोटिस भेज दिया गया है। जबकि कुछ दिन पहले ही एसजीपीसी ने जी-स्टूडियो को ट्रेलर जारी करने के विरोध में नोटिस भेजा था।

>14

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर की बात

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बातचीत की। पीएम मोदी ने हाल के पोलैंड और यूक्रेन दौरे से वापस लौटने के बाद रूसी राष्ट्रपति से बातचीत को काफी अहम माना जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति से बातचीत की जानकारी पीएम मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिये ट्वीट कर दी।

पीएम मोदी ने लिखा कि आज राष्ट्रपति पुतिन से बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति के सात विशेष और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने आगे कहा कि रूस-यूक्रेन संघर्ष और यूक्रेन की हाल की यात्रा से प्राप्त पर्सपेक्टिव पर विचारों का आदान-प्रदान किया। पीएम मोदी ने लिखा

कि संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के साथ शांति से जुड़ी वार्ता को लेकर भारत का नाम लिया था।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड और यूक्रेन की अपनी दो देशों की यात्रा पूरी करने के बाद 24 अगस्त को स्वदेश लौटे थे। यूक्रेन यात्रा को लेकर पीएम मोदी ने कहा था कि यूक्रेन की मेरी यात्रा ऐतिहासिक थी।

मैं भारत-यूक्रेन मित्रता को और प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से इस महान देश में आया था। मोदी ने कहा था कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ मेरी बातचीत सार्थक रही। भारत का दृढ़ विश्वास है कि शांति हमेशा बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि मैं यूक्रेन की सरकार और लोगों को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं।

पंजाब के 45 हजार करोड़ घोटाले के मास्टरमाइंड की मौत

साइकिल पर दूध बेचता था भंगू चिटफंड से साढ़े 5 करोड़ लोगों को ठगा

अमृतसर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पंजाब के रहने वाले पर्ल ग्रुप के मालिक व 45 हजार करोड़ घोटाले के मास्टरमाइंड निर्मल सिंह भंगू की रविवार रात दिल्ली में मौत हो गई। उसे जनवरी 2016 में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद से वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद था। रविवार रात तबीयत बिगड़ने पर उसे दिल्ली के डीडीयू अस्पताल में लाया गया। शाम 7.50 बजे उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

भंगू पर आरोप था कि उसने पोंजी स्कीम्स से करोड़ों का साम्राज्य इकट्ठा किया। भंगू ने 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को ऐसी स्कीम्स में फंसा कर हजारों करोड़ रुपये इकट्ठा किए और उसे विदेश में इन्वेस्ट कर दिया। जांच शुरू हुई तो जनवरी 2016 को सीबीआई ने निर्मल सिंह को पकड़ लिया। इसके बाद जांच एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने भी की।

पर्ल्स ग्रुप का मालिक निर्मल सिंह भंगू पंजाब के बरनाला जिले का रहने वाला था। बताया जाता है कि वह जवानी के दिनों में अपने भाई के साथ साइकिल से दूध बेचता था। इसी दौरान उसने पॉलिटिकल साइंस में पोस्ट ग्रेजुएशन भी की।

1980 में खोली खुद की कंपनी :

70 के दशक में भंगू नौकरी की तलाश में कोलकाता चला गया। जहां उसने एक फेमस इन्वेस्टमेंट कंपनी पियरलेस में कुछ साल काम किया। उसके बाद इन्वेस्टर्स से करोड़ों की ठगी करने वाली हरियाणा की कंपनी गोल्डन फॉरेस्ट इंडिया लिमिटेड में काम करने लगा। इस कंपनी के बंद होने के बाद वह बेरोजगार हो गया।

>14

चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे

दिल्ली जाकर अमित शाह से मिले, हेमंत सोरेन कैबिनेट से आज इस्तीफा दे सकते हैं

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- चंपाई सोरेन ने कुछ देर पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे रांची में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक दिल्ली में 25 अगस्त को गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद चंपाई को जेड प्लस सुरक्षा दे दी गई है। झारखंड पहुंचने के बाद वे इसी सुरक्षा घेरे में रहेंगे। चंपाई कल यानी 28 अगस्त को झारखंड कैबिनेट से इस्तीफा दे सकते हैं।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के बड़े आदिवासी नेता चंपाई करीब 5 महीने तक झारखंड से मुख्यमंत्री रहे।

मौजूदा सीएम हेमंत सोरेन जब जमीन घोटाला केस में जेल गए तो उन्होंने ही चंपाई को जिम्मेदारी दी थी। उनके जेल से बाहर आने के बाद जुलाई में चंपाई पद से इस्तीफा दे दिया था। 31 जनवरी को सीएम पद संभालने वाले चंपाई ने 3 जुलाई को इस्तीफा

दिया था। अगस्त में चंपाई ने एक चिट्ठी के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा लिए जाने के तरीके को आत्मसम्मान पर चोट बताया था।

चंपाई सोरेन से भाजपा को क्या फायदा :

चंपाई सोरेन जेएमएम के सीनियर लीडर हैं। झारखंड के कोल्हान इलाके में उन्हें कोल्हान टाइगर कहा जाता है। कोल्हान की 14 विधानसभा सीटों पर चंपाई का प्रभाव है। अभी जेएमएम के पास ऐसा कोई नेता नहीं है, जो चंपाई की बराबरी कर सके। हेमंत सोरेन जब जमीन घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल गए तो चंपाई को ही सीएम बनाया गया। भाजपा चंपाई की मौजूदगी में कोल्हान की 14 विधानसभा सीटों पर तो अपनी पकड़ मजबूत कर सकती है।

सरकार लगा सकती है कुछ और दवाओं पर प्रतिबंध

156 प्रकार की दवाओं पर रोक के बाद दवा बाजार में हलचल तेज

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसिया)। सरकार ने हाल ही में 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन (एफडीसी) दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। एक ही गोली में एक से ज्यादा दवाओं को मिलाकर बनाई गई दवाएं फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स (एफडीसी) कहलाती हैं। इनमें एंटीबायोटिक्स, एंटीएलर्जिक्स, दर्द निवारक, मल्टीविटामिन और बुखार और हाइपरटेंशन के इलाज के लिए कॉम्बिनेशन डोज शामिल हैं। एक विशेषज्ञ समिति ने और अधिक एफडीसी का अध्ययन किया है और पाया है कि ये मानव स्वास्थ्य के लिए जोखिम पैदा कर सकती हैं। समिति ने सरकार से इन पर भी प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की है। इस फैसले के बाद दवा बाजार में हलचल है। इन एफडीसी की समीक्षा 2019 में शुरू हुई थी और समिति ने 2021 के अंत में अपनी रिपोर्ट दी, जिसमें 156 एफडीसी पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की गई थी।

>14

राज्यसभा उपचुनाव- 12 सीटों में भाजपा के 5 कैंडिडेट निर्विरोध जीते

बिहार से दो और राजस्थान से एक उम्मीदवार, 7 सीटों पर 3 सितंबर को चुनाव

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसिया)। 9 राज्यों की 12 सीटों पर होने वाले उपचुनाव से पहले ही भाजपा के 5 कैंडिडेट निर्विरोध चुन लिए गए हैं। इनमें राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू, हरियाणा से किरण चौधरी, मध्यप्रदेश से जॉर्ज कुरियन, बिहार से उपेंद्र कुशवाहा और मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं। पांचों कैंडिडेट्स को जीत का सर्टिफिकेट जारी कर दिया गया है। अब असम, महाराष्ट्र की दो-दो सीट, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा की एक-एक सीट पर 3 सितंबर को उपचुनाव होना है।

बिहार से उपेंद्र कुशवाहा और मनन मिश्रा :

बिहार से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा और मनन कुमार मिश्रा राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुन लिए गए हैं। मंगलवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए नाम वापस लेने की अंतिम तारीख थी। इन दोनों के अलावा किसी ने भी नामांकन नहीं किया। इसलिए नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद उन्हें जीत का सर्टिफिकेट विधानसभा सचिव की ओर से दे दिया गया।

राज्यसभा में उपेंद्र कुशवाहा का 2 साल, जबकि मनन मिश्रा का 4 साल कार्यकाल रहेगा। राजद नेत्री मीसा भारती और बीजेपी नेता विवेक ठाकुर का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद ये दोनों सीटें खाली हुई थी। अब राज्यसभा में बिहार से एनडीए का 10 सीटों पर कब्जा हो गया है। अभी बिहार में राज्यसभा की 16 सीटें हैं।

एमपी से जॉर्ज कुरियन :

केंद्रीय मंत्री और एमपी से बीजेपी के राज्यसभा प्रत्याशी जॉर्ज कुरियन निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। बीजेपी के डमी प्रत्याशी कांतदेव सिंह के नाम वापसी के बाद कुरियन को निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र रिटर्निंग अधिकारी और विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने सौंपा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा इस मौके पर मौजूद रहे।

हरियाणा से किरण चौधरी :

हरियाणा में भाजपा की राज्यसभा उम्मीदवार किरण चौधरी निर्विरोध सांसद चुन ली गई हैं। मंगलवार को उन्हें रिटर्निंग ऑफिसर साकेत कुमार ने राज्यसभा सीट से निर्विरोध सांसद का प्रमाण पत्र दिया।

20 अगस्त को भाजपा ने उन्हें उम्मीदवार घोषित किया था। 21 अगस्त को उन्होंने सीएम नायब सैनी की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दलों की ओर से कोई भी उम्मीदवार खड़ा नहीं किया गया, इस कारण से किरण चौधरी का निर्विरोध राज्यसभा जाने का रास्ता बन गया।

पंजाब से रवनीत बिट्टू :

पंजाब से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू राज्यसभा सांसद बन गए हैं। मंगलवार को राज्यसभा उपचुनाव के नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख थी। इसके बाद परिणाम घोषित कर दिए गए।

>14

कुंडेश्वर धाम के होटल से पुलिस ने युवक-युवती को हिरासत में लिया, लोगों ने दी थी सूचना

टीकमगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। टीकमगढ़ जिले के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल कुंडेश्वर धाम के एक होटल पर मंगलवार सुबह पुलिस टीम ने छापा मारकर एक युवक और युवती को हिरासत में लिया। इसके बाद उन्हें टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली लाया गया है। स्थानीय व्यक्ति राज किशोर ने बताया कि इस होटल में आए दिन गलत गतिविधियां होती हैं, जिससे ग्रामीण परेशान है। होटल में युवक और युवती के होने की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। टीकमगढ़ पुलिस कोतवाली के प्रभारी आनंद राज ने बताया कि दोनों युवक-युवती बालिग हैं, उनके परिजनों को कोतवाली बुलाया गया है। दरअसल, कुंडेश्वर के स्थानीय लोगों को होटल में लड़का-लड़की के होने की सूचना मिली तो उन्होंने बाहर से ताला लगाकर पुलिस को जानकारी दी।

'हत्या से गंभीर है राष्ट्रीय सुरक्षा'

एचसी ने खारिज की आईएसआई को दस्तावेज भेजने वाले ब्रह्मोस इंजीनियर की याचिका

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने मंगलवार को ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व इंजीनियर की उम्रकैद की सजा को सस्पेंड करने से इनकार करते हुए कहा कि 'जब राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला सामने आता है, तो यह हत्याओं के मामलों की तुलना में अधिक गंभीर होता है, ऐसे में हम राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने का जोखिम नहीं उठा सकते।'

जानें क्या है मामला

जस्टिस विनय जोशी और वृषाली जोशी की बेंच पूर्व ब्रह्मोस इंजीनियर निशांत अग्रवाल की जमानत याचिका की सुनवाई कर रही थी। निशांत को नागपुर कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अग्रवाल पर 2018 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने का आरोप है। इस सजा के खिलाफ अग्रवाल ने हाईकोर्ट में अपील की थी जिसमें उसने सजा निलंबित करने और जमानत की मांग की गई थी।

कोर्ट ने जमानत से किया इनकार

हाईकोर्ट ने कहा कि मामला देश की सुरक्षा से जुड़ा है, जिसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए, अपराध का प्रभाव राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर खतरा पैदा कर सकता है, बेंच ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने सभी सबूतों की समीक्षा के बाद ये फैसला सुनाया है। ऐसे में इस याचिका पर कोई विचार नहीं किया जा सकता है।

पाकिस्तान भेजे थे कई गोपनीय दस्तावेज

बता दें कि नागपुर जिला न्यायालय ने निशांत अग्रवाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। निशांत अग्रवाल पर 3,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। नागपुर में कंपनी के मिसाइल केंद्र के तकनीकी अनुसंधान अनुभाग में कार्यरत अग्रवाल को 2018 में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के सैन्य खुफिया और आतंकवाद निरोधी दस्तों (एटीएस) द्वारा एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। पूर्व ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंजीनियर पर भारतीय दंड संहिता और कड़े ओएसए के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया था। उसने चार साल तक ब्रह्मोस सुविधा में काम किया था और उन पर पाकिस्तान की इंटर,सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) को संवेदनशील तकनीकी जानकारी लीक करने का आरोप था। ब्रह्मोस एयरोस्पेस रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के सैन्य औद्योगिक संघ (एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया) के बीच एक संयुक्त उद्यम है।

मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल की बिगड़ी तबीयत, एम्स में भर्ती

भोपाल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल की अचानक से तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें राजधानी भोपाल के ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एम्स में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की ओर से उनका इलाज किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राज्यपाल मंगुभाई पटेल को वायरल फीवर हो गया है। इधर एम्स में भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया है। राज्यपाल के स्वास्थ्य की खबर मिलते ही मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और उनकी तबीयत की जानकारी ली। हालांकि, अभी तक उनके स्वास्थ्य की स्थिति को लेकर अस्पताल की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

एम्स में राज्यपाल मंगूभाई पटेल के इलाज के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अस्पताल परिसर में पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। गौरतलब है कि मंगूभाई पटेल को अगस्त 2022 में भी बुखार, सर्दी और खांसी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। उस समय भी डाक्टरों ने वायरल बताया था। उन्हें कुछ समय के लिए आक्सीजन सपोर्ट पर भी रखा गया था।

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं मायावती

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में आयोजित बसपा कार्यकारिणी की बैठक में मायावती को फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। वहीं, आकाश आनंद का कद बढ़ा है। उन्हें चार राज्यों का प्रभारी बनाया गया है। इस बैठक में मायावती को अगले पांच सालों के लिए पार्टी का अध्यक्ष बनाया गया है। मालूम हो कि मायावती करीब बीते बीस सालों से बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। दूसरी ओर लोकसभा चुनावों में खराब परिणामों के बाद से आकाश आनंद के कद में लगातार इजाफा किया जा रहा है। मालूम हो कि भाजपा के ऊपर किए गए एक चुनावी हमले के बाद आकाश आनंद का पार्टी में कद घटा दिया गया था।

'नबन्ना रैली से पहले 4 छात्र कार्यकर्ता गायब'

शुभेंदु अधिकारी का ममता सरकार पर बड़ा आरोप

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने मंगलवार को राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी के इस दावे को खारिज कर दिया कि चार छात्र कार्यकर्ता लापता हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इन व्यक्तियों को हत्या और हत्या के प्रयास से जुड़ी साजिश में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों के लापता होने का दावा झूठा है

इससे पहले दिन में अधिकारी ने अपनी पार्टी के चार छात्र कार्यकर्ताओं के लापता होने पर चिंता जताई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि ये छात्र, जिन्हें हावड़ा स्टेशन पर पहुंचना था, आधी रात से ही लापता हो गए थे। अधिकारी ने एक्स पर पोस्ट किया, निम्नलिखित छात्र कार्यकर्ता, जो हावड़ा स्टेशन पर पहुंचने वाले स्वयंसेवकों को भोजन वितरित कर रहे थे, आधी रात के बाद अचानक लापता हो गए। न तो उनका पता लगाया जा सका है और न ही वे अपने फोन का जवाब दे रहे हैं। हमें आशंका है कि उन्हें ममता पुलिस ने गिरफ्तार/हिरासत में लिया होगा।

पुलिस ने लापता होने के दावों का खंडन किया

पुलिस ने इन आरोपों का जवाब किसी का नाम लिए बिना दिया। उन्होंने दावा किया कि चारों व्यक्ति मंगलवार के 'नबन्ना अभिजन' के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा भड़काने की योजना बना रहे थे। बंगाल पुलिस द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक पोस्ट के अनुसार, एक निश्चित राजनीतिक नेता चार छात्रों के बारे में झूठी कहानी बनाने की कोशिश कर रहा है जो कल रात से लापता हैं। सच्चाई यह है कि कोई भी लापता नहीं है। चारों आज नबन्ना अभिजन के दौरान बड़े पैमाने पर हिंसा की योजना बना रहे थे और हत्या और हत्या के प्रयास की साजिश में शामिल थे। उन्हें सार्वजनिक सुरक्षा और सुरक्षा के हित में गिरफ्तार किया गया है, और उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। अधिकारी ने आशंका जताई कि राज्य पुलिस ने छात्रों को हिरासत में लिया होगा। उन्होंने बताया कि न तो उनका पता लगाया जा सका और न ही वे अपने मोबाइल फोन का जवाब दे रहे थे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनके साथ कुछ हुआ तो ममता पुलिस को जवाबदेह ठहराया जाएगा।

इस मामले की शिकायत गोलाबाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है, जिसकी पुष्टि एक अधिकारी ने की है। इस स्थिति ने पार्टी सदस्यों और समर्थकों के बीच काफी चिंता पैदा कर दी है।

महिला की हत्या से सनसनी, नदी के किनारे मिली सिर और हाथ-पैर कटी लाश

पुणे, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे शहर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक युवती की बड़ी ही बेरहमी से हत्या कर दी गई है। पुणे के चंदननगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत किसी ने एक अज्ञात युवती की हत्या कर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर मुथा नदी के किनारे फेंक दिया। इस मामले में चंदननगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, युवती का शव खरादी इलाके में मुथा नदी के किनारे से मिला है। मृतका की उम्र करीब 18 से 30 साल के बीच है। दरअसल, खरादी इलाके में जेनी लाइट कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। इस बीच यहां काम रहे कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी कि मुथा नदी के किनारे एक लड़की की लाश मिली है,

'कंगना रनौत को अरेस्ट करे सीबीआई'

विवादित बयान को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने कर दी बड़ी मांग

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। किसान आंदोलन में रेप और मर्डर की बात कहने वालीं बीजेपी सांसद कंगना रनौत पर विपक्ष पूरी तरह हमलावर है। कांग्रेस के साथ-साथ शिवसेना यूबीटी की ओर से भी लगातार मांग उठ रही है कि कंगना रनौत को किसानों से और पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। वहीं, उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने यह भी कहा है कि सीबीआई कंगना रनौत को अरेस्ट करें। शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कंगना रनौत पर निशाना साधते हुए कहा कि वो अब सांसद बन गई हैं, उनको बोलने से पहले सोचना-समझना चाहिए। एक सांसद इतना गैरजिम्मेदाराना बयान दे, ये हैरानी वाली बात है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल किया, 'क्या रेप इतना हल्का शब्द है कि कंगना रनौत देश के किसानों को रेपिस्ट कह रही हैं? क्या कंगना रनौत के पास ऐसी जानकारी है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के पास नहीं है?'

इतना ही नहीं, प्रियंका चतुर्वेदी ने ये भी कहा कि सीबीआई को कंगना रनौत को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए ताकि उनसे पूछताछ की जाए और पता लगाया जाए कि अगर बीजेपी सांसद के पास ऐसी खुफिया जानाकारी थी, तो उन्होंने गृह मंत्रालय को क्यों नहीं दी? प्रियंका चतुर्वेदी ने बड़ा हमला बोलते हुए ये भी कहा कि कंगना रनौत को भ्रम है कि वह दुनिया की सबसे ज्ञानी महिला हैं। उन्हें लगता है उनके पास सारी जानकारी है। फिल्म इंडस्ट्री की राजनीति भी केवल उन्हें ही पता थी। सिर्फ वही जानती थीं कि सुशांत सिंह राजपूत क्या करते थे। यूबीटी सांसद ने कहा कि कंगना रनौत को सद्बुद्धि की जरूरत है। दरअसल, कुछ समय पहले कंगना रनौत ने ये दावा किया था कि किसान आंदोलन में बांग्लादेश जैसे हालात बन सकते थे। उनका दावा था कि किसान आंदोलन में उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे। वहां रेप और मर्डर होते थे। अगर किसान बिल वापस न लिए गए होते तो ये उपद्रवी देश में कुछ भी कर सकते थे।

मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और विधायक दूड़ाराम को नोटिस

हिसार में आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

हिसार, 27 अगस्त (एजेंसियां)। हिसार के जिला निर्वाचन अधिकारी ने हरियाणा सरकार के मंत्री डॉ. कमल गुप्ता और फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम को आचार संहिता उल्लंघन के मामले में नोटिस जारी किया है और उनसे जवाब मांगा है। आरोप है कि 26 अगस्त को हिसार के बिश्नोई मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान दोनों नेताओं ने भाजपा के लिए वोट की अपील की, जो आचार संहिता का उल्लंघन माना जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप दहिया ने इस संबंध में दोनों नेताओं को नोटिस भेजा और एक घंटे के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया। यह हिसार जिले में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जारी किया गया पहला नोटिस है। बिश्नोई मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएम नायब सिंह सैनी उपस्थित थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने की थी। इस दौरान कमल गुप्ता और विधायक दूड़ाराम ने अपने संबोधन में भाजपा के समर्थन में वोट देने की अपील की थी, जिसके बाद उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी। जिसके आधार पर यह नोटिस जारी किया गया।

केआईएडीबी घोटाले में फंसा खड़गे और उनका परिवार

अमित मालवीय बोले- क्या ये सत्ता का दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद नहीं?

बेंगलूरू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) की जमीन के आवंटन को लेकर सवाल उठाए है। लहर सिंह के बाद भाजपा की आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इस मामले को लेकर घेरा है। अमित मालवीय ने एक लंबी पोस्ट अपने एक्स हैंडल पर शेयर की है। जिसमें उन्होंने लिखा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार पर अब कर्नाटक में भूमि घोटाले में फंस गए हैं। दस्तावेजों के साथ एक रिपोर्ट से पता चलता है कि खड़गे के परिवार द्वारा संचालित सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से 5 एकड़ जमीन मिली थी। यह जमीन बैंगलोर के पास हाईटेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में एससी कोटे के तहत नागरिक सुविधाओं के लिए निर्धारित 45.94 एकड़ क्षेत्र का हिस्सा है।

सत्ता के दुरुपयोग के आरोप

इसके साथ ही अमित मालवीय ने लिखा - मजेदार बात ये है कि इस ट्रस्ट के ट्रस्टियों में मल्लिकार्जुन खड़गे, उनकी पत्नी श्रीमती राधाबाई खड़गे, उनके दामाद और गुलबर्गा के सांसद राधाकृष्ण, उनके बेटे और कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे और दूसरे बेटे राहुल खड़गे शामिल हैं।

क्या ये सत्ता का दुरुपयोग नहीं है?

अमित मालवीय ने सवाल किया इस मामले में खड़गे के ऐसे करीबी सदस्यों की संलिप्तता क्या यह सत्ता के दुरुपयोग नहीं है, ये भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव के बारे में है?

मालवीय ने पूछा आवंटन पर सहमति कैसे दी?

भाजपा नेता अमित मालवीय ने सवाल किया कि मार्च 2024 में उद्योग मंत्री एमबी पाटिल ने इस आवंटन पर सहमति कैसे दी? खड़गे परिवार केआईएडीबी भूमि के लिए पात्र होने के लिए एयरोस्पेस उद्यमी कब बन गया? उसे केआईएडीबी की ज़मीन मिल सके। एक आरटीआई कार्यकर्ता ने इस कथित अवैध आवंटन को माननीय राज्यपाल के कार्यालय के ध्यान में लाया है।

रत्नागिरी में नर्सिंग छात्रा से दरिंदगी ऑटोवाले ने दुष्कर्म के बाद सड़क पर फेंका

रत्नागिरी, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बदलापुर, अकोला के बाद अब रत्नागिरी में ट्रेनी नर्स से दरिंदगी का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार ऑटोवाले ने उसके साथ दुष्कर्म करने के बाद सड़क पर फेंक दिया था। पुलिस फिलहाल सीसीटीवी की जांच कर रही है। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में एक ट्रेनी नर्स से ऑटोवाले ने दुष्कर्म किया। इसके बाद उसे सड़क पर फेंक दिया। बेहोशी की हालत में मिली छात्रा को हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है। पुलिस फिलहाल पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। वहीं इस मामले में पीड़िता के माता-पिता ने मामला दर्ज करवाया है। उधर रत्नागिरी में अब लोग घटना के विरोध में सड़कों पर निकलना शुरू हो गए हैं।

शुरुआती जानकारी में पुलिस ने बताया कि घटना उस वक्त हुई जब महिला अपने घर जाने के लिए ऑटो रिक्शा में सवार हुई। इस दौरान ऑटो चालक ने उसे नशीला पदार्थ का पानी पिलाया। इसके बाद वह उसे सुनसान जगह पर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पीड़िता के माता-पिता ने 26 अगस्त की रात पुलिस को मामला दर्ज करवाया। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के जरिए ऑटो चालक की तलाश कर रही है। कोलकाता की घटना के बाद जहां पूरे देशभर में प्रदर्शन हुए थे तो वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में बदलापुर की घटना के बाद से ही विपक्ष के निशाने पर है।

नियमों के विपरीत नहीं दे सकते अनिवार्य सेवानिवृत्ति

हाईकोर्ट से कर्मचारी को मिली राहत

जबलपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। फार्मूला 50:20 के तहत अयोग्य मानते हुए अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान किए जाने के खिलाफ जबलपुर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई। याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के जस्टिस विवेक जैन ने पाया कि संवीक्षा सेवा समिति ने सरकार द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया। एकलपीठ ने अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश को निरस्त करते हुए याचिकाकर्ता को 50 प्रतिशत वेतन का भुगतान करने के आदेश जारी किए हैं। सतना निवासी दीपक बाजपेई की ओर से दायर याचिका में कहा गया था कि वह सामान्य न्याय तथा निशक्त कल्याण विभाग में वर्ष 1996 में भृत्य के रूप में पदस्थ हुए थे। उन्हें वर्ष 2016 में सहायक ग्रेड तीन में पदोन्नति दी गई थी। इसके बाद वर्ष 2018 में संवीक्षा सेवा समिति ने उन्हें फार्मूला 50:20 के तहत अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर दी। याचिका में कहा गया था कि समिति ने उनके पूरे सेवाकाल का सही ढंग से आकलन नहीं किया। उनके पूरे सेवाकाल में केवल अनाधिकृत रूप से कार्य में अनुपस्थित रहने के संबंध में चेतावनी दर्ज की गई थी, जिसे बाद में नियमित कर दिया गया था। सरकार की ओर से बताया गया कि अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने के कारण याचिकाकर्ता को सेवा से पृथक किया गया। अनाधिकृत छुट्टियों को इस उद्देश्य से नियमित किया गया था ताकि उनकी सेवा पुस्तिका में व्यवधान न आए। एकलपीठ ने सुनवाई के दौरान पाया कि सरकार के नियमों के अनुसार, जिन कर्मचारियों को पिछले पांच वर्षों के दौरान पदोन्नति मिली है, उन्हें सामान्यतः अनिवार्य सेवानिवृत्ति नहीं दी जानी चाहिए। इसके अलावा, पिछले दो वर्षों में उनकी एसीआर ग्रेडिंग 2 से कम नहीं होनी चाहिए। एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा कि नियमों का पालन न करते हुए याचिकाकर्ता को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी गई है। इसके बाद एकलपीठ ने याचिका को स्वीकार करते हुए याचिकाकर्ता के पक्ष में आदेश जारी किए।

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की तीसरी सूची, देखें 29 उम्मीदवारों की सीट

जम्मू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवारों की तीसरी सूची जारी की है। इस सूची में पार्टी ने 29 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। पार्टी ने चरणवार उम्मीदवारों के नाम जारी किए हैं।

पीएम मोदी संभालेंगे चुनाव प्रचार की कमान

इससे पहले भाजपा ने सोमवार को ही अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी थी। चुनाव प्रचार की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभालेंगे। सूची में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के अलावा यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम प्रमुख है। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर, जी किशन रेड्डी, शिवराज सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी और जनरल (सेवानिवृत्त) वी के सिंह के अलावा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर अन्य प्रमुख चेहरे हैं जो चुनाव प्रचार के दौरान जम्मू और कश्मीर का दौरा करेंगे। बता दें कि राज्य में तीन चरणों में 18, 25 सितंबर और एक अक्तूबर को मतदान होंगे और चार अक्तूबर को परिणाम आएंगे।

'मैं खालिस्तानी भी हूं, पाकिस्तानी भी हूं

और कहा कि मैं तो बहुत कुछ हूं फारुक अब्दुल्ला ने ऐसा क्यों कहा?

जम्मू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस का कांग्रेस से गठबंधन होने पर फारूक अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया आई है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि एनसी और कांग्रेस का बहुत अच्छा रहेगा। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के मेनिफेस्टो पर बीजेपी की प्रतिक्रिया पर फारूक ने पलटवार किया है और कहा कि मैं तो बहुत कुछ हूं। मैं तो खालिस्तानी भी हूं और पाकिस्तानी भी हूं। जम्मू-कश्मीर में चुनाव की घोषणा के बाद से फारूक अब्दुल्ला काफी एक्टिव हो गए हैं और उनका दौरा चल रहा है। इस बीच उन्होंने पत्रकारों से मंगलवार को बातचीत की, जिसपर उन्होंने कांग्रेस के साथ गठबंधन को लेकर कहा, "नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहेगा।"

जमात-ए-इस्लामी पर बोले अब्दुल्ला

इस चुनाव में जमात-ए-इस्लामी भी किस्मत आजमा रही है। इस पर फारूक ने कहा, "खुशी की बात है कि वे चुनाव लड़ रहे हैं। चोरी छिपे किसी को वोट देने से तो अच्छा खुद खड़े हो जाएं। आगे आएं। इस रियासत को अच्छा करने के लिए चुनाव लड़ें।"

मेनिफेस्टो पर बीजेपी की प्रतिक्रिया पर अब्दुल्ला का तंज

बीजेपी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के मेनिफेस्टो को प्रो-पाकिस्तानी बताया है। पत्रकारों के इस सवाल के जवाब में फारूक अब्दुल्ला ने तंज भरे लहजे में कहा, "मैं तो बहुत कुछ हूं। मैं तो खालिस्तानी भी हूं। पाकिस्तानी भी हूं और अमेरिकन एजेंट भी हूं। और अगर कुछ रह गया है तो वो भी मैं हूं।" जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कांग्रेस के साथ सभी 90 सीटों के लिए गठबंधन किया है। इस गठबंधन के फैसले के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस ने उम्मीदवारों की सूची भी जारी कर दी है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 28 अगस्त, 2024 3

सुविचार

दुःख अनिवार्य है, पीड़ा वैकल्पिक है।

मिट्टी की मूर्तियां स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता लाई जाए : पोन्नम

गणेश उत्सव की तैयारी बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, श्रीधर बाबू, महापौर ने भाग लिया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में गणेश उत्सव और विसर्जन को भव्य रूप से आयोजित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर हैदराबाद प्रभारी मंत्री पोन्नम प्रभाकर की देखरेख में एमसीआरएचआरडी में एक तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में रंगारेड्डी जिले के प्रभारी मंत्री श्रीधर बाबू ने भाग लिया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर और श्रीधर बाबू ने विभागवार की जाने वाली व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली क्योंकि हैदराबाद में आयोजित गणेश उत्सव में न केवल हमारे राज्य से बल्कि अन्य राज्यों से भी लाखों लोगों के भाग लेने की संभावना है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा उन्होंने हैदराबाद में होने वाले गणेश उत्सव के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को समन्वय बनाकर काम करने का आदेश दिया और 11 दिवसीय उत्सव के दौरान सोशल मीडिया या शांति और सुरक्षा की कोई समस्या होने पर सख्त कार्रवाई करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पूर्व में रमजान, मोहर्रम और बोनालू सफलतापूर्वक मनाया गया है और गणेश उत्सव भी बिना किसी व्यवधान के शांतिपूर्ण ढंग से मनाया जाना चाहिए। पुलिस, बिजली, परिवहन, आरटीसी, मेट्रो, जीएचएमसी, एचएमडीए के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए, विशेष व्यवस्था की जाए क्योंकि पिछले वर्ष की तुलना में मूर्तियों में 10 प्रतिशत की वृद्धि की संभावना है। उन्होंने कहा कि शहर में 141 लॉगिंग प्वाइंट का काम जल्द पूरा किया जाये। उन्होंने कहा कि विसर्जन के लिए छोटे तालाब स्थापित होने चाहिए। सीसी कैमरे से लगातार निगरानी का सुझाव दिया गया है। मंत्री श्रीधर बाबू ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप पॉप मूर्तियों की जगह मिट्टी की मूर्तियों की पूजा के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाने का सुझाव दिया।

6 जोन में जोनल कमिश्नर, डीसी और मंडपम प्रबंधकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। भाग्य नगर गणेश उत्सव समिति ने मुख्यमंत्री के संज्ञान में मामला पहुंचाया है और आश्वासन दिया है कि इसके समाधान के लिए कदम उठाए जाएंगे। पर्यावरणीय मिट्टी की मूर्तियों के वितरण मामले में बिना किसी परेशानी के कार्रवाई करने का आदेश दिया गया।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर व श्रीधर बाबू ने उत्सव के तहत विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समन्वय का निर्देश दिया है, उन्होंने 7-17 सितंबर के बीच आयोजित होने वाले गणेश उत्सव के दौरान कानून व्यवस्था के संबंध में आदेश दिया है। शांति एवं सुरक्षा के मामले में पुलिस द्वारा किये गये उपायों के बारे में ऊपर बताया गया है।

उन्होंने विसर्जन को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए हैदराबाद, साइबराबाद और राचकोंडा आयुक्तालयों के अधिकार क्षेत्र के तहत किए जा रहे उपायों के बारे में बताया। जीएचएमसी अधिकारियों को विसर्जन के दौरान खैरताबाद की मूर्ति को पूरी तरह से डुबाने की व्यवस्था करनी चाहिए, अन्यथा संभावना है कि बहुत सारे भक्त होंगे और अन्य मूर्तियों के विसर्जन में देरी होगी। जीएचएमसी अधिकारियों ने सुझाव दिया कि सफाई कर्मचारियों का गठन किया जाना चाहिए और उन्हें तुरंत हटा दिया जाना चाहिए। जीएचएमसी अधिकारियों को त्योहार से पहले सड़कों की मरम्मत करने का निर्देश दिया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि विसर्जन के लिए वाहनों को तैयार रखा जाना चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए कि टस्कर वाहन और ड्राइवर उपलब्ध हों।

यह सुझाव दिया गया है कि यदि प्रत्येक गणेश के साथ एक पुलिसकर्मी होगा, तो विसर्जन जल्दी होने की संभावना होगी। न केवल हैदराबाद शहर बल्कि उपनगरीय क्षेत्र के टैंकों में भी विशेष व्यवस्था करने का सुझाव दिया गया है। बैठक में राज्यसभा के सदस्य अनिल कुमार यादव, डिप्टी मेयर मोथे श्रीलता शोभन रेड्डी, डीजीपी जितेंद्र, राजस्व प्रधान सचिव नवीन मित्तल, हैदराबाद और मेडचल जिलों के कलेक्टर, हैदराबाद और राचकोंडा पुलिस आयुक्त, हैदराबाद के विधायक, एमएलसी और अन्य ने भाग लिया।

कांस्टेबल को सांप ने काटा

मुलुगु, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के जिले के दौरे के लिए सुरक्षा व्यवस्था के तहत वेंकटपुर मंडल के घने जंगल में तैनात एक ग्रेहाउंड कांस्टेबल को मंगलवार को कथित तौर पर सांप ने काट लिया। जानकारी के अनुसार कांस्टेबल गुंडला प्रशांत वन क्षेत्र में तलाशी ले रहे थे, तभी उन्हें सांप ने काट लिया। उनके सहकर्मियों ने उन्हें तुरंत मुलुगु सरकारी क्षेत्रीय अस्पताल पहुंचाया और बाद में उन्हें बेहतर इलाज के लिए वारंगल भेज दिया गया। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

विसर्जन क्षेत्र में 10,500 सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे

मेट्रो और बस सेवा के भी होंगे बेहतर इंतजाम

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गणेश उत्सव के 11 दिनों के दौरान, शहर में यातायात के संबंध में उपाय किए जाने का सुझाव दिया गया है, उत्सव समितियों को व्यस्त मुख्य चौराहों और जंक्शनों पर मंडप स्थापित नहीं करने की सलाह दी गई है, क्योंकि धूलपेट में मूर्तियों को ले जाने के लिए भारी यातायात होगा। गणेश उत्सव की तैयारी बैठक में मंत्रियों ने कहा कि जिन इलाकों में बड़े गणेश जाते हैं, वहां पेड़ों की छंटाई कर दी जाए और टस्कर जैसे बड़े वाहनों की जगह छोटे वाहनों का इस्तेमाल किया जाए तो ज्यादा परेशानी नहीं होगी। फिटनेस युक्त वाहन उपलब्ध कराये जायें, अच्छे ड्राइवर एवं अतिरिक्त डीजल उपलब्ध कराया जाये। एचएमडीए आयुक्त ने बताया कि टैंक बंड और एनटीआर मार्ग में मूर्तियों के विसर्जन के लिए 22 मंच बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि टैंक बांड के ऊपर 33 क्रेनें लगाई जा रही हैं, यदि अतिरिक्त क्रेनों की आवश्यकता होगी तो और क्रेनें लाने के लिए कदम उठाए जाएंगे। जीएचएमसी के तहत 100 सांख्यिकीय क्रेन और 150 मोबाइल क्रेन स्थापित की जाएंगी।

इस बार अनुमान है कि पिछले साल से ज्यादा मूर्तियां आने की संभावना है और उसी हिसाब से व्यवस्थाएं की जा रही हैं. विसर्जन क्षेत्र में 10,500 सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे। विसर्जन के बाद वेस्टीज कवरेज डंप के लिए 100 टिपर और 20 जेसीबी की व्यवस्था की गई थी।

महाराष्ट्र गांजा लेकर जा रहे दो तस्कर गिरफ्तार

35 लाख का 60 किलोग्राम गांजा बरामद

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश से हैदराबाद के रास्ते महाराष्ट्र में कथित तौर पर गांजा की तस्करी कर रहे दो लोगों को महेश्वरम स्पेशल ऑपरेशन टीम (एसओटी) ने इब्राहिमपट्टनम पुलिस के साथ मिलकर सोमवार को पकड़ा। करीब 60 किलो गांजा, एक कार और अन्य सामान जब्त किया गया, जिसकी कुल कीमत 35 लाख रुपये है। गिरफ्तार किए गए लोगों में महाराष्ट्र के वाल्मीक रूपा मोहिते और बी देवराम चव्हाण शामिल हैं, जबकि आंध्र प्रदेश के अराकू का ड्रग डीलर तिरुपति फरार है। पुलिस के अनुसार, रूपा मोहिते (जो पहले ट्रांसपोर्टेशन के व्यवसाय से जुड़ा था) ने घाटे के बाद ड्रग तस्करी शुरू करने का फैसला किया। अपने रिश्तेदार देवराम चव्हाण की मदद से, रूपा मोहिते ने तिरुपति में कम कीमत पर गांजा खरीदा और इसे महाराष्ट्र में उपभोक्ताओं को उच्च दर पर बेचा। प्राप्त ड्रग्स को ट्रांसपोर्ट करने के लिए, रूपा मोहिते ने एक कार खरीदी और हैदराबाद के माध्यम से आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच अक्सर गांजा की तस्करी की। 26 अगस्त को दोनों कार से विशाखापट्टनम गए और तिरुपति में 60 किलोग्राम गांजा खरीदा और आंध्र प्रदेश में प्रवेश करते समय आंध्र प्रदेश से संबंधित एक फर्जी वाहन पंजीकरण नंबर प्लेट लगा ली। सीपी राचकोंडा जी सुधीर बाबू ने बताया कि वे आंध्र प्रदेश के पेंदुर्थी से महाराष्ट्र के नासिक की ओर कार में 30 पैकेट में गांजा लेकर गए थे। पुलिस जांच से बचने के लिए उन्होंने राजमंड्री, विजयवाड़ा, सूर्यपेट, चौटुप्पल और इब्राहिमपट्टनम से होकर जाने का रास्ता चुना। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने इब्राहिमपटनम के रायपोल गांव में उनकी कार को रोका और मादक पदार्थ जब्त कर लिया। तिरुपति को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

1.5 करोड़ रुपये मूल्य के हशीश तेल के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भोंनगिर स्पेशल ऑपरेशन टीम (एसओटी) ने पोचमपल्ली पुलिस के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान में मंगलवार को आंध्र प्रदेश के दो अंतर्राज्यीय ड्रग तस्करों को पकड़ा, जो हशीश तेल की तस्करी में शामिल थे। अधिकारियों ने 1.52 करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 10 किलोग्राम हशीश तेल जब्त किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति जी गोविंदा राव और के रामबाबू हैं, जो आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम्राजू जिले के किसान और ड्रग तस्कर हैं। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी. सुधीर बाबू ने बताया कि संदिग्ध जो एक दूसरे के करीबी दोस्त हैं, उन्होंने ड्रग तस्करी करके आसानी से पैसा कमाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा, अपनी योजना के अनुसार, उन्होंने स्थानीय स्तर पर जाने-माने ड्रग तस्करों से हशीश ऑयल खरीदा और इसे राज्य और पड़ोसी राज्यों में उपभोक्ताओं को ऊंची कीमत पर बेचा। 26 अगस्त को दोनों ने स्थानीय ड्रग डीलर चंति और लक्ष्मी नायुडू से लगभग 10.2 किलोग्राम हशीश तेल खरीदा और सामान में ड्रग छिपाकर आरटीसी बस से हैदराबाद जा रहे थे। एक गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने उन्हें पोचमपल्ली के कोत्तागुडा 'एक्स' रोड पर बस से उतरते समय पकड़ लिया और उनके पास से हशीश तेल जब्त किया गया। अधिकारियों ने बताया कि चंती और लक्ष्मी नायुडू को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

सेटविन सेवाओं का राज्य भर में विस्तार शीघ्र : गिरिधर रेड्डी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। संगठन के अध्यक्ष एन. गिरिधर रेड्डी ने कहा कि वह जल्द ही राज्य में सेटविन सेवाओं का विस्तार करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही जहीराबाद, तंडूर, विकाराबाद, संगारेड्डी और जेडचेरला इलाकों में केंद्र स्थापित किए जाएंगे। सेटविन के अध्यक्ष ने मंगलवार को प्रबंध निदेशक के. वेणुगोपाल राव के साथ मोती गली प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। उन्होंने केंद्र में सौंदर्य, कटिंग एवं टेलरिंग, कंप्यूटर, एयरलाइन टिकटिंग, सेल फोन मरम्मत, कंप्यूटर हार्डवेयर और प्रिंटिंग प्रेस केंद्रों का निरीक्षण किया और बारीकियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि वह राज्य सरकार के परामर्श से सेटविन को आर्थिक रूप से मजबूत करने की पूरी कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार बेरोजगारों का समर्थन करेगी।

कविता की जमानत बीआरएस और कांग्रेस की सामूहिक जीत है : बंडी

केटीआर ने सीजे से संजय के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज करने का अनुरोध किया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा बीआरएस पार्टी की एमएलसी कविता को जमानत देना कांग्रेस और बीआरएस दोनों पार्टियों द्वारा कविता की जमानत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत का नतीजा है और उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी ने कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार को राज्यसभा चुनाव जीतने में मदद की क्योंकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कविता की ओर से दलील दी और उन्हें जमानत दिलाई।

कांग्रेस पार्टी और उनके वकीलों को बधाई और कुख्यात शराब घोटाले में बीआरएस एमएलसी

कविता को जमानत दिलाने में सफलता के लिए बधाई। आपके अथक प्रयासों ने आखिरकार रंग ला दिया है। यह जमानत बीआरएस और कांग्रेस की सामूहिक जीत है। बीआरएस नेता जमानत पर बाहर हैं। कांग्रेस नेता राज्यसभा जा रहे हैं, केसीआर की शानदार राजनीतिक सूझबूझ को सलाम। बीआरएस उम्मीदवार का समर्थन कर रहा है, जिसने जमानत के लिए दलील दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा, सत्तारूढ़ कांग्रेस ने उन्हें एकतरफा तरीके से राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। बीआरएस पार्टी के सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में विलय की खबर अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा, प्रत्यर्पण अब अगला कदम है।

इस बीच, बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने बंडी संजय की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी। केटीआर ने कहा, आप केंद्रीय गृह राज्य मंत्री हैं। आप सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर

आईजीपी ने हेड कांस्टेबल को सम्मानित किया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मल्टी-जोन II के आईजीपी वी. सत्यनारायण ने मंगलवार को हैदराबाद रनर्स सोसाइटी द्वारा आयोजित एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन में अपने प्रदर्शन के लिए हेड कांस्टेबल सत्यनारायण को सम्मानित किया। आईजीपी ने 21 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने के लिए हेड कांस्टेबल सत्यनारायण की सराहना की। उन्होंने पहले 42 किलोमीटर की दौड़ पूरी करने और लगातार तीसरी बार हैदराबाद सोसाइटी मैराथन में भाग लेने के लिए हेड कांस्टेबल सत्यनारायण की भी सराहना की।

अगले दस साल तक सत्ता हमारी : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि बीआरएस नेता कितना भी दुष्प्रचार करें, कांग्रेस अगले दस साल तक सत्ता में रहेगी। यह याद रखना बेहतर होगा कि हम तब सत्ता में आये थे जब हम आपके लोक प्रशासन से तंग आ गये थे। उन्होंने कहा कि अगर आप कर्जमाफी को लेकर झूठ फैलाकर किसानों को भड़काने का प्रयास बंद नहीं करेंगे तो आप खुद को खो देंगे। लोग इतने मासूम नहीं हैं। तो फिर आपने क्या किया? अब सब देख रहे हैं कि कांग्रेस सरकार क्या कर रही है। यदि किसी तकनीकी कारण से पात्र किसानों को छूट नहीं मिलती है तो हमें उनके साथ न्याय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पहले ही जिला प्रशासन को ऐसे किसानों की पहचान करने और छूट लागू करने के स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं। मैं किसानों से अनुरोध कर रहा हूं कि वे चिंता न करें। हमारी सरकार सदैव किसानों के पक्ष में है। हमने पहले भी देश भर में कर्ज माफ किया है। हमने राज्य में कृषि पंप सेटों को मुफ्त बिजली दी है। बीआएस नेताओं के झूठ पर विश्वास न करें। पहले उनका दो लाख की कर्जमाफी का वादा करने का इतिहास रहा है और सत्ता में आने के चार साल बाद भी वे इसे आधे लोगों पर भी लागू करने में विफल रहे।

टीजीएसआरटीसी कर्मचारियों ने काले बैज पहनकर किया विरोध प्रदर्शन

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएसआरटीसी जेएसी के आह्वान पर निगम के श्रमिकों और कर्मचारियों ने आरटीसी में अपने लंबे समय से लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को राज्य भर के सभी डिपो पर बस चालकों और कंडक्टरों सहित कर्मचारियों ने काले बिल्ले पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। जेएसी ने कहा कि उनकी मांगों में नौकरियों और अन्य के अलावा आरटीसी के लिए नई बसें और इलेक्ट्रिक बसें शामिल हैं।

एमएलसी महेंद्र रेड्डी ने फार्महाउस के मालिक होने की बात स्वीकार की

दावा किया कि सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली गई है

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के बाद, कांग्रेस एमएलसी पट्टनम महेंद्र रेड्डी ने कहा कि हिमायत सागर में उनका फार्महाउस पट्टा भूमि पर है और उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि हाइड्रा ने फार्महाउस को अवैध घोषित कर दिया तो वे इसे ध्वस्त कर देंगे। 14.14 एकड़ में फैली यह जमीन पुश्तैनी संपत्ति है और फार्महाउस 20 साल पहले बनाया गया था। उन्होंने मंगलवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इस ढांचे का निर्माण एक छोटे से हिस्से में किया गया था और बाकी हिस्से का इस्तेमाल धान, सब्जियों और फलों की खेती के लिए किया जा रहा था।

जमीन के दस्तावेज पेश करते हुए कांग्रेस एमएलसी ने कहा कि पट्टा जमीन 1999 में उनके बेटे के नाम पर खरीदी गई थी और 2005 में जीओएमएस 111 मानदंडों के तहत निर्माण की अनुमति ली गई थी। नवीनतम धरणी पोर्टल में भी, सभी भूमि विवरण अपलोड किए गए थे। उन्होंने कहा कि सांसदों, मंत्रियों सहित कई प्रभावशाली लोगों के पास जीओएमएस 111 सीमा के तहत संपत्तियां हैं। उन्होंने कहा, उनकी संपत्तियों की तुलना में मेरी संपत्ति बहुत छोटी है। चूंकि यह एक पहाड़ी पर बनी है, इसलिए यह रिंग रोड से दिखाई देती है और कई लोगों का ध्यान आकर्षित करती है।

केंद्र ने तेलंगाना को ऊर्जा आपूर्ति करने पर सहमति जताई : किशन

नई दिल्ली, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला मंत्रालय की पहल पर तेलंगाना की भविष्य की बिजली जरूरतों को पूरा करने के लिए चल रहे प्रयास को आगे बढ़ाया गया है। इससे तेलंगाना को सालाना 200 मेगावाट सौर ऊर्जा (सोलर पावर) की आपूर्ति की जाएगी। एनएलसी (नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन) इंडिया लिमिटेड ने तेलंगाना को ऊर्जा आपूर्ति करने पर सहमति जताई है। केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) योजना के तहत नेवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन इंडिया लिमिटेड गुजरात के कच्छ जिले के बीबर इलाके में 510 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित कर रही है। कच्छ में सौर ऊर्जा के लिए पर्याप्त जमीन और अनुकूल वातावरण है। 1,214 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा सौर ऊर्जा संयंत्र लगभग पूरा हो चुका है। इस बात की पूरी संभावना है कि जून 2025 से परियोजना के जरिए बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। यह सौर ऊर्जा परियोजना तेलंगाना की बिजली जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी। सौर परियोजना से 2.57 रुपये प्रति किलोवाट घंटे की अनुमानित लागत से बिजली मिलेगी। इससे तेलंगाना ट्रांसको को अगले 25 वर्षों में करीब 2,000 करोड़ रुपये की बचत होगी। इस परियोजना के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरित ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को एक कदम और आगे बढ़ाया जाएगा। सौर पैनल और संबंधित उपकरण तेलंगाना के बाजार से खरीदे जाएंगे। इससे तेलंगाना में सौर पैनलों के उत्पादन का रास्ता साफ होगा। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। इससे तेलंगाना राज्य सरकार को एसजीएसटी के रूप में राजस्व भी मिलेगा। इसके अलावा, यह सौर परियोजना हरित ऊर्जा में तेलंगाना राज्य की भागीदारी को और बढ़ाएगी। सौर परियोजना जीवन भर में आपूर्ति की जाने वाली 12.5 बिलियन यूनिट हरित ऊर्जा के माध्यम से 8.9 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को रोक सकती है। सौर परियोजना की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि परियोजना में उपयोग की जाने वाली सभी सौर कोशिकाओं का उपयोग स्वदेशी रूप से किया जाएगा, जिससे 'मेक इन इंडिया' लक्ष्य को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार को इस दिशा में कदम उठाते हुए जल्द से जल्द एनएलसी के साथ बिजली खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर करना चाहिए। इससे पहले भी केंद्र सरकार ने तेलंगाना में बिजली उत्पादन बढ़ाने और राज्य की घरेलू और औद्योगिक जरूरतों को पूरा करने का फैसला किया था। नए राज्य के गठन के बाद से इसके तहत एनटीपीसी द्वारा करीब 11,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह सर्वविदित है कि रामागुंडम में 800 मेगावाट (कुल क्षमता 1,600 मेगावाट) की क्षमता वाले दो बिजली संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री ने किया था। इसके अलावा एनटीपीसी द्वारा रामागुंडम में स्थापित 100 मेगावाट का फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट भी 31 जुलाई, 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके अलावा केंद्र राज्य में बन रही अन्य बिजली परियोजनाओं को भी सहायता प्रदान कर रहा है। केंद्र एनटीपीसी के तहत 2,400 मेगावाट क्षमता के अन्य बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए तैयार है। लेकिन अगर राज्य आगे आता है और यहां उत्पादित बिजली खरीदने के मामले में पीपीए (बिजली खरीद समझौता) में प्रवेश करता है, तो यह एनटीपीसी के लिए परिचालन शुरू करने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आदिलाबाद, तेलंगाना के सांसद नागेश ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मुलाकात की और क्षेत्र से संबंधित विभिन्न रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की विविध सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

अधिसूचना 03/2024

सिकंदराबाद मंडल,दक्षिण मध्य रेलवे में गति शक्ति यूनिट के लिए सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से मासिक पारिश्रमिक के आधार पर नीचे बताए गए विभिन्न श्रेणियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

क्र सं.	विभाग	श्रेणी	कर्मचारियों की सं.
1	विद्युत	जूनियर स्केल ऑफिसर	01
कुल योग			01

विस्तृत अधिसूचना www.scr.indianrailways.gov.in >अबाउटअस>मंडल> सिकंदराबाद>पर्सनल> नोटिफिकेशन और रिजल्ट पर उपलब्ध है.

आवेदन https://cutt.ly/GSUSCSCR के माध्यम से जमा किए जा सकते है.

आवेदन की अंतिम तिथि **13.09.2024** है.

केवल ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे

A1105 विभागीय कार्मिक अधिकारी, सिकंदराबाद

PUB/0856

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, AFSANA D/o NOOR SELIM SK Born on 26th AUGUST, 2009, R/o Village Gholla, P.O Milki PS , Saktipur, District, Musheerabad, West Bengal, PIN-742163 have changed my Name to AFSANA KHATUN vide Affidavit Dated 08.08.2024 at Hyderabad Court.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

69000 शिक्षक भर्ती मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने डाली याचिका

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में जारी की गई सूची रद्द करने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अनारक्षित वर्ग के दो चयनित और एक अचयनित अभ्यर्थियों ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इससे पहले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने इस मामले में कैविएट दाखिल कर रखी है। बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आरक्षण नियमों का पालन न करने को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई चयन सूची रद्द कर दी थी और तीन महीने के भीतर नई सूची जारी करने का आदेश दिया था। इसके बाद से प्रदेश सरकार पर विपक्ष ने आरक्षण विरोधी होने के आरोप लगाए थे। इस पर योगी सरकार ने बयान जारी कर कहा था कि सरकार किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने देगी।

पहले भी आमने-सामने आ चुके हैं आरक्षित और अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी

इसके पहले भी आरक्षित और अनारक्षित अभ्यर्थी हाईकोर्ट के आदेश को लेकर आमने सामने आ चुके हैं। 22 अगस्त को आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दे रहे थे कि अनारक्षित अभ्यर्थी भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्ष आमने-सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। किसी विपरीत परिस्थिति से बचने के लिए पुलिस बीच में दीवार बनकर खड़ी रही। हालांकि, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा से वार्ता में आश्वासन के बाद अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों ने धरना समाप्त कर दिया था।

10 किलो आटा ने पहुंचा दिया थाने

प्रयागराज, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दस किलो आटा को लेकर जमकर बवाल हो गया। आटा लौटाने आए अधिवक्ता ने जब शिकायत की तो बवाल शुरू हो गया। जनरल स्टोर संचालक के बेटे ने अधिवक्ता को जान से मारने की धमकी दी, गाली गलौच की। वहां मौजूद लोगों ने बीच बचाव किया। इसके बाद मामला थाने पहुंच गया। अधिवक्ता ने जनरल स्टोर संचालक के बेटे के खिलाफ थाने में तहरीर दी। तहरीर लेकर शिवकुटी पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। शिवकुटी थाना एरिया के बद्री आवास योजना रसूलाबाद में अंकित राय रहते हैं। अंकित राय हाईकोर्ट में वकालत करते हैं। अंकित राय ने अभिनव जनरल स्टोर से दस किलो आटा खरीदा। घरवालों ने बताया कि आटा ठीक नहीं है। इस पर अंकित राय दस किलो आटा लौटाने के लिए दुकान आए। अंकित के साथ उनकी तीन वर्षीय भांजी भी थी।

अवैध खड़ंजा मार्ग बनवाने को लेकर हाईकोर्ट हुई सख्त

डीएम-एसडीएम व ग्राम प्रधान को किया तलब

प्रयागराज, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सराय ममरेज थाना क्षेत्र के मीठूपुर गांव की है जहां उक्त ग्राम प्रधान उदय चंद यादव पर गांव के राम मनोहर ने आरोप लगाया है कि उसकी भूमिधरी भूमि में राजस्व व पुलिस अधिकारियों से मिली भगत से जबरन 08/06/2022 को मिट्टी डलवा कर खड़ंजा मार्ग बनाते हुए भुक्तभोगी को पुलिस गिरफ्तार करके उनका मोबाइल बंद करा दिए। जिससे राम मनोहर किसी अधिकारी के पास सूचना न दे सकें तत्पश्चात प्रधान के कार्य से आहत होकर उच्च न्यायालय में 21262/2022 वाद दाखिल किया। जिसमें उच्च न्यायालय द्वारा 01-08-2022 को आदेश जारी कर जिलाधिकारी प्रयागराज इस प्रकरण में विधिक जांच कर कार्रवाई करके आंख्या प्रस्तुत करें। परंतु जिलाधिकारी प्रयागराज के द्वारा 2 साल में भी कोई जांच आख्या प्रस्तुत नहीं की गई। इस दौरान ग्राम प्रधान के द्वारा राम मनोहर व उनके घर के लोगों को बार-बार परेशान करते रहे उनकी आबादी की जमीन को लेखपाल के ऊपर दबाव देखकर गलत रिपोर्ट लगवा कर आवादी पर भी पक्का निर्माण करवा दिया। जबकि उसी जमीन का जिला न्यायालय में वाद संख्या 3466/22 विचाराधीन है इसी तरह राम मनोहर व अन्य के द्वारा पुरानी आवासीय आबादी की बैनामा सन 2008 में करवाया था। जिसमें कच्चा खपरैलदार कमरा महुआ का पेड़ नीम का पेड़ बांस का कोठ की रजिस्ट्री करवाया था और उसी में एक सरकारी हैंड पंप भी लगा हुआ है फिर भी दबंगो द्वारा जबरन कब्जा कराये जाने का आरोप लगाया कि और हैंडपंप बिगड़ जाने पर राम मनोहर उसको बनवा रहे थे तो उक्त लोगो द्वारा रोका गया राम मनोहर उपजिलाधिकारी हंडिया को प्रार्थना पत्र दिया जिस पर वीडियो के द्वारा सेक्रेटरी को मौके पर जांच करने के लिए भेजा लेकिन सेक्रेटरी विवादित जमीन का हवाला देते हुए बनवाने से इंकार कर दिये। जब अपनी फरियाद लेकर थाने गया तो विपक्षियों के दबाव से राम मनोहर को ही थाने पर बैठा शांति भंग में चालान कर दिया। उसी दौरान ग्राम प्रधान के द्वारा बनवाए गए अवैध खड़ंजा को सी सी रोड बनवा दिये इन्ही सब प्रताड़नाओं को देखकर राम मनोहर ने माननीय उच्च न्यायालय के शरण में जाकर अवमानना का वाद संख्या 5173/2024 दाखिल किया जिस पर माननीय उच्च न्यायालय के कोर्ट नंबर 1 के माननीय न्यायाधीश सलिल कुमार राय ने सरकारी वकील के प्रार्थना पर 3 तारीखो पर मौका दिया गया जवाब दाखिल करने के लिए परंतु जिलाधिकारी प्रयागराज के द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया जिस पर माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जिलाधिकारी प्रयागराज उपजिलाधिकारी हंडिया तहसीलदार हंडिया ग्राम प्रधान

यूकेजी की छात्रा स्कूल में हुई बेहोश, अस्पताल में हो गई मौत; क्या आया था हार्ट अटैक?

अमरोहा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इन दिनों हार्ट अटैक के मामले बढ़ गए हैं। बुजुर्ग से लेकर युवा और बच्चे तक इस बीमारी के शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के अमरोहा से सामने आया है। यहां स्कूल में 5 साल की बच्ची अचानक सीने में दर्द हुआ और बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। स्कूल प्रशासन ने तत्काल इसकी सूचना बच्ची के घरवालों को दी। परिजन तत्काल बच्ची को अस्पताल लेकर गए, जहां उसकी मौत हो गई। घरवालों का कहना है कि बच्ची की मौत हार्ट अटैक से हुई है। बच्ची का नाम इफ्फत है। वह शनिवार को स्कूल गई थी। लेकिन जब स्कूल की छुट्टी हुई तो तो उस वक्त उसकी तबीयत बिगड़ गई।

वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। स्कूल प्रबंधन की सूचना पर परिजन तत्काल वहां पहुंचे और उसे इलाज के लिए एक प्राइवेट अस्पताल लेकर गए, यहां से डॉक्टरों ने बच्ची को हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहां बच्ची की मौत हो गई। बच्ची अमरोहा के हसनपुर के सकरगढ़ी गांव की रहने वाली थी। उसके पिता का नाम तनवीर अहमद है। घरवालों ने बताया कि वह यूकेजी की छात्रा थी। वह सुबह तक बिल्कुल ठीक थी। लेकिन अचानक उनके पास स्कूल के एक टीचर का कॉल आया। टीचर ने उन्हें बताया कि बच्ची की तबीयत बिगड़ गई है, जल्द ही अस्पताल आ जाइए। इसके बाद वह तत्काल स्कूल गए।स्कूल जाकर देखा तो बच्ची बेसुध हाल में थी। बच्ची की मौत के बाद घरवालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

एनटीपीसी में मालगाड़ी और इंजन की भिड़ंत

लोको पायलट समेत दो घायल

रायबरेली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के रायबरेली में एनटीपीसी विद्युत तापीय परियोजना ऊंचाहर में कोयला उतारकर वापस जा रही मालगाड़ी के ट्रैक पर सामने से खाली रेल इंजन आ गया। नतीजा मालगाड़ी व ट्रेन का इंजन आमने-सामने से टकराते हुए रेलवे ट्रैक से नीचे उतर गए। घटना में लोको पायलट समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आवासीय परिसर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एनटीपीसी संयंत्र क्षेत्र में स्थित कोल हैंडलिंग प्लांट में सोमवार की देर शाम झारखंड प्रांत के कोयला खदानों से एक मालगाड़ी परियोजना में कोयले की आपूर्ति लेकर आई थी। रात तक इस मालगाड़ी से कोयले की अनलोडिंग परियोजना के कोल हैंडलिंग प्लांट में होती रही। रात करीब दस बजे यह मालगाड़ी परियोजना से वापस अपने गन्तव्य की ओर रवाना हुई। मालगाड़ी का इंजन पीछे लगा हुआ था, जिसे करीब चार किलोमीटर आगे अरखा रेलवे स्टेशन पर सीधा होना था।

रेल इंजन पटरी से उतरा

मालगाड़ी जैसे ही परियोजना से रवाना हुई, तभी सामने से इसी रेलवे ट्रैक पर अचानक एक रेल इंजन आ गया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, मालगाड़ी और रेल इंजन जोरदार आवाज के साथ आमने-सामने से टकरा गए। घटना में रेल इंजन पटरी से नीचे उतरकर गया और मालगाड़ी उसे धकेलते हुए आगे निकल गई। इस हादसे में इंजन का लोको पायलट और एक अन्य व्यक्ति घायल हुए है, जिन्हें एनटीपीसी के आवासीय परिसर स्थित अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर भगदड़ मच गई।

क्षेत्र को किया गया सील, सीआईएसएफ के जवान तैनात

सूचना पाकर तत्काल रेलवे और एनटीपीसी के अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसी के साथ पूरे क्षेत्र को सील करते हुए सीआईएसएफ के जवानों को तैनात कर दिया गया है। जहां किसी के भी आवागमन पर रोक लगा दी गई है। इस हादसे में रेल इंजन और रेलवे ट्रैक को काफी नुकसान पहुंचा है। परियोजना की जनसंपर्क अधिकारी कोमल शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। रेलवे ट्रैक के मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है।

यूपी में जींस की बेल्ट में निकला लाखों का सोना, तरीका देख अधिकारी भी रह गए हैरान

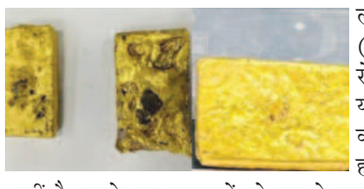

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गोल्ड स्मगलर रोज नए-नए तरीके से गोल्ड यानी सोना स्मगलिंग करने का तरीका अपना रहे है। हालांकि एजेंसियां उनसे कम नहीं है। उनके इन कारनामों को झट से पकड़ लेती है। ऐसे में यूपी का राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आ रहा है। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक तस्कर से एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लाखों का सोना पकड़ा है। सोना लाने का तरीका देख अधिकारी भी एक पल के लिए हैरान रह गए। लखनऊ एयरपोर्ट पर रोजाना की तरह हलचल थी कि तभी चेकिंग करने वाले अधिकारियों की नजर एक व्यक्ति पर पड़ी। वह थोड़ा-सा घबराया हुआ था।

अधिकारियों ने उसे रोका और पूछताछ की। पूछताछ में वह सकपका रहा था इस पर अधिकारियों को मामला गड़बड़ लगा तो उन्होंने उसकी तलाशी शुरू की। तलाशी में अधिकारियों को जींस के बेल्ट में 68 लाख का सोना मिला। जिसके बाद कस्टम ने उसे हिरासत में ले लिया और पूछताछ में जुट गई। एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों ने जानकारी दी कि यात्री फ़्लाइट नंबर एफडी146 से बैंकॉक से लखनऊ पहुंचा था। उसने अपनी जींस के बेल्ट में नीले रंग के कपड़े में पेस्ट के रूप में सोना छिपाया था। चेकिंग के दौरान यात्री के जींस के बेल्ट से लगभग 931 ग्राम सोना बरामद हुआ है, जिसकी कीमत 68,42,850 रुपये बताई जा रही है। कस्टम यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है

फतेहपुर में गैंगस्टर के अवैध बहुमंजिला इमारत पर चला बुलडोजर

भारी पुलिस बल के साथ प्रशासन ने की कार्रवाई

फतेहपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर में गैंगस्टर रजा मोहम्मद पुत्र मोबीन के बहुमंजिला इमारत पर प्रशासन ने बुलडोजर चला दिया। ध्वस्त किया गया बहुमंजिला इमारत फरीद अहमद, रजा मोहम्मद और आयशा खातून के नाम पर था। फिलहाल यह बहुमंजिला इमारत निर्माणाधीन था। 21 अप्रैल 2022 को एसडीएम ने अवैध इमारत को गिराने का आदेश दिया था। मिली जानकारी के अनुसार, यह बहुमंजिला व्यवसायिक इमारत पूरी तरह से अवैध था और इसे नक्शा पास कराए बगैर बनाया जा रहा था। जिला मजिस्ट्रेट की कोर्ट में लंबे समय से इस विचाराधीन मामले पर गैंगस्टर ने इस इमारत के रेस्टोरेशन के लिए अर्जी भी लगाई थी, जिसे उपजिला मजिस्ट्रेट ने रद्द कर दिया था। जिला कोर्ट के आदेश के बाद गैंगस्टर का बहुमंजिला इमारत गिरा दिया गया। इमारत को ध्वस्त करने के लिए प्रशासन भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची थी। गैंगस्टर के इमारत को ध्वस्त करने का वीडियो भी सामने आया है। जिसमें यह साफ तौर पर देखा जा सकता है कि प्रशासन भारी पुलिस बल के साथ इमारत को ध्वस्त करने पहुंचा है। बुलडोजर अवैद इमारत को ध्वस्त करने में लगा हुआ है।

बड़ी कार्रवाई से माफियाओं में मचा हड़कंप

प्रशासन के बुलडोजर एक्शन से फतेहपुर जिले में माफियाओं के बीच खलबली मच गई है। गैंगस्टर का बहुमंजिला इमारत गिरता देख सभी अपराधियों के मन में ये बात बैठ गई है कि आज गैंगस्टर रजा मोहम्मद के अवैध इमारत पर बुलडोजर चला है, कहीं इसके बाद उनका ही नंबर तो नहीं आने वाला। बता दें कि गैंगस्टर रजा मोहम्मद ने कुछ समय पहले पीएम मोदी पर भी विवादित टिप्पणी की थी।

युवक की सरेआम पैंट खोली और लोग वीडियो बनाते रहे, बिहार में हुआ वीभत्स कांड

अररिया, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के अररिया से अमानवीय करतूत की तस्वीर सामने आई है जिसके बारे में सोचकर किसी की भी रूह कांप जाएगी। यहां चोरी के आरोप में एक युवक के साथ घिनौना अपराध किया गया। यहां कानून से विश्वास उठ जाने और खुद फैसला करने के लिए भीड़तंत्र का कानून खुद के हाथों में ले लेने का मामला सामने आया है। चोरी के इस आरोपी के साथ बेरहमी की गई और उसके मलद्वार में मिर्च डाल कर अजीब और अमानवीय कृत्य की गई है। दरअसल, यह पूरा मामला अररिया नगर थाना क्षेत्र के अस्पताल चौक की है। यहां चोरी के आरोप में पकड़े एक युवक के साथ स्थानीय दुकानदार और भीड़ में शामिल लोग अमानवीय होकर अमर्यादित होकर कृत्य कर रहे हैं। तस्वीर में साफ तौर पर नजर आ रहा है कि कुछ लोगों ने युवक को पकड़ कर रखा है और पीछे से एक शख्स लाल मिर्च के पैकेट से मिर्च मलद्वार में डाल रहा है। इतना ही नहीं वह लकड़ी के छोटे टुकड़े से उसे मलद्वार के भीतर भी डालता है। शर्मशार कर देने वाली यह तस्वीर अररिया नगर थाना क्षेत्र के अस्पताल चौक के समीप की है। इस पूरे मामले पर अररिया नगर थाना अध्यक्ष ने फोन पर बताया किदेर रात इस मामले में कैस रजिस्टर्ड कर लिया गया है और एक आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है।

'बीजेपी के कई विधायक महागठबंधन के संपर्क में जल्द होगी बड़ी टूट', आरजेडी के दावे से मचा हड़कंप

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। लालू प्रसाद यादव की पार्टी आरजेडी ने एक बार फिर बड़ा दावा कर दिया है। पार्टी के एक नेता ने मंगलवार को दावा किया है कि झारखंड में बीजेपी के कई विधायक महागठबंधन के संपर्क में हैं। बड़ी टूट की भी बात कही गई है। दरअसल आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने बड़ा दावा किया है। एक तरफ झारखंड में चुनाव है तो वहीं दूसरी ओर इस दावे से सियासी गलियारे में खलबली मच गई है। आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि चंपाई सोरेन 30 अगस्त को जा रहे हैं। बीजेपी में जाने से महागठबंधन को झारखंड विधानसभा चुनाव में कोई नुकसान नहीं होगा। बीजेपी तो अपनी हार मान चुकी है। जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होते हैं वहां विरोधी दलों में बीजेपी तोड़फोड़ करती है, लेकिन उसको कोई फायदा नहीं होता है। आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि झारखंड में बीजेपी के कई विधायक महागठबंधन के संपर्क में हैं।

जल्द झारखंड में बीजेपी में भगदड़ मचने वाली है। बीजेपी अपने आप को संभाल ले। झारखंड में सरकार फिर से महागठबंधन की ही बनेगी। पिछली बार झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन में आरजेडी सात सीटों पर लड़ी थी। हमारा मंत्री भी सरकार में है। इस बार कितनी सीटों पर लड़ेंगे यह तय हो जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि मकसद बीजेपी को रोकना है। झारखंड में आरजेडी का जनाधार है। उस हिसाब सीटें लेंगे। बता दें हेमंत सोरेन जमीन घोटाला मामले में जेल गए तो मुख्यमंत्री पद से उन्होंने इस्तीफा दिया था और चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया था।

जमानत मिलने के बाद जब वो बाहर आए तो चंपाई को सीएम की कुर्सी से हटा दिया। इससे चंपाई नाराज हो गए और खुली बगावत का ऐलान कर दिया। ऐसे में देखा जाए तो झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन को बड़ा झटका लगने जा रहा है। वह 30 अगस्त को रांची में बीजेपी में शामिल होंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात भी की है। उनको कोल्हान टाइगर कहा जाता है। आदिवासी बहुल इलाकों में उनकी अच्छी पकड़ है। कोल्हान में विधानसभा की कुल 14 सीटें हैं।

जन्माष्टमी पर व्रत खोला कुट्टू के आटे से बना प्रसाद खाया, 80 लोगों की बिगड़ी तबीयत

मथुरा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा में कुट्टू के आटे से बना प्रसाद खाने से 80 लोग बीमार हो गए। इनमें से कुछ लोगों को तत्काल पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। यहां कुछ लोगों की गंभीर स्थिति होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बीमार लोगों की संख्या में इजाफा हो सकता है। मथुरा के फरह थाना क्षेत्र के 4 गांवों में फूड पॉइजनिंग की घटना सामने आई है। गांववालों ने बताया कि जन्माष्टमी को लेकर लोगों ने व्रत रखे थे। इसके बाद व्रत जब उन्होंने खोला तो कुट्टू के आटे का प्रसाद खाया। फिर कुछ देर बाद तबीयत बिगड़ने लगी। व्रतियों को तेज पेट दर्द होने लगा।

उन्हें उल्टियां होने लगीं। बीमार लोग मथुरा के फरह थाना क्षेत्र के परखम, बरोदा, मिर्जापुर और मखदूम खैरट गांव के बताए जा रहे हैं। गांववालों बताया कि इलाके में कुछ दुकानें हैं, जहां से व्रतियों ने कुट्टू का आटा खरीदा था। आशंका जताई जा रही है कि आटा की गुणवत्ता खराब हो सकती है, या ये भी संभव है कि आटे में कोई जहरीला पदार्थ मिला हो। गांववालों ने मांग की है कि इन दुकानों के खिलाफ अभियान चलाकर इनके सामान के गुणवत्ता की जांच हो। गांववालों का आरोप है कि हो सकता है कि दुकानदारों ने ही कुट्टू के आटे में कोई मिटावट की हो। इस घटना को लेकर इलाके में आक्रोश है। गांववालों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि सवाल यह उठता है कि आखिर जिले में खाद्य विभाग क्या कर रहा है। दो-तीन महीने पहले भी इसी तरह की घटना देखने को मिली थी, जिसमें कई दर्जन लोग बीमार हुए थे। लेकिन फिर से इलाके में मिलावटी सामान बिकने शुरू हो गए। सीएचसी के डॉक्टरों ने कहा कि लोगों को फूड पॉइजनिंग हुई है। अस्पताल में भर्ती लोगों ने पेट दर्द की शिकायत की है। इनका इलाज चल रहा है।

बीजेपी ने किया अखिलेश यादव के बैंक बैलेंस का खुलासा, सपा प्रमुख ने पीएम केयर फंड पर उठाए सवाल

लखनऊ, 27 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की संपत्ति को लेकर बीते कुछ दिनों से फिर सियासत तेज हो गई है। दिल्ली के एक कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव से उनकी संपत्ति को लेकर पूछा गया सवाल का वीडियो सोशल मीडिया पर खुब वायरल हुआ था। अब बीजेपी ने सोशल मीडिया के जरिए उनका बैंक बैलेंस 1500 फीसदी बढ़ने का दावा किया है, जिसपर सपा प्रमुख ने अब पलटवार किया है। बीजेपी द्वारा किए गए दावे पर पलटवार करते हुए अखिलेश यादव ने पीएम केयर फंड पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए पोस्ट कर लिखा, 'एक था बिना हिसाब-किताब का केयर फंड, जनता ने जिसका नाम रखा 'अनफेयर फंड, भाजपा का भ्रष्टाचार, सबका पैसा गये डकार।' दरअसल, बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया के जरिए एक दावा किया है। जिसमें लिखा- 'तो ऐसे होगा समाज का कल्याण'। बीजेपी ने एक ग्राफिक्स शेयर करते हुए लिखा- 'समाजवादी बैंक बैलेंस', जिसपर अखिलेश यादव की तस्वीर लगी हुई थी। बीजेपी का दावा है कि 2004 में यह बैंक बैलेंस 2.3 करोड़ था, जो 2024 में बढ़कर 39 करोड़ हो गया है। बीजेपी का दावा है कि इसमें 1500 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि इससे पहले दिल्ली का एक कार्यक्रम काफी चर्चा में रहा था, जब एक पत्रकार से अखिलेश यादव की संपत्ति को लेकर जानकारी मांग दी थी। उस वक्त भी अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए जबरदस्त जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि मेरी संपत्ति के बारे में जानने के लिए आप सीबीआई और इनकम टैक्स विभाग के पास जा सकते हैं। तब यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ और इसपर खुब विवाद हुआ था।

आम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला दो युवतियों का शव अखिलेश यादव बोले- 'बहुत गहरा आघात पहुंचा'

फर्रुखाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद में दो युवतियों के शव आम के पेड़ पर फांसी के फंदे से लटके मिले। युवतियों के शव मिलने के बाद गांव में यह खबर आग की तरह फैसल गई। दोनों युवतियों के शव एक साथ फांसी पर लटके मिलने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी पहुंचे। वहीं उनके परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। दोनों युवती देर रात जन्माष्टमी पर मंदिर में पूजा करने गई थी। लेकिन देर रात न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन शुरू की। इसी दौरान सुबह दोनों सहेलियों के शव एक ही फंदे से आम के पेड़ पर लटके मिले। दोनों सहेलियों के शव फांसी पर लटके मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गई। इसके बाद मौके पर गांव के लोग की भीड़ जमा हो गई।

दोनों थी अच्छी दोस्त

वहीं मृतक के पिता ने आरोप लगा है कि दोनों ही हत्या कर शव को लटकाया गया है। यह मामला फर्रुखाबाद के कायमगंज कोतवाली के भगौतीपुर का है। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि हमें आज सुचना मिली की दो युवतियों का शव पेड़ से लड़ा हुआ मिला है। पुलिस वहां पहुंचे और पता चला की दोनों बहुत अच्छी दोस्त थी। एसपी ने बताया कि दोनों का शव एक ही दुप्पटे में लटका हुआ था। पोस्टमार्टम के बाद ही मामले की आगे की जानकारी सामने आ पाएगी। हमें घटना स्थल से फोन और सिम कार्ड मिला है। परिजनों द्वारा केस दर्ज करा दिया गया है और इस मामले की जांच शुरू हो गई है।

सपा प्रमुख की प्रतिक्रिया

वहीं इस मामले पर अखिलेश यादव ने कहा, 'उप्र के फ़र्रूख़ाबाद में जन्माष्टमी उत्सव देखने निकली दो बच्चियों की लाशें पेड़ पर लटकी मिलना, एक बेहद संवेदनशील घटना है। भाजपा सरकार इस मामले में तत्काल निष्पक्ष जाँच करे और हत्या के इस संदिग्ध मामले में अपनी आख्या प्रस्तुत करे।' सपा प्रमुख ने कहा, 'ऐसी घटनाओं से समाज में एक भयावह वातावरण बनता है, जो नारी समाज को मानसिक रूप से बहुत गहरा आघात पहुँचाता है। 'महिला सुरक्षा' को राजनीति से ऊपर उठकर एक गंभीर मुद्दे के रूप में उठाने का अपरिहार्य समय आ गया है।'

'दिल्ली के हर संकट के पीछे बीजेपी के एलजी' सौरभ भारद्वाज का विनय सक्सेना पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं सहित अलग-अलग विभागों में बिगड़ी व्यवस्था को लेकर एलजी विनय सक्सेना पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब-जब कोई बड़ा संकट आता है, और हम कागजों के आधार पर कहते हैं कि इसके पीछे दोषी बीजेपी द्वारा नियुक्त एलजी हैं तो उस पर राजनिवास से उल जुलूल बयान आता है। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया है कि दिल्ली के हर संकट के पीछे बीजेपी के एलजी होते हैं। अगर आप यह समझना चाहते हैं, कैसे तो इसे दो उदाहरणों से समझा जा सकता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हाल ही में दिल्ली शेल्टर होम (आशा किरण) में 14 लोगों की मौतें हुई थी। बीजेपी और अन्य नेताओं ने इसको लोकर तरह-तरह के आरोप आप सरकार पर लगाए। इसकी जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि दिल्ली सरकार समाज कल्याण विभाग के मातहत संचालित आशा किरण में डॉक्टर्स और अन्य स्टाफ की बड़े पैमाने पर कमी है। आशा किरण में डॉक्टरों और अन्य स्टाफ को नियुक्त व ट्रांसफर की जिम्मेदारी एलजी की है। यह मामला सर्विस विभाग से जुड़ा है। यह विभाग एलजी के अधीन है। जब ये सवाल उठाए गए तो उनके कार्यालय से बताया कि एनसीसीएसए की बैठक न होने की वजह से सीटें खाली पड़ी हैं। इससे साफ है कि एलजी के अंतर्गत आने वाले सेवा विभाग ने अपना काम नहीं किया। बावजूद इसके एलजी कार्यालय की तरफ से झूठ परोसा गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी है। नए अस्पताल बनवाए जा रहे हैं। अस्पतालों में भी डॉक्टरों और कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं की जा रही है। किसी भी अस्पताल को चलाने के लिए एमएस की भूमिका अहम माना जाता है।

कोलकाता डॉक्टर केसः सीबीआई के बाद अब ईडी की एंट्री

आरजी कर अस्पताल के करप्शन की कर सकती है जांच

कोलकाता, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को एक जूनियर डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर हुआ। 31 साल की डॉक्टर के साथ हुए इस दुष्कर्म ने पूरे देश में एक आंदोलन को जन्म दे दिया है। न सिर्फ कोलकाता बल्कि पूरे देश में जूनियर डॉक्टर को इंसाफ दिलाने और महिलाओं की सुरक्षा की मांग उठने लगी है। कोलकाता का केस पहले पुलिस के हाथ में था और पुलिस ने संजय रॉय नाम के आरोपी को मामले में गिरफ्तार कर लिया है। कोलकाता पुलिस के बाद यह केस सीबीआई के हाथ में चला गया, सीबीआई मामले की हर परत को खोल रही है और मामले की हर छोटी से लेकर बड़ी चीज की जांच की जा रही है। हालांकि,आरजी कर अस्पताल में भ्रष्टाचार का मामला भी सामने आया है, जिसमें अब मेडिकल कॉलेज की वित्तीय अनियमितताओं के मामले को सीबीआई के बाद अब ईडी के हाथ में दे दिया गया है। इस मामले की जांच ईडी करेगी।

ईडी करेगी करप्शन की जांच

अस्पताल के वित्तीय मामलों की जांच करने के लिए ईडी ने जांच शुरू कर दी है। इससे पहले सीबीआई ने वित्तीय मामलों में गड़बड़ी का पता लगाने के लिए कोलकाता और आसपास के जिलों में कई जगहों पर छापेमारी की थी। आरजी कर मेडिकल कॉलेज के कई पूर्व अधिकारियों के घरों और दफ्तरों तक सीबीआई पहुंची और छापेमारी की।

सीबीआई ने की संदीप घोष के घर रेड

आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष के घर पर भी सीबीआई ने रविवार को छापेमारी को अंजाम दिया। संदीप घोष के घर पर लगभग 13 घंटे तक सीबीआई के अधिकारी जांच-पड़ताल करते रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक वे वहां से कई दस्तावेज लेकर लौटे। निकलते समय सीबीआई के अधिकारियों ने संदीप घोष से कई दस्तावेज पर हस्ताक्षर भी कराये, जिसके बाद अब यह मामला ईडी के हाथ में चला गया।

पॉलीग्राफ टेस्ट, पूछताछ, रेड

सीबीआई ने अब तक कोलकाता रेप केस में कई खुलासे किए हैं। इस केस की हर परत सीबीआई दिन-ब-दिन खोल रही है। सीबीआई ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के चार सदस्यों का पॉलीग्राफ टेस्ट भी कराया, जिससे केस को सुलझाने में मदद मिले। इसमें उन 4 लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया गया जो जूनियर डॉक्टर से इस घटना के पहले मिले थे। इसमें 2 फर्स्ट ईयर पीजीटी डॉक्टर (अर्का और सौमित्र), 1 हाउस स्टाफ (गुलाम) और 1 इंटर्न (सुभदीप) शामिल हैं।

न्यायाधीश संघ के द्विवार्षिक चुनाव संपन्न, छतरपुर के रविदंर अध्यक्ष, भोपाल के अतुल सक्सेना बने

भोपाल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश प्रदेश के न्यायाधीशों के संगठन मध्यप्रदेश न्यायाधीश संघ के द्विवार्षिक चुनाव ऑनलाईन संपन्न कराए गए। छतरपुर की जिला अदालत में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर पदस्थ रविन्दर सिंह को अध्यक्ष और भोपाल की जिला अदालत के जिला न्यायाधीश के अतुल सक्सेना को इस चुनाव में सचिव के पद पर निर्वाचित घोषित किया गया है। इस चुनाव के अन्य पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष पद पर इंदौर के जिला न्यायाधीश जितेन्द्र सिंह कुशवाह, नरसिंहपुर के जिला न्यायाधीश नवीन शर्मा और राजगढ़ के जिला न्यायाधीश राजेश देवलिया को चुना गया है। इसी तरह सहसचिव के पद पर हटा जिला दमोह की जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह और छतरपुर के जिला न्यायाधीश नरेश मेहरबान सिंह मीना एवं कोषाध्यक्ष पद पर इंदौर की जिला एवं अपर सत्र

इन्हें मिला कार्यकारिणी में स्थान

मप्र न्यायाधीश संघ की कार्यकारिणी भी इस दौरान तय कर दी गई है। जिसमें सदस्य के पद पर भोपाल जिला अदालत में पदस्थ जिला न्यायाधीश अरविंद कुमार शर्मा, विदिशा कुटुंम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश आशुतोष मिश्र, गुना के प्रधान जिला न्यायाधीश वीरेन्द्र सिंह राजपूत, भिंड के जिला न्यायाधीश राजीव कुमार अयाची, रीवा के प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय शिवकांत, दतिया के न्यायाधीश उत्सव चतुर्वेदी, कटनी के न्यायाधीश अमित रंजन समाधिया, नागौद सतना के न्यायाधीश सचिन शर्मा, रायसेन के जिला न्यायाधीश सचिन जैन, अलीराजपुर के जिला न्यायाधीश अशोक भारद्वाज, देपालपुर इंदौर के जिला न्यायाधीश हिदायत उल्लाह खान, अर्चना सिंह रघुवंशी को निर्वाचित घोषित किया गया है।

'मोदी जी देख लेना हम आपको मजबूर कर देंगे'

अब प्रधानमंत्री पर फिर क्यों भड़के तेजस्वी यादव ?

पटना, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मंगलवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने देश में जाति आधारित गणना की मांग उठाई है। उन्होंने इस दौरान पीएम मोदी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने इस दौरान वाजपेयी सरकार और मनमोहन सरकार की भी याद दिलाई। मोदी जी हम आपको जातिगत जनगणना के लिए मजबूर कर देंगेः पीएम मोदी तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी, देख लेना हम आपको जातिगत जनगणना कराने पर मजबूर करेंगे ही करेंगे। अपने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट डाल कर तेजस्वी ने कहा कि जातिगत गणना की हमारी मांग पुरानी है।

तेजस्वी ने वाजपेयी से लेकर मनमोहन सरकार की दिलाई याद

राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद जब जनता दल के अध्यक्ष थे तभी से जाति आधारित गणना हम लोगों की मांग रही है। उसी का परिणाम रहा कि जनता दल की संयुक्त मोर्चा सरकार ने 1996-97 में 2001 की जनगणना में जातिगत गणना कराने का निर्णय भी लिया था। परंतु 1999 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने पर उन्होंने वह निर्णय पलट दिया।

नीतीश कुमार भी वाजपेयी जी के नेतृत्व में उसी एनडीए कैबिनेट का हिस्सा थे। 2011 की जनगणना से पूर्व उसमें जातिगत जनगणना की मांग को लेकर 2010 में लालू प्रसाद सहित प्रमुख समाजवादियों ने संसद में पुरजोर तरीके से अपनी बात रख तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा जातिगत गणना व सामाजिक आर्थिक सर्वे कराने की स्वीकृति देने के बाद ही संसद चलने दी थी।

एनडीए सरकार 10 साल बाद भी जनगणना नहीं करा पाई

तेजस्वी ने कहा कि एनडीए-भाजपा सरकार ने 10 वर्षों बाद होने वाली 2021 की जनगणना भी नहीं कराई। हमने तो केवल 17 महीनों के अल्प सेवाकाल में बिहार में जाति आधारित गणना करा और उसी अनुपात में आरक्षण भी बढ़ाया। तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर इस बार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने जातिगत जनगणना नहीं कराई तो वंचित, उपेक्षित, उत्पीड़ित वर्गों के लोग भाजपाइयों को क्षेत्र में नहीं घुसने देंगे। भाजपा को समर्थन दे रहे क्षेत्रीय दल बिना रीढ़ के हड्डी के सिद्धांतहीन लोगों के हाथ में है।

ट्रेन के चपेट में आने से दो भाइयों की मौत, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। हर्ष विहार के सबोली फाटक के पास ट्रेन के चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों ममेरे और फुफेरे भाई थे। परिवार वालों ने दोनों की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि दोनों के पैर और सिर में गंभीर चोट है। शुरुआती जांच में लगता है कि दोनों की ट्रेन के चपेट में आने से मौत हुई है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का खुलासा होगा। मृतकों की पहचान शालीमार गार्डन गाजियाबाद निवासी शाह आलम और शहीद नगर गाजियाबाद यूपी निवासी शजर अली के रूप में हुई है। दोनों रविवार दोपहर तीन बजे घर के निकले थे। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

आर्य समाज मंदिर में करनी है शादी तो जान लें दिल्ली हाई कोर्ट का ये फैसला

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। प्रेमी जोड़े शादी करने के लिए अक्सर आर्य समाज मंदिर का रास्ता अपनाते हैं। यहां पूरे विधि विधान से शादी होती है, लेकिन इस शादी के लिए गवाहों की भी जरूरत होती है। लड़का-लड़की की तरफ से दो या दो से ज्यादा गवाहों की गवाही ली जाती है ताकी शादी को सत्यापित किया जा सके। लेकिन कई बार इन आर्य समाज मंदिरों में इन गवाहों के पहचान पत्र ले तो लिए जाते हैं लेकिन ये नहीं देखा जाता कि वह प्रमाणिक हैं भी या नहीं। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक चाचा के भतीजी से शादी करने के मामले में संज्ञान लेते हुए आर्य समाज मंदिर को निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि मंदिर में ये भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि शादी के गवाही देने वाले गवाह असली भी हैं या नहीं। साथ ही मंदिर दोनों पक्षों से कम से कम एक गवाह रखने का प्रयास करे। आरोप है कि एक चाचा ने पहले से शादीशुदा होते हुए भी खुद को अविवाहित बताया और अपनी भतीजी से आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। जब परिजनों को मामले का पता चला तो वहां हड़कंप मच गया। इसके बाद ये बात खुली की चाचा तो पहले से ही शादीशुदा है और उसने भतीजी से शादी के वक्त जो गवाह पेश किए थे वह भी नकली थे। इस मामले पर संज्ञान लेते हुए जस्टिस प्रतिभा एम। सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की पीठ ने कहा कि मंदिर दोनों पक्षों से कम से कम एक गवाह रखने का प्रयास करेगा, जो या तो रिश्तेदार हों या कोई परिचित हों जो उन्हें काफी समय से जानते हों। अदालत ने मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि जिस तरह से लड़की के चाचा ने आर्य समाज मंदिर के सामने झूठ बोलकर खुद को अविवाहित बताया वह स्पष्ट रूप से गैरकानूनी है और ये शादी भी अमान्य है। अदालत ने कहा कि विवाह करने वाले जोड़े और पुजारी के अलावा मालवीय नगर में आर्य समाज मंदिर में आयोजित विवाह समारोह में कोई भी मौजूद नहीं था। अदालत ने कहा कि इस शादी की वैधता और पवित्रता पूरी तरह से संदिग्ध है।

छतरपुर पुलिस पर पथराव का मास्टरमाइंड हाजी शहजाद अली गिरफ्तार

छतरपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सूत्रों से मिल रही जानकारी के मुताबिक छतरपुर में हुए उपद्रव का मास्टरमाइंड हाजी शहजाद अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हाजी शहजाद अली पुलिस पर पथराव का मास्टरमाइंड है और उसके सिर पर 10 हजार का इनाम रखा गया है। छतरपुर जिले के कोतवाली थाने में विशेष समुदाय द्वारा की गई पत्थरबाजी के मामले में हाजी शहजाद अली फरार चल रहा था और उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया था। जानकारी के मुताबिक उसके विदेश भागने की संभावना भी जताई जा रही थी। उसकी गिरफ्तारी के लिए उसके विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। मुस्लिम समाज द्वारा ज्ञापन देने के बहाने हजारों की भीड़ ले जाकर छतरपुर कोतवाली पुलिस पर हमला करने वाले हाजी शहजाद अली को पुलिस ने हिरासत मे ले लिया है। प्रशासन द्वारा 21अगस्त को कोतवाली पुलिस पर पत्थरों से हमला करने वाले हाजी शहजाद अली की आलीशन कोठी पर 22अगस्त को बुलडोजर चलाया गया था और उसकी दस करोड़ की कोठी को धराशायी कर दिया गया था। इस मामले मे 46 लोगो को नामजद और 100 से जायदा लोगों को चिन्हित किया गया है। पुलिस की दबिश से आज वह सीधे कोर्ट जा रहा था मगर पुलिस ने उसे रास्ते में ही दबोच लिया। अभी किसी भी दावे को पुलिस ने स्वीकार नहीं किया है और न ही पुष्टि की है। छतरपुर पुलिस कप्तान जरूर कोतवाली पहुंच गए है और सम्भावना व्यक्त की जा रही कि वह अपराधी से पूछताछ कर रहे हैं।

20 अगस्त को ही बता दिया था, गिर सकती है शिवाजी की मूर्ति और 26 को गिर गई, चिट्ठी आई सामने

सिंधुदुर्ग, 27 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के एक किले में मराठा शासक छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार को ढह गई। इस प्रतिमा का अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। घटना के बाद, विपक्षी दलों ने राज्य सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि काम की गुणवत्ता पर कम ध्यान दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि प्रतिमा मालवन स्थित राजकोट किले में अपराह्न करीब एक बजे ढही।

समंदर के खारे पानी से खराब हुए थे नट बोल्ट

वहीं, आपको बता दें कि इस मामले में एक पत्र सामने आया है जो कि 20 अगस्त को लिखा गया था। स्थानीय पीडब्ल्यूडी विभाग की तरफ से एरिया सिक्योरिटी कोस्टल ऑफिसर को मूर्ति से संबंधित पत्र लिखा गया था और 26 अगस्त को ही मूर्ति गिर गई। 20 अगस्त 2024 को पत्र लिखकर इस बात की जानकारी दी गई थी कि मूर्ति में लगाए गए नट बोल्ट पूरी तरह से खराब हो गए हैं। इस बात से स्थानीय लोग भी नाराज थे। नट बोल्ट समंदर के खारे पानी की वजह से खराब हुए हैं इसलिए सबंधित मूर्तिकार को इस बारे में सूचना देकर उचित कार्रवाई करने की बात इस चिट्ठी में लिखी गई है।

2 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

सिंधुदुर्ग पीडब्लूडी विभाग ने दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है जिसमें मेसर्स अर्टिस्टरी कंपनी के मालिक जयदीप आपटे और स्ट्रक्चरल कंसल्टेंट चेतन पाटिल का नाम शामिल है। महाविकास अघाड़ी को शिंदे सरकार को घेरने का बड़ा मौका मिल गया है। महाविकास अघाड़ी नेता शिंदे सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार ने मूर्ति की क्वालिटी पर जरा भी ध्यान नहीं दिया।

नौसेना ने घटना की जांच के लिए टीम तैनात की

भारतीय नौसेना ने शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं, जिसका अनावरण पिछले साल नौसेना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। नौसेना ने देर रात जारी एक बयान में कहा कि उसने दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारणों की तुरंत जांच और जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत व पुनर्स्थापना के लिए कदम उठाने की खातिर एक टीम तैनात की है। सिंधुदुर्ग जिले के राजकोट किले में 35 फुट ऊंची प्रतिमा सोमवार दोपहर करीब एक बजे ढह गई। बयान में कहा गया है, "भारतीय नौसेना सिंधुदुर्ग के निवासियों को 4 दिसंबर, 2023 को नौसेना दिवस पर समर्पित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा की क्षति पर गहरी चिंता व्यक्त करती है।" बयान में कहा गया है, "नौसेना ने राज्य सरकार और संबंधित विशेषज्ञों के साथ, इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के कारण की तत्काल जांच करने और जल्द से जल्द प्रतिमा की मरम्मत और पुनर्स्थापना के लिए कदम उठाने की खातिर एक टीम तैनात की है।"

वीरेंद्र सचदेवा ने आप सरकार के अभियान पर साधा निशाना, बताया चुनावी शगूफा

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली की सियासत में बीजेपी और आम आदमी पार्टी के बीच की आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। यही वजह है कि दोनों ही पार्टियां एक-दूसरे पर हमला करने का एक भी मौका नहीं छोड़ना चाहती। इसी कड़ी में एक बार फिर से दिल्ली बीजेपी ने एक सितंबर से शुरू हो रहे आम आदमी पार्टी के 'आपका विधायक आपके द्वार' अभियान पर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए इसे चुनावी शिगूफा करार दिया है। दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आप के इस अभियान पर निशाना साधते हुए कहा, "आम आदमी पार्टी अब राजनीतिक रूप से पूरी तरह हताश दिखाई दे रही है। बीते 10 वर्षों में चुने गए आप विधायक एवं पार्षदों के साथ ही राज्यसभा सांसद भी जनता से कटे रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप हाल ही में लोकसभा चुनाव में दिल्ली के 9 अनूसचित जाति आरक्षित क्षेत्रों सहित 52 विधानसभा क्षेत्रों में जनता ने आप को करारी शिकस्त दी"। उन्होंने कहा, "आम आदमी पार्टी हताश-निराश पार्टी है जिसे अब समझ आ चुका है कि उसे विधायकों के विरूद्ध लहर चल रही और इन विधायकों ने स्थिति इतनी खराब कर दी है कि अगर आप विधायक प्रत्याशियों को बदल भी दे तो भी चुनाव परिणाम नहीं बदलेगा क्योंकि बीते दस साल से उसके विधायक जनता से से इतनी दूर रहे हैं कि अब वापसी नामुमकिन है।

जबकि, कुछ विधायक जो थोड़ा-बहुत जनता के बीच गये भी वह अब पार्टी से दूरी बना रहे हैं"। वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा, "अपने लापरवाह विधायकों के कारण दस साल जनता से दूर रही आम आदमी पार्टी को अब आपका विधायक आपके द्वार का शिगूफा छेड़ना पड़ रहा है।

गुजरात में भारी बारिश 30 ट्रेनें रद्द और 22 स्टेट हाईवे बंद अबतक 3 की मौत, 17 हजार लोगों का हुआ रेस्क्यू

अहमदाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात के कई जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। बीते 24 घंटे में 3 लोगों की मौत हो गई है। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें राहत एवं बचाव अभियान में जुटी हुई हैं और अबतक 17 हजार लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

इस रूट की 30 ट्रेनें रद्द

वडोदरा डिवीजन के बाजवा रेलवे स्टेशन पर पानी भरने से अहमदाबाद-मुंबई रूट की 30 ट्रेनें रद्द हो गई हैं। 22 स्टेट हाईवे और 586 सड़कें बंद कर दी गई हैं। ऐसे में जरूरी न होने पर घरों से बाहर जाने से बचने चाहिए। वहीं, 64 रूट पर चलने वाली स्टेट ट्रांसपोर्ट की बसों के 583 फेरे रद्द किए गए हैं। वहीं, खराब मौसम का असर फ्लाइट्स पर भी देखने को मिल सकता है। अहमदाबाद एयरपोर्ट ने कहा है कि खराब मौसम के कारण फ्लाइट्स प्रभावित हो सकती हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के सभी प्रमुख शहरों के कलेक्टरों के साथ एक बैठक की, जिसमें राज्य के सभी प्राइमरी स्कूलों को आज बंद रखने का फैसला लिया गया। इसका मतलब साफ है कि मंगलवार को राज्य के तमाम प्राइमरी स्कूल बंद रहेंगे।

भारी बारिश का अलर्ट

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने गुरुवार सुबह तक राज्य के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश के साथ ही कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। जिसके तत्काल बाद प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। बता दें कि वडोदरा में सोमवार को 12 घंटे में 26 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जबकि अहमदाबाद में 10, राजकोट में 9 तो भुज में 8 सेंटीमीटर बारिश हुई।

महिला ने एक लाख रुपये का कर्ज देने से इनकार किया, तो कर दी हत्या, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जिले की सिहोरा पुलिस ने वृद्ध महिला की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। हत्या का कारण वृद्ध महिला द्वारा एक लाख रुपये का कर्ज देने से इनकार करना बताया जा रहा है, जिससे गुस्साए पड़ोसी युवक ने उसकी हत्या कर दी। एसडीओपी सिहोरा पारूल शर्मा के अनुसार, शनिवार देर रात वार्ड नंबर चार निवासी 57 वर्षीय चंदा श्रीवास्तव का शव उनके घर में रक्तरंजित अवस्था में पाया गया। महिला घर में अकेली रहती थी, और उसके सिर पर भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या की गई थी।

मीरान हैदर को मिली अंतरिम जमानत, कोर्ट ने कहा- 'उनकी बहन के बेटे की मौत हो गई है

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 के दंगों के कथित षड़यंत्र से संबंधित यूएपीए मामले में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र मीरान हैदर को मानवीय आधार पर 10 दिन के लिए अंतरिम जमानत दी। अदालत ने इस शर्त के साथ हैदर को जमानत दी है कि वह मीडिया और सोशल मीडिया पर कोई बात नहीं करेंगे और न ही आम लोगों से मिलेंगे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेई ने चार सप्ताह की अंतरिम जमानत के लिए हैदर की याचिका पर सुनवाई के बाद अंतरिम जमानत देने फैसला सुनाया। अदालत ने मानवीय आधार पर दायर याचिका पर गौर किया और कहा कि उनकी बहन के साथ रहने के लिए परिवार का कोई पुरुष सदस्य नहीं है, जिनके समय से पहले जन्मे बच्चे की मृत्यु हो गई थी। अदालत ने इस दलील पर भी गौर किया कि हैदर एक अप्रैल 2020 से हिरासत में हैं और उन्होंने अंतरिम जमानत नहीं मांगी है। अदालत ने शनिवार को पारित आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष के जवाब के अनुसार, हैदर ने जिन तथ्यों का उल्लेख किया है उन्हें सत्यापित किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस के अनुसार मीरान हैदर जामिया समन्वय समिति (जेसीसी) का एक प्रमुख सदस्य था, जिसने उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगा भड़कने से पहले फरवरी में विभिन्न स्थानों पर सीएए-एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। जामिया मिलिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में मैनेजमेंट स्टडीज में पीएचडी रिसर्च स्कॉलर हैं। राष्ट्रीय जनता दल के युवा नेता भी है। बता दें कि उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगा 2020 में 53 लोगों की जान चली गई थी। चार दिनों तक चले दंगों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ था।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 28 अगस्त- 2024

मंकीपॉक्स पर भारत अलर्ट

दुनियाभर में जिस तरह से मंकीपॉक्स वायरस का प्रकोप बढ़ रहा है, उससे विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दुनियाभर में हेल्थ इमरजेंसी घोषित कर दी है। खुशी की बात यह है कि भारत में अभी तक मंकीपॉक्स वायरस के नमूने नहीं मिले हैं। इसके बावजूद इसके बढ़ते खतरे को देखते हुए बचाव की तैयारियों पर तेजी से काम हो रहा है। राहत की बात है कि स्वास्थ्य उपकरण बनाने वाली एक भारतीय कंपनी ने दावा किया है कि उसने मंकीपॉक्स का पता लगाने वाली एक रियल टाइम किट तैयार कर ली है, जो इसके रोकथाम में कारगर सिद्ध होगी। भारत के सीमेंस हेल्थिनर्स ने मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए अपना स्वदेशी आरटी-पीसीआर परीक्षण किट तैयार किया है। इस पर केंद्रीय सुरक्षा औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भी मोहर लगा दी है। कंपनी का दावा है कि यह हमारी मेक इन इंडिया पहल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसके अलावा, मंकीपॉक्स से लड़ने के लिए बड़ी उपलब्धि तो है ही। सीमेंस हेल्थिनर्स के अनुसार आरटी-पीसीआर परीक्षण किट को गुजरात के वडोदरा की एक इकाई में तैयार किया जाएगा। जहां हर साल करीब 10 लाख किट बनाए जाने की योजना पर काम किया जा रहा है। कंपनी का दावा है कि यह किट लोगों को उपलब्ध कराने के लिए वह पूरी तरह तैयार है। सीमेंस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन का दावा है कि मंकीपाक्स वायरस के इलाज के लिए सही और सटीक निदान की आवश्यकता अब ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है। हरिहरन के अनुसार भारत को मंकीपॉक्स से निपटने के लिए विशेष रूप से तैयार की गई किट उपलब्ध कराकर हम इस बीमारी से लड़ने में सक्रिय रुख अपना रहे हैं। इसलिए तुरंत और सटीक पहचान को प्राथमिकता दे रहे हैं, जो वास्तव में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ये किट देखभाल तक पहुंच में सुधार लाने पर हमारे फोकस का प्रमाण हैं और ये किट उस लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। सीमेंस हेल्थकेयर के दावे के अनुसार, परीक्षण के परिणाम 40 मिनट में उपलब्ध होंगे। कंपनी ने दावा किया, 'जिसके टेस्ट में एक से दो घंटे लगते हैं, उसका नतीजा मात्र 40 मिनट में उपलब्ध होगा। इस महत्वपूर्ण खोज से उम्मीद बंधी है कि मंकीपाक्स वायरस कोरोना जैसा घातक रूप लेने से पहले ही नियंत्रण में कर लिया जाएगा।

उज्ज्वल भविष्य की गारंटी

सुरेश मिश्रा

एक छोटे से कस्बे में, रात के अंधेरे में, एक अजीबोगरीब स्कूल का उद्घाटन हुआ। कोई शासकीय स्कूल नहीं, कोई अंग्रेजी माध्यम स्कूल नहीं, बल्कि यह था 'चोरों की पाठशाला'। यहां का नारा था, प्लेसमेंट गारंटी, परमानेंट जॉब्स! फीस सिर्फ 2 से 3 लाख रुपए, और उम्र की सीमा? बस 12 से 13 साल। यह वह स्कूल था जहां 'चोर बनने का सपना' देखा जाता था, और उसे हर कीमत पर पूरा किया जाता था। पाठशाला के दरवाजे पर कदम रखते ही छात्रों के चेहरे पर एक अलग चमक दिखाई देती है। कोई कक्षा के भीतर कुर्सी तोड़ रहा है, तो कोई दरवाजा। शिक्षक भी कम नहीं, उन्हें 20 साल का अनुभव था, लेकिन वह किसी विद्यालय में नहीं, बल्कि पुलिस के हवालात में। उनकी एक ही सीख थी, ₹शादी-ब्याह के मौके पर चुराना है तो हाथ में चूड़ी पहनना जरूरी है, ताकि ध्वनि सुनकर पता चल सके कि कंगन की आवाज कितनी मीठी है। पहली कक्षा में दाखिल होते ही विद्यार्थी सीखते हैं, सिल्क की साड़ी कैसे पहचानें और कैसे उसे तेजी से गायब करें। दूसरी कक्षा में उन्हें यह सिखाया जाता है कि जेवर कैसे पहचानें और कैसे उसे जेब में डालें। यहां किताबें नहीं, बल्कि तिजोरियों की नकली चाबियां और ताले होते हैं। बच्चों को सिखाया जाता है कि, सफल चोर वही है जो खुद चोरी करता है और चोरी का इल्जाम दूसरों पर डालता है। शिक्षा का स्तर ऐसा था कि पाठशाला के विद्यार्थियों के लिए कोई भी शास्त्र अपरिचित नहीं था। संस्कृत के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' को उन्होंने 'सर्वे भवन्तु चोरीनः' में बदल दिया था। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को सिखाते, किसी भी शादी में दूल्हे की बहन का हार सबसे महंगा होता है, इसलिए पहले उसी पर हाथ साफ करो। कक्षा के अंत में एक वरिष्ठ विद्यार्थी ने उठकर कहा, गुरुजी, अगर किसी शादी में हमारे अपने रिश्तेदार हों तो क्या करना चाहिए? गुरुजी ने हंसते हुए जवाब दिया, बेटा, रिश्तेदारों से ही शुरुआत करो, ताकि तुम सीख सको कि धोखा क्या होता है। फिर आया प्लेसमेंट का समय। यह वह क्षण था जब हर विद्यार्थी का सपना साकार होने जा रहा था। हर विद्यार्थी के चेहरे पर गर्व की भावना थी, क्योंकि 100 प्रतिशत प्लेसमेंट गारंटी के साथ वह अब एक प्रोफेशनल चोर बनने जा रहे थे। नौकरी की पहली पेशकश नामी गिरामी शहर में थी। पहला वेतन पैकेज? रुपए 5 लाख। गुरुजी ने कहा, बेटा, अब तुम उड़ने के लिए तैयार हो। याद रखना, जीवन में ईमानदारी सिर्फ पुलिस की डायरी में ही अच्छी लगती है। एक दिन, पाठशाला के एक शिक्षक ने एक नया अध्याय शुरू किया, किसी भी विवाह में मौजूद लोगों का ध्यान कैसे बांटना है? उन्होंने बताया, बेटा, जब दूल्हा और दुल्हन फेरे ले रहे हों, तो तुम चुपके से दूल्हे की जेब से उसका पर्स निकालो। अगर तुम यह कर सके, तो समझो तुम्हारी डिग्री पूरी हो गई। एक और विद्यार्थी ने पूछा, गुरुजी, अगर पकड़े गए तो क्या करें? गुरुजी ने अपनी मुट्ठी बांधते हुए कहा, बेटा, अगर तुम पकड़े गए तो यही तुम्हारा फाइनल एग्जाम होगा। याद रखना, जमानत पर बाहर आना कोई बड़ी बात नहीं, बड़ी बात यह है कि जेल से बाहर आकर अगले दिन फिर से शादी में चुराने जाना। दिन ब दिन, यह पाठशाला पूरे प्रदेश में मशहूर हो गई। लोग दूर-दूर से अपने बच्चों को यहां भेजने लगे। वैसे भी किस माता-पिता का सपना नहीं होता कि उनका बच्चा भी 'सफल' हो?

इस पाठशाला की एक छात्रा ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, यहां आकर मुझे एहसास हुआ कि जीवन में सफल होने के लिए सिर्फ मेहनत की जरूरत नहीं होती, बल्कि सही मौके की भी। शादी में जाने के लिए अब मैं तैयार हूं, और मुझे यकीन है कि मैं वहां से खाली हाथ नहीं लौटूंगी। इस पाठशाला के शिक्षकों की यही सीख थी, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लेकिन चोरी करना एक बेहतरीन शॉर्टकट है। पाठशाला के हर छात्र ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से साबित कर दिया कि वह यहाँ सिर्फ चोर बनने नहीं, बल्कि 'मास्टर चोर' बनने आए थे। आखिरकार, जब शादी में सैकड़ों लोग मौजूद हों, तो कौन सोचता है कि उनमें से एक-दो चोर भी होंगे? यह कहानी यहीं खत्म नहीं होती। पाठशाला के एक विद्यार्थी ने, जिसने हाल ही में अपनी डिग्री प्राप्त की थी, किसी बड़ी शादी में चोरी की। उसने अपने शिक्षक की बताई हुई हर बात को ध्यान में रखा। जैसे ही वह शादी के समापन पर जा रहा था, उसने अपनी जेब से एक चूड़ी निकाली, और मुस्कुराते हुए बोला, गुरुजी सही कहते थे, जीवन में असली मजा चुराने में है, पकड़े जाने में नहीं।

मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा और विसर्जन का उत्साह !

आत्माराम यादव

आज के युग में पूजा की प्राणवस्तु अर्थात आध्यात्म साधना तिरोहित होने लगी है और जिन देवी-देवताओं की सत्यप्रतिष्ठा, प्राणप्रतिष्ठा एवं आनन्दप्रतिष्ठा होना चाहिये हम सत्य और आनन्द की प्रतिष्ठा किये बिना सिर्फ मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा कर साधना करते है वह बाहरी आडम्बर और तामसिक उत्सव अनुष्ठानों का रूप ले चुकी है। जो भी जीवन्त आध्यात्म साधना रही है उसका प्रतिपादन वैदिक पद्धति ने किया ताकि इस आध्यात्म साधना की अविरत धारा में जो भी पूजा-पाठ,अनुष्ठान के साथ समय≤ पर देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को मंत्रोच्चार द्वारा प्राणप्रतिष्ठित किया जाये तब व्यक्ति उस प्राणप्रतिष्ठित स्वरूप में समष्टि का विशिष्ट साकार रूप अनुभव कर अखण्ड पूजा-पाठ का आभास प्राप्त कर सके। सत्यप्रतिष्ठा अर्थात जो चरमतत्व है वही सत्य है। सत्य का प्रतिष्ठित होने का भाव ही है कि मन,वचन,कर्म से हम जगत की असारता का त्याग कर सत्यस्वरूपा प्रतिष्ठित किये गये स्वरूप को ही समस्त इन्द्रियों को एकाग्रचित्त होकर ग्रहण करें और सत्य को छोड़ न कुछ देखेंगे, सुनेंगे,स्पर्श करेंगे या चिंतन करेंगे और पूरी तन्मयता उस सत्य के प्रति समर्पित होगी। सत्य स्वरूप है जिसे मूर्तिरूप में प्राणप्रतिष्ठित किया गया है। मूर्ति के स्वरूप में प्राणशक्ति के दर्शन का अर्थ परब्रम्ह के दर्शन करना, क्योंकि प्राण ही परब्रम्ह है। यह संसार और इसके संसारी हम लोग इसी परमब्रम्ह के अंश है, प्राणप्रतिष्ठित मूर्ति सागर है और हम उसकी लहरें। प्रतिमा में प्राणप्रतिष्ठित करना का अर्थ ही है कि प्रतिमा को यह शक्ति देना कि आप ही जगत की नियंता है, आप ही सब करने वाली है, हम प्राणीमात्र तो आपके खिलौने है, यहॉ व्यक्ति का अहंकार गिर जाता है और वह प्राणप्रतिष्ठित इस विग्रहमूर्ति में स्वयं परब्रम्ह का स्वरूप और भगवत्ता की आभा के प्रति नतमस्तक हो आत्मनिवेदन आनन्द और उल्लास से तृप्त होता है। त्रेतायुग में राम के आराध्य शिव की मूर्तिरूप में पूजा एवं रामेश्वरम में शिवलिंग स्थापना का प्रमाण प्राप्त होता है इसी तरह त्रेतायुग में रावण सहित अन्य राजाओं के द्वारा सूर्यवंश के होने से सूर्य एवं चन्द्रवंश के होने से चन्द्र की पूजा का प्रमाण मिलता है।

देवीय शक्ति को प्रसन्न करने के लिये मेघनाथ द्वारा अपनी कुलदेवी की पूजा के अलावा अन्यों द्वारा भी मूर्तिपूजन किया गया। द्वापर में भी शिव की मूर्तिपूजा के अनेक तथ्य है वही कृष्ण द्वारा गोवर्धनपूजा कर इन्द्रदेव को पूजने से वंचित किया गया है। कलयुग में मूर्ति पूजा का इतिहास डेढ़ हजार साल पुराना है जिसमें हमारी संस्कृति और मूर्तिकला की उत्कृष्ट शैली दक्षिण भारत सहित अनेक मंदिरों में देखी जा सकती है। अयोध्या में राम और मथुरा में कृष्ण सहित सम्पूर्ण भारत के मंदिरों में स्वरूपों की पूजा की चर्मोत्कृष्टतता थी जिसे सातवी सदी में मुस्लिम आतताईयों के आने के बाद भारतीय संस्कृति और धर्म को ध्वस्त कर मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त कर अरबों रूपयें के हीरे-जवाहारात और सोना को लूटा गया और विरोध करने वाले हिन्दूओं को कत्लकर दिया गया। जो मुस्लिम लुटेरों के सामने नतमस्तक हो गये उन्हें धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम धर्म स्वीकार करना पड़ा। भारत के कपाल पर छह-सात सो साल तक अनेक हिन्दु रियासतों, राज्यों पर मुस्लिम लुटेरों ने कब्जा किया एवं हिन्दुओं की अस्मिता एवं धर्म के साथ खिलवाड़ किया वहीं दो-ढाई सौ साल तक अंग्रेजों की गुलामी सही। भारत में मूर्तिपूजा गुजरे जमाने की बात होकर रह गयी फिर भी दक्षिण भारत सहित अनेक स्थानों पर मंदिरों के अस्तित्व को बचाकर लोग कुर्बानियॉ देते गये। इसलिये कृष्ण और राधा को पूजा में विलम्ब से स्थान मिला।

इस बात के भी प्रमाण मिलते है कि उत्तर भारत के ग्रामीण अंचलों के घरों में गुर्जरी अर्थात गोपी की मूर्ति बनाने का प्रमुख धंधा था जिन्हें पूजने का प्रचलन दीपावली पर रहा है। कुम्भकार ही था जो इसके अलावा एक शताब्दी से इन मूर्तियों को लक्ष्मी,गणेश,दुर्गा आदि कई स्वरूपों में बनाकर व्यवसाय करता और लोग मूर्तियों को अपने घर लेजाकर तो कई सार्वजनिक स्थलों पर विराजित कर पूजते रहे जो अब भी जारी है। विसर्जन एक गूढ़ दर्शन है। बिना विसर्जन के सृष्टि की कोई भी क्रिया संभव नहीं और विसर्जन के अभाव में सृष्टि में जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। पेड़-पौधे कार्बनडाईट आक्साईट गृहण कर आक्सीजन विसर्जित न करें तो पृथ्वी पर जीवन की कल्पना संभव नहीं है। विसर्जन सृष्टि की एक निर्धारित प्रक्रिया है। पृथ्वी अपना अंश विसर्जित करती है तो पुष्प-अन्नादि उत्पन्न होता है। नदी बहाव के साथ जल विसर्जित करती है तो शुद्ध जल की प्राप्ति होती है। कुए का जल विसर्जित होता है तो जल के नये स्त्रोत पैदा होते है। जहॉ विसर्जन की गति अवरूद्ध होती है वहॉ विकृति पैदा हो जाती है। मनुष्य अन्नादि भोजन के बाद विसर्जित न करे तो कब्ज बैचेनी के साथ क्या हो सकता है, यह अनुभव करके सीखा जा सकता है। मानव समाज में प्रायः सभी लोग संग्रह, भोग तथा उपभोग में सतत कर्मशील रहकर विसर्जन करने अथवा त्याग करने के लिये सहज ही तत्पर नहीं होते, उसने अपील करनी होती है, प्रार्थना करनी होती है तब कहीं जाकर वे अपेक्षा पर ध्यान देते है लेकिन जब भी किसी को भोग के बाद विसर्जन की इच्छा होती है तब वे बिना किसी की सहमति-इच्छा के शरीर की आवश्यकताओं को पूरा करने दौड़ पड़ते है। शरीर के नैसर्गिक विसर्जन की प्रक्रिया सामान्य बात है जबकि यहॉ हम विसर्जन के जिस गूढ़तत्व को जिस दर्शन को व्यक्त करने जा रहे है वह जीवन का सर्वश्रेष्ठ आध्यात्मिक भाव है जहॉ आनन्द को जागृत कर वियोग के दुख और संयोग के सुख द्वारा मन को हृदयद्वार पर प्रतिष्ठित कर विसर्जन की प्रक्रिया में अनासक्ति की चेतना को प्राप्त किया जाता है। देवी-देवता के प्राणप्रतिष्ठा के बाद आनन्दप्रतिष्ठा का महत्व है। आनन्द वास्तव में जगत की सृष्टि, स्थिति और लय के दोहन से प्राप्त होने वाला अमृतमय शब्द है। आनन्द शब्द परमब्रम्ह के दर्शन करने के बाद चित्त की जो दशा होती है उसकी अभिव्यक्ति से पैदा हुआ है इसलिये आनन्द को ब्रम्हानन्द का अंश माना है। हमारे अंतकरण और बहिकरण में जो विषयानन्द आनन्द के रूप में अनुभूत हुआ है वह समस्त आनन्द ब्रम्हानन्द की विभूति है जो सभी के मनों की कामना-वासना को अग्निकुण्ड में भस्मीभूत कर चिर आनन्द को प्रतिष्ठित करता है। हम मूर्ति में चैतन्य के एकीकरण द्वारा प्राणप्रतिष्ठा के पश्चात प्राणशक्ति से आनन्द प्राप्ति हेतु आनन्दप्रतिष्ठा को विस्मरण कर चुके है। हम उत्साह से भरे रहकर नवरात्रि पर दुर्गा-काली,नवदेवियों-शिवादि देवों के विभिन्न स्वरूपों को मंदिरों सहित सार्वजनिक स्थानों पर प्राणप्रतिष्ठित कर विराजित करते है तब प्राणप्रतिष्ठित उपास्यमूर्ति, या ईष्ट,देव को केवल मिट्टी की मूर्ति या कागज का चित्र मानकर उसकी भगवत्ता को जीवंत रूप देते है इसका चिंतन करना इसलिये आवश्यक हो गया क्योंकि आज जिस तरह गली-गली,घर-घर इन स्वरूपों को विराजित करने की अंधी परम्परा ने आस्था पर गहरी चोट करके सारी मान्य परम्पराओं को ध्वस्त किया है और स्थापना और विसर्जन के मुहुर्तो से हटकर निर्धारित समयावधि के पश्चात तक इन्हें विराजित कर धर्मान्धता में धर्म को विस्मृत किया जा चुका है। मिट्टी की मूर्ति की प्राणप्रतिष्ठा के समय हमारा भाव उस स्वरूप को स्थापित करना भर नहीं होता बल्कि हम जितने दिन वे स्वरूप विराजित है उतने दिन उनकी पूजा-अर्चना और आराधना में लीन होते है।

मरीजों को पीड़ामुक्त करती नर्सों की मुस्कान भी बनी रहे !

आर.के. सिन्हा

भारत में रोगियों का अस्पतालों में तसल्लीबख्श इलाज किस तरह से हो, इस मसले पर नए-नए सुझाव सामने आते रहते हैं। सब अपने-अपने अनुभव और जानकारी के हिसाब से बताते हैं कि रोगियों को हम किस तरह से उच्च कोटि का इलाज दे सकते हैं। पर सारी बहस में हेल्थ सेक्टर की जान नर्सों के योगदान और उनके हितों की चर्चा कहीं पीछे छूट जाती है। यह बात ध्यान रखने की है कि अपने पेशे के प्रति निष्ठावान नर्सों के बिना रोगियों को सही ढंग से इलाज ही संभव नहीं है। इसलिए नर्सों की ट्रेनिंग और इनकी पगार और दूसरी सुविधाओं, खासकर इनके साथ होने वाले विनम्र व्यवहार पर खास देते रहना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि एक हजार की आबादी पर चार नर्से लाजिमी तौर पर होनी चाहिए। भारत अभी तक इस स्थिति तक नहीं पहुंचा है। भारत में एक हजार लोगों पर औसत दो ही प्रशिक्षित नर्से उपलब्ध हैं। भारत को अपने हेल्थ सेक्टर को बेहतर बनाने के लिए नर्सिंग क्षेत्र को और सशक्त बनाना होगा। हमारे यहां हर साल करीब ढाई लाख नई नर्से प्रशिक्षित होकर आ जाती हैं। यह बहुत साफ है कि नर्से किसी भी देश के हेल्थ सेक्टर की जान होती हैं, जो रोगी की देखभाल, उपचार का संचालन और रोगी के मनोबल को बढ़ाकर उन्हें स्वस्थ करने में अहम रोल निभाती हैं। भारत में नर्सों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नर्स अपने आप में डॉक्टरों से कोई बहुत पीछे नहीं होती, रोगियों का इलाज करने में। उदाहरण के रूप में कैंसर रोगियों का इलाज करने के लिए विशेष ज्ञान और कौशल की आवश्यकता होती है। ऑन्कोलॉजी नर्सों को उपचार का संचालन करने, दुष्प्रभावों का प्रबंधन करने और रोगियों और उनके परिवारों को भावनात्मक समर्थन प्रदान करने में कुशल होना चाहिए। इसी प्रकार किडनी या लिवर ट्रांसप्लांट के मरीजों को संक्रमण (इन्फेक्शन) से बचाना एक बड़ी समस्या है जिससे निपटने के लिये प्रशिक्षित नर्सें ही प्राणरक्षक का कार्य करती हैं। अंग्रेज नर्स ''फ्लोरेंस नाइटिंगल'' विश्व में आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक मानी जाती हैं। बेशक, नर्सं किसी भी देश की चिकित्सा प्रणाली का जरूरी अंग हैं। यह रोगियों की जांच में फिजिशियनों एवं ऑपरेशन के दौरान भी सर्जनों की सहायता करती हैं, फीवर और ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, पल्स रेट आदि नियमित रूप से रिकॉर्ड करती हैं, रोगियों को दवा खिलाने/पिलाने, इंजेक्शन देने का कार्य करती हैं, घावों की पट्टियां बदलती हैं और रोगियों के उपचार का रिकॉर्ड, तापमान, पल्स रेट, पोषाहार, सुधार आदि का रिकॉर्ड भी रखती हैं। अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, नर्सों को अक्सर उनके योगदान के लिए बहुत कम पहचान मिलती है और उनके पेशेवर विकास के अवसर भी कम ही होते हैं। यह सबको पता है कि भारत में अधिकतर नर्स केरल से आती हैं, यूरोप और अमरीका में फिलीपींस से। दोनों ही स्थान समंदर के किनारे बसे हैं। यह अपने घरों को और बाल-बच्चों परिवार को देखने के अलावा नाइट-ड्यूटी भी करती हैं। फिलीपींस और केरल दोनों से हर साल हजारों नर्सें निकलती हैं। नर्सें भारत के विभिन्न भागों अलावा अरब खाड़ी के अन्य देशों में जातीं हैं। फिलीपींस वाली नर्सें ज्यादा पसंद करती हैं अमरीका और यूरोप। इन दोनों जगहों की नर्सों ने अपनी मेहनत और लगन से सारी दुनिया में अपना नाम कमाया है। दिल्ली का सेंट स्टीफंस अस्पताल गुजरे सवा सौ सालों से रोगियों का इलाज कर रहा है। यहां की नर्सों को इस अस्पताल को स्थापित करने वाली संस्था दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी की तरफ से सीख मिलती रही है कि जनसेवा से बढ़कर कुछ भी नहीं है। इसके चलते सेंट स्टीफंस अस्पताल या इसे छोड़कर किसी अन्य जगह पर जाकर काम करने वाली नर्से हमेशा रोगियों के साथ खड़ी रहती हैं। अगर आप खेलों की दुनिया को करीब से नहीं भी जानते हैं तो भी आपने भारत के मशहूर धावक अमोज जैकब का नाम सुना होगा? हो सकता है कि कि आप कहें कि नर्सों की चर्चा करते हुए हम भटक तो नहीं रहे। यह बात नहीं है। जैकब उस भारतीय पुरुष 4x400 रिले टीम के मेंबर थे जिसने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नए राष्ट्रीय और एशियाई रिकॉर्ड के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने पेरिस ओलंपिक में भी भाग लिया था। अमोज जैकब की मां राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में हेड नर्स हैं। अमोज जैकब कहते हैं कि मेरी मां ने दिन-रात रोगियों की सेवा करते हुए मुझे भी हमेशा प्रोत्साहित किया कि मैं बेहतरीन धावक बन जाऊं। अब तो भारत के सभी प्रदेशों से नर्सें आ रही हैं खासकर पहाड़ी प्रदेशों उत्तरांचल, मणिपुर, अरुणाचल, मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, सिक्किम आदि से। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं कि केरल की नर्सों की अब भी सब जगहों में बहुत मांग है। वह जहां जाती हैं, वहां पर केरल का नाम रोशन भी करती हैं। उन्हें बेहतर सेवा करने के बदले में अच्छी से अच्छी सैलरी भी मिलनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार, करीब साढ़े छह लाख भारतीय नर्सें देश से बाहर जाकर काम कर रही हैं। जाहिर हैं कि इतनी बड़ी संख्या में नर्सों के देश से बाहर काम करने से देश में और उनके परिवारों में पर्याप्त काफी विदेशी मुद्रा आती ही होगी। भारत की सबसे बड़ी लक्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवाने वाली मान ट्रांसपोर्ट कंपनी के चेयरमेन अमृत मान तो नर्सों की बात होते ही बहुत भावुक हो जाते हैं। वे बताते हैं कि अगर उनकी राजधानी के जयप्रकाश नारायण अस्पताल (पहले इर्विन अस्पताल) में हेड नर्स के रूप में काम करने वाली मां ने उनका साथ न दिया होता तो वह अपने को स्थापित नहीं कर पाते। अमृत मान की मां ने अपने बेटे को अपनी रिटायरमेंट के वक्त मिले पैसे से टैक्सी दिलवाई। उसके बाद अमृत मान ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी कंपनी ही जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत सरकार को लक्जरी कारें और बसें उपलब्ध करवा रही थी। भारत में, नर्सिंग एक ऐसा पेशा है जो महिलाओं द्वारा बड़े पैमाने पर चुना जाता है। इस क्षेत्र में पुरुष नर्सों की भूमिका अभी भी ऐसे क्षेत्रों तक सीमित है, जिसमें रोगियों को उनकी न्यूनतम आवश्यकता होती है जैसे आई.सी.यू.। अभी भी विशेष रूप से प्रसूति एवं महिला रोग विज्ञान विभाग में पुरुष नर्सों को स्वीकार नहीं करते। जानकार मानते हैं कि भारत में एक लाख सहायक नर्स (मिडवाइफों) तथा चार लाख सामान्य नर्स (मिडवाइफों) की कमी है। आप भी मानेंगे कि इस तरह के बहुत भाग्यशाली ही लोग होते हैं, जिन्हें कभी अस्पताल में जाना नहीं पड़ता। उन कठिन दिनों में हमें नर्स की सेवा और उनकी मुस्कान से कितनी राहत मिलती है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए यह परम आवश्यक है कि नर्सों के चेहरों मुस्कान बनाए रखने के लिए सरकार और समाज इनके हितों को देखे। जब मैं बहुत ही बीमार था और मेरा किडनी प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) हुआ था, मुझे दिल्ली के गंगाराम अस्पताल और सिंगापुर के माउन्ट एलिजाबेथ अस्पताल में महीनों बिताने पड़े थे। नर्सों के व्यवहार और उनकी मुस्कुराहट का मेरे स्वास्थ्य लाभ में बड़ा योगदान है। लेकिन, यदि आप उनका व्यवहार बढ़िया हो, ऐसा छह रहे हैं, तो आपको भी उन्हें अपनी बेटी और बहन की तरह ही मान कर व्यवहार करना होगा। वे कितनी ज्यादा प्रेशर में आठ घंटे भागती रहती हैं, इसका भी ध्यान रहे।

उत्तरदायित्व की अवहेलना और अधिकारों की भूख

संजीव ठाकुर

वर्तमान के इस दौर में जब देश में लोकतंत्र अपनी अस्मिता बचाने की जद्दोजहद में है। दूसरी तरफ समाज का हर नागरिक अपने लिए अधिक से अधिक अधिकारों की इच्छा पाले हुए है ताकि पूरी स्वतंत्रता का उपभोग कर सके फलस्वरूप हर रोज अधिकारों की बढ़ती मांग और कर्तव्य की अवहेलना से समाज वातावरण में असंतुलन बढ़ता जा रहा है।

वॉलटेयर जी ने इस संदर्भ में ठीक ही कहा है कि अधिकार बढ़ने के साथ-साथ समानुपातिक रूप से उत्तरदायित्व भी धीरे-धीरे बढ़ जाता है हमें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का भी ज्ञान बोध होना जरूरी है। आपको ऐसा नहीं लगता है कि अधिकार तथा उत्तरदायित्व समानुपातिक है और समाज में हर व्यक्ति समुदाय के साथ संग संग चलते हैं। ऐसा कुछ है कि स्वतंत्रता और खुलेपन के संग उत्तरदायित्व जी जीवन की यात्रा में सहयात्री है।

स्वतंत्रता या खुलेपन का अतिक्रमण किसी व्यक्ति के दायित्वों का हनन है हम जहां जिस ग्राम नगर अथवा देश में रहते हैं वहां पर यह सुनिश्चित है कि अधिकार एवं जिम्मेदारी हमारे साथ साथ विचरण करते दिखाई देते हैं। भारतीय संविधान में अधिकारों की मीमांसा करते हुए यह मूल रूप से माना गया है कि यहां देश में मूल अधिकारों को महत्व इसीलिए दिया जाता है की भारतीय जनमानस का बड़ा प्रतिशत अशिक्षित है अतः संविधान अशिक्षित व्यक्तियों के लिए ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्रता और समानता प्रदाय कर सके ताकि फिर कोई समाज या राज्य उसका हनन न कर सके, दूसरी तरफ यदि कर्तव्य की बात करें तो सदैव यह हिदायत दी जाती रही है कि भारत की जनता अधिक मात्रा में अशिक्षित हैं अतः उन्हें अपने दायित्वों का ज्ञान तथा अनुभूति नहीं होगी और दायित्व और कर्तव्यों के बीच बड़ी लक्ष्मण रेखा खिच गई है। व्यक्ति और समाज जैसे जैसे विकसित होता गया है और आधुनिकता के इस दौर में नागरिकों की अधिकारों की मांग बढ़ती जा रही है। हमें अधिकार धीरे-धीरे मिल भी रहे जिस तरह माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने निजता के अधिकार को मूल अधिकार की श्रृंखला में रखकर नागरिकों की स्वतंत्रता को सुरक्षित बनाने का प्रयास किया है।

स्कूलों और मदरसे में भी घिनौनी हरकतें !

मनोज कुमार अग्रवाल

देश भर में अलग अलग स्थानों पर शिक्षा के पावन स्थलों में मासूम बच्चियों को येन केन प्रकारेण दरिंदगी का शिकार बनाने की घटनाओं की झड़ी लगी है। तमिलनाडु के सिरुमुगाई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां रूटीन विजिट पर निकले बाल संरक्षण अधिकारी उस समय हैरान रह गए जब उन्होंने पाया कि टीचर द्वारा ही कथित तौर पर 9 छात्राओं का यौन उत्पीड़न किया गया। दरअसल, जिला बाल संरक्षण अधिकारियों ने यौन उत्पीड़न और बाल विवाह के बारे में सेमिनार आयोजित करने के लिए अलंगोम्बू सरकारी स्कूल का दौरा किया था. इस दौरान जब स्टूडेंट्स से उन्होंने बातचीत की तो अधिकारी ये देखकर हैरान रह गई कि स्कूल में शिक्षक के रूप में कार्यरत नटराजन द्वारा कक्षा 7 और 8 की नौ छात्राओं का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया था.अब पुलिस शिकायत दर्ज कराई है. इस मामले में पॉक्सो एक्ट के तहत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया. आगे की जांच जारी है। वहीं उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के रहने वाले एक मौलवी ने उत्तराखंड में मदरसे की 5 से 9 साल की 5 बच्चियों के साथ दुराचार किया है। मामले की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ हैं। थाना रुद्रपुर में मस्जिद के ऊपर अवैध मदरसा बना हुआ है। यहां एक मौलवी बच्चियों के साथ रेप करता था। बच्चियां मदरसे में मौलवी से उर्दू सीखने जाती थीं। पुलिस ने मौलवी को गिरफ्तार किया है। पीड़िता की मां ने तहरीर में अपनी बेटी के अलावा चार बच्चियों का नाम भी उल्लेख किया था। इन बच्चियों का बयान कराया गया। ये बच्चियां हिंदी-इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पढ़ने जाती थीं। दोपहर में स्कूल खत्म करने के बाद पेरेंट्स इन्हें मौलवी के पास उर्दू सीखने के लिए भेज देते थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार मौलवी दो महीने से बच्चियों के साथ रेप कर रहा था। वो बच्चियों को डराता था। कहता था कि मेरे पास डिब्बे में जिन्न है। उसे निकाल दूंगा, जो तुम्हारे मां-बाप को मार डालेगा। इसलिए बच्चियां कुछ बोलती नहीं थीं। महाराष्ट्र के बदलापुर और अकोला में भी ऐसा ही मामला बता दें कि महाराष्ट्र के बदलापुर में भी दो स्कूली बच्चियों से यौन शोषण का मामला सामने आया था. यहां सरकारी स्कूल का टीचर छात्राओं को अश्लील वीडियो दिखाता था. इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है. आरोप है कि टीचर करीब चार महीनों से ये हरकत कर रहा था. छात्राओं ने बाल कल्याण समिति को कॉल किया और पूरी बात बताई. यह घटना तब सामने आई, जब बदलापुर में दो किंडरगार्टन की बच्चियों के यौन शोषण को लेकर भारी विरोध-प्रदर्शन हो रहा है. कर्नाटक के कालाबुरागी जिले में कक्षा में 11 वर्षीय स्कूली छात्रा के साथ बलात्कार के प्रयास के आरोप में पुलिस ने एक शिक्षक को गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने बुधवार को कहा। यह घटना जिले के आलंद तालुक के निंबार्गा पुलिस स्टेशन की सीमा में स्थित एक सरकारी स्कूल से सामने आई है। पुलिस के मुताबिक पीड़िता स्कूल में 5वीं कक्षा में पढ़ती थी। मंगलवार को जब बच्ची दोपहर का भोजन करने के बाद कक्षा में गई थी तो आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। निंबार्गा पुलिस ने आरोपी शिक्षक की तलाश शुरू की और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम (पोक्सो) और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। कर्नाटक के कोलार जिले में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक निजी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेज में पढ़ने वाली 17 वर्षीय लड़की ने सोमवार को स्कूल परिसर में ही बच्चे को जन्म दिया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली लड़की ने महिला शौचालय में बच्चे को जन्म दिया है। इस घटना के बाद से स्कूल परिसर में हड़कंप मच गया है।पुलिस के अनुसार, लड़की और बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लड़की के माता-पिता ने बाद में कोलार महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि उन्होंने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम की धारा 6 (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (2)(एन) (एक ही महिला से बार-बार बलात्कार करना) के तहत मामला दर्ज किया है। ऐसा लगता है कि जैसे हमारे देश में बच्चियों और महिलाओं पर जिस्म के भूखे दरिंदे घात लगाकर टूट रहे हैं और कानून व्यवस्था के लिए चुनौती बन गए हैं। पश्चिम बंगाल में ट्रेनी डाक्टर के बलात्कार और हत्या को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन किए जा रहे हैं लेकिन दरिंदगी बर्बरता और हैवानियत की वारदातें लगातार सामने आ रही है। पिछले 72 घंटों में सामने आई वारदातों पर एक नजर डालें :22 अगस्त को राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में एक 4 वर्षीय मासूम की मां जब किसी काम से घर से बाहर गई हुई थी तो उसके 35 वर्षीय रिश्तेदार ने मासूम से बलात्कार कर डाला।

धन कुबेर के नाराज होने पर आपके जीवन में घटने लगती हैं ये 5 अशुभ घटनाएं

धन कुबेर को धन और वैभव का देवता माना जाता है। माना जाता है कि अगर धन कुबेर आपसे प्रसन्न होते हैं, तो आप पर पैसों की बरसात होती है लेकिन अगर धन कुबेर आपसे नाराज हो जाते हैं, तो आप जीवन में पैसों की तंगी से जूझने लग जाते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार धन कुबेर नाराज होने पर कुछ संकेत देते हैं, जिससे पता चलता है कि फिलहाल धन कुबेर की कृपा आप पर नहीं बरस रही। आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार कौन-सी हैं वे अशुभ घटनाएं।

धन कुबेर को देवी लक्ष्मी का भाई माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि अगर आप अपने जीवन में आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं, तो आपको देवी लक्ष्मी के साथ धन कुबेर की पूजा भी करनी चाहिए। इससे आपके जीवन से आर्थिक तंगी दूर होती है और धन प्राप्ति के योग बनते हैं। धनकुबेर को नौ निधियों का देवता भी कहा जाता है। मान्यता है कि अगर धन कुबेर क्रोधित हो जाएं, तो व्यक्ति का धन, वैभव उससे छिन जाता है। धन कुबेर के नाराज होने पर कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं, जिससे समझा जा सकता है कि धन कुबेर आपसे नाराज है और उनकी कृपा आपको नहीं मिल पा रही है।

पेड़-पौधों का सूखना

पेड़-पौधों को अच्छी देखभाल की जरुरत होती है लेकिन अगर आप यह देख रहे हों कि बहुत देखभाल करने के बाद भी आपके घर में लगे पेड़-पौधे सूखते जा रहे हैं और इसका कोई विशेष कारण भी नहीं है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि आपको धन कुबेर की नाराजगी का संकेत है। खासतौर पर घर का मनीप्लांट सूखना इस बात की ओर इशारा करता है, कि धन कुबेर की कृपा आप पर नहीं है।

किसी कीमती वस्तु का खोना या टूटना

धनकुबेर की नाराजगी का एक संकेत यह भी है कि आपकी कीमती वस्तु चोरी हो सकती है या फिर बहुत देखभाल करने पर भी आपकी कोई प्रिय कीमती वस्तु टूट जाती है या फिर कैसे भी आपसे दूर हो जाती है। यह भी इस बात का इशारा है कि धन कुबेर आपस खुश नहीं हैं।

बार-बार पैसे खो जाना

कई बार हमारे पैसे खो जाते हैं या फिर कहीं गिर जाते हैं लेकिन अगर आप कुछ दिनों से लगातर नोटिस करें कि आपको बार-बार धन की हानि हो रही है, तो आपको समझ जाना चाहिए कि धन कुबेर आपसे नाराज हैं। खासतौर पर जब बहुत संभालकर रखने के बाद भी पैसे कहीं गिर जाए या फिर चोरी हो जाए, तो यह एक इशारा है कि धन कुबेर आपसे खुश नहीं हैं।

घर का शीशा बार-बार टूटना

आपके घर का शीशा अगर बार-बार टूटता है, तो यह भी संकेत है कि आप पर धनकुबेर की कृपा नहीं बरस रही है और धन के देवता आपसे नाराज हैं। ऐसे में इस संकेत से भी इस बात का पता चलता है कि धनकुबेर आपसे नाराज हैं। खासतौर पर जब आप शीशे को बहुत संभालकर रखते हों और फिर भी शीशा बार-बार टूट जाए।

घर में बार-बार मकड़ी के जाले लगना

बहुत साफ-सफाई करने पर भी अगर आपके घर में मकड़ी के जाले लग जाते हैं, तो इसका मतलब यह भी होता है कि धनकुबेर आपसे खुश नहीं है। ऐसे में बहुत जरूरी है कि आप घर में मकड़ी के जाले नहीं लगने दें। वास्तु शास्त्र के अनुसार भी घर में मकड़ी के जाले लगे होने से घर में सुख-समृद्धि का वास नहीं होता है।

चांदी की 5000 टाइल्स से बनी है कंबोडिया में स्थित पगोड़ा की फर्श

कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह पहली बार आने वाले लोगों को लिए आश्चर्य से कम नहीं है। यह मेकॉन्ग, टोन्ले सैप और बास्सक नदियों के मिलन बिंदु पर स्थित है। यहां का हर एक कंबोडिया की राजधानी नोम पेन्ह पहली बार आने वाले लोगों को लिए आश्चर्य से कम नहीं है। यह मेकॉन्ग, टोन्ले सैप और बास्सक नदियों के मिलन बिंदु पर स्थित है। यहां का हर एक नजारा बहुत ही अद्भुत है। यहां की सजीव संस्कृति, प्राकृतिक नजारे और भरपूर ऊर्जा देखने को मिलती है। यहां की हर एक जगह के पीछे अलग-अलग तरह के इतिहास छुपे हुए हैं। इस शहर में आप बौद्ध मंदिर और फ्रेंच औपनिवेशिक काल की वास्तुकला के दर्शन कर सकते हैं। साथ ही इस शहर की वाइब्रेंट नाइट लाइफ देखने लायक होती है।

वास्तुकला की मिसाल है सिल्वर पगोड़ा

नोम पेन्ह का रॉयल पैलेस कंबोडिया भव्यता और सादगी के मिश्रण की एक अनोखी मिसाल है। कंबोडिया का रॉयल पैलेस यहां के राजा का निवास स्थान है। साथ ही इसे पारंपरिक खमेर वास्तुकला का बेहद खास मिसाल माना जाता है। पैलेस ग्राउंड की बहुत ही अच्छे तरीके से देखभाल की जाती है। वॉट प्रेह मोराकोट के नाम से जाने जाना वाला सिल्वर पगोड़ा भी पैलेस ग्राउंड में ही स्थित है। इस सिल्वर पगोड़ा की फर्श 5000 से भी ज्यादा टाइलों से बनी हुई है। जिसका कुल वजन पांच टन से भी अधिक है। यहां पर आने वाले पर्यटक पगोड़ा के अंदर बुद्ध की आदमकद स्वर्ण निर्मित और हीरों से जड़ित प्रतिमा को देखकर बहुत ही खुश होते हैं।

पहाड़ी पर स्थित वाट नोम मंदिर

वाट नोम मंदिर नोम पेन्ह का एक बेहद रमणीय स्थल है। यह एक शांत और सुंदर पहाड़ी पर स्थित है। इसी से ही नोम पन्हे का नाम पड़ा है। मान्यता है कि इस मंदिर का निर्माण 1372 को हुआ था, ताकि बुद्ध जी की मेकॉन्ग नदी के किनारे बहकर आई मूर्तियों को संरक्षित किया जा सके। इस मंदिर में आकर आत्मिक शांति मिलती है। यह मंदिर हरे-भरे बगीचे के बीच स्थित है। पहाड़ों पर स्थित होने के कारण यहां से राजधानी के सुंदर नजारों का आनंद लिया जा सकता है। यह जगह पर्यटकों के साथ-साथ यहां रहने वाले लोगों का पसंदीदा स्थान है।

फ्सेर थ्मई से जानिए जीवन शैली को

माना जाता है कि किसी भी जगह की जीवनशैली और संस्कृति को जानने के लिए उस जगह के बाजार का नेतृत्व करना बहुत जरूरी होता है। नोम पेन्ह की जीवनशैली और संस्कृति के बारे में पता लगाने के लिए यहां आने वाले पर्यटकों को 'फ्सेर थ्मई' में जरूर जाना चाहिए। यह बाजार एक प्रभावशाली आर्ट डेको संरचना में स्थित है। इसमें एक शानदार गुंबद के साथ कई विंग्स बनी हुई हैं। इसके साथ कई तरह की दुकानें बनी हुई है।

कब जाएं ?

कंबोडिया का मौसम वैसे तो बहुत गर्म और आर्द्र रहता है। यहां पर वैसे तो किसी भी मौसम में जाया जा सकता है। यहां पर सबसे किसी भी मौसम में जा सकते हैं लेकिन नवंबर से फरवरी का महीना उत्तम समय माना जाता है।

कहां ठहरे ?

नोम पेन्ह में ठहरने के लिए अपने बजट के अनुसार कई विकल्प मिल जाते हैं। साथ ही यहां पर आप स्पा और रिज़ॉर्ट में भी ठहर सकते हैं और किसी किफायती होटल में भी रूक सकते हैं।

टुओल स्लेंग नरसंहार संग्रहालय

कंबोडिया की यात्रा अधूरी मानी जाएगी अगर आप यहां के इतिहास के बारे में नजर नहीं डालेंगे। टुओल स्लेंग पहले एक हाई स्कूल हुआ करता था। जिसका इस्तेमाल 1975 से 1979 से खमेर रूज़ के शासनकाल में एक यातना केंद्र के रूप में किया जाता था। इस जगह को 'एस-21' के नाम से जाना जाता है। इस जगह पर आने वाले पर्यटकों को यहां पर पुराने समय में हुए अत्याचारों के बारे में बताया जाता है।

टोन्ले सैप लेक

टोन्ले सैप को दक्षिण-पूर्व का सबसे बड़ा और ताजे पानी की झील माना जाता है। यह कंबोडिया के मध्य में स्थित है। यहां पर मछलियों की गिनती सबसे ज्यादा होने के कारण यह जगह पर प्रसिद्ध है। इस झील के पानी में मछलियों की गिनती दुनिया के चौथे स्थान पर आता है। यहां पर आ रहे पर्यटक बोट पर सवार होकर यहां आसपास रह रहे मछुआरों के जीवन से रूबरू बो सकते हैं।

2 शुभ योग में रखा जाएगा भादो माह की पहली एकादशी का व्रत

अभी भाद्रपद महीना चल रहा है, और इसके कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को 'अजा एकादशी' के नाम से जाना जाता है। यह व्रत इस माह 29 अगस्त 2024 गुरूवार को रखा जाएगा।

सनातन धर्म में एकादशी व्रत का विशेष महत्त्व माना गया है। यह व्रत भगवान विष्णु को समर्पित है। हर माह कृष्ण और शुक्ल, दोनों पक्षों की अलग-अलग एकादशी आती है। हर माह आने वाली दोनों एकादशी का अपना अलग-अलग महत्त्व होता है। अभी भाद्रपद महीना चल रहा है, और इसके कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को 'अजा एकादशी' के नाम से जाना जाता है। यह व्रत इस माह 29 अगस्त 2024 गुरूवार को रखा जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अजा एकादशी का व्रत रखने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस व्रत को करने और भगवान विष्णु की आराधना करने से सभी पापों का नाश होता है। चलिए जानते है वैदिक पंचांग के अनुसार अजा एकादशी 2024 तिथि, शुभ मुहूर्त और इसके महत्त्व के बारे में।

अजा एकादशी तिथि 2024

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 29 अगस्त दोपहर 1 बजकर 19 मिनट पर होगी। वहीं, इसका समापन 30 अगस्त दोपहर 1 बजकर 37 मिनट पर होगा। उदयातिथि को देखते हुए अजा एकादशी का व्रत 29 अगस्त गुरूवार को रखा जाएगा। व्रत का पारण समय 30 अगस्त, शुक्रवार को सुबह 7 बजकर 49 मिनट से सुबह 8 बजकर 31 मिनट के बीच रहेगा।

अजा एकादशी व्रत का महत्व

हिंदू धर्म शास्त्रों में बताया गया है कि, अजा एकादशी व्रत करने से व्यक्ति को श्री हरि का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। धार्मिक मान्यता है कि अजा एकादशी का व्रत करने से अश्वमेघ यज्ञ के समान पुण्य प्राप्त होता है। साथ ही सुख-समृद्धि की भी प्राप्ति होती है।

अजा एकादशी मंत्र

ॐ नारायणाय विद्महे। वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णु प्रचोदयात।।

ॐ ह्रीं कार्तवियार्जुनो नाम राजा बाहु सहस्त्रवान। यस्य स्मरेण मात्रेण ह्रतं नष्टं च लभ्यते।।

घर में बनवा रहे हैं एल्युमिनियम की अलमारी तो इन नियमों का अवश्य रखें ध्यान

घर में कोई भी सामान रखने के लिए अलमारी का होना बहुत ही आवश्यक है। ये जरुरत के साथ-साथ हमारे घर की शान को भी बढ़ाने का काम करती है। पुराने समय में लोग लोहे की अलमारी का इस्तेमाल करते थे लेकिन बदलते दौर के साथ आज-कल मार्केट में नई-नई तरह अलमारी आ गई हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में कोई भी नई वस्तु लाने से पहले कुछ नियम होते हैं उन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते हैं तो घर में सुख-शांति तो बनी रहती ही है साथ में वो नई वस्तु भी लम्बे समय तक चलती है। आज इस आर्टिकल में बाते करेंगे यदि आप घर में एल्युमिनियम की अलमारी खरीद रहे हैं या फिर बनवा रहे हैं तो कौन से नियमों का ध्यान रखना चाहिए। तो चलिए जानते हैं -

ये दिशा है शुभ

कुछ लोगों अलमारी को रखते समय दिशाओं को नजरअंदाज कर देते हैं लेकिन ये सही नहीं है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक एल्युमिनियम की अलमारी को रखने के लिए पश्चिम दिशा सबसे बेस्ट मानी गई है। इसके अलावा आप इसे दक्षिण दिशा में भी रख सकते हैं।

न लगवाएं शीशा

घर में एल्युमिनियम की अलमारी में कभी भी बाहर की तरफ शीशा न लगवाएं। अगर लगवाना भी चाहते हैं तो अंदर की तरफ ही लगाएं। वास्तु के अनुसार ऐसा करना ही शुभ माना जाता है। यदि आप पश्चिम दिशा में अलमारी रख रहे हैं तो इसमें ज्यादा कपड़े ही रखें।

इस रंग का करें इस्तेमाल

एल्युमिनियम की अलमारी की सुंदरता को बढ़ाने के लिए कोटिंग करवाने का ट्रेंड भी काफी बढ़ गया है। ऐसे में यदि आप भी कोई कलर करवाना चाहते हैं तो लाइट कलर का इस्तेमाल करें। सफेद या ऑफ व्हाइट कलर करवाना काफी शुभ माना गया है। इसके अलावा यदि आप कमरे के हिसाब से कुछ स्टाइल करवाना चाहते हैं तो आप वुडन के टीक कलर का भी यूज़ कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि ब्लैक कलर का गलती से भी इस्तेमाल न करें।

जीवन में मान-सम्मान पाने के लिए इस एक चीज को कभी न करें बर्दाश्त

वर्तमान में भी ये नीतियां युवाओं को मार्गदर्शित करने में अहम भूमिका निभाती है। आचार्य चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत और योजनाओं पर अधिक जोर देना चाहिए। इससे लक्ष्य तक पहुंचने में आसानी होती हैं। वहीं जीवन जीने के लिए किस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए, इसका उल्लेख चाणक्य नीति में देखने को मिलता है। आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

कभी न करें अपने अपमान को नजरअंदाज

जीवन में सम्मान एक ऐसा शब्द है, जिसे बहुत उछाला जाता है। व्यक्ति को जीवन में कभी भी अपने अपमान को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यदि कोई आपको अपमानित करता है, तो उससे हमेशा दूरी बनाकर रखें।

चाणक्य के अनुसार बार-बार अपमान सहन करने पर समाज में ओहदा कम होता है। साथ ही आपकी छवि भी खराब होती है। इसलिए जीवन में कभी भी अपमान नहीं सहना चाहिए।

आत्म-सुधार पर ध्यान दें

जीवन में आगे बढ़ने के लिए इंसान को सर्वप्रथम अपने आत्म-सुधार पर ध्यान देना चाहिए। इससे व्यक्तिगत विकास के साथ-साथ नकारात्मकता भी दूर होती हैं।

ठोस रणनीति का निर्माण

किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए हमेशा ठोस रणनीति का निर्माण करना चाहिए। यह नीति आपके बुरे समय को समाप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं।

घर की सूखी तुलसी से करें ये 3 काम, मां लक्ष्मी की नाराजगी नहीं बल्कि मिलेगा आशीर्वाद

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। साथ ही आयुर्वेद में भी तुलसी को काफी अहम माना गया है। धार्मिक मान्यताओं की माने तो तुलसी के पौधे का हरा-भरा रहना शुभ माना गया है, लेकिन इसका सूख जाना अशुभ। ऐसी स्थिति में हम मान लेते है कि तुलसी सूखने पर मां लक्ष्मी हमसे नाराज हो चुकी है। यदि आप चाहते है कि तुलसी के सूख जाने पर आपको नकारात्मक प्रभावों का सामना न करना पड़े तो कुछ विशेष उपाय कर सकते है। इन उपायों से सूखे हुए तुलसी के पौधे की पवित्रता भी समाप्त नहीं होगी, और इसका सही उपयोग भी हो जाएगा। चलिए जानते है।

तुलसी के सूखने पर क्या करें

पहला उपाय -

यदि आपके घर की तुलसी सूख गयी है, तो संभव है ठाकुर जी इसे आपसे किसी अन्य सेवा में उपयोग करवाना चाहते है। इसलिए आप सूखी हुई तुलसी की लकड़ी से आगे रुई लगाकर बत्ती का स्वरुप देदें। इसके बाद इस बाती को घी के दीपक में डुबोकर प्रज्ज्वलित करें। कहते है ठाकुर जी इससे प्रसन्न होते है।

दूसरा उपाय -

यदि आपके घर की तुलसी सूख गयी है, तो आप उसकी लकड़ी का उपयोग ठाकुर जी का भोग बनाने में उपयोग कर सकते है। इससे बने भोग में अंत में तुलसी दल भी डालें। कहा जाता है कि, इस उपाय को करने से ठाकुर जी भक्त से अगले कई हजारों वर्ष तक प्रसन्न रहते है।

तीसरा उपाय -

यदि आपके घर की तुलसी सूख गयी है, तो आप उसकी जड़ को लाल कपड़े में बांधकर घर के मुख्य द्वार पर बांध देवें। मान्यताओं के मुताबिक, इस उपाय को करने से धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा सैदेव अपने भक्तों पर बनी रहती है। साथ ही परिवार में कभी भी आर्थिक तंगी नहीं झेलनी पड़ती है।

कृति सेनन ने बॉलीवुड का किया बचाव कहा- फिल्मों से दर्शकों की अपेक्षाएं बढ़ीं

कृति सेनन ने इस वर्ष लगातार दो हिट फिल्में दी हैं। उन्होंने अपनी शानदार भूमिका से दर्शकों को प्रभावित भी किया। कृति अभिनय के साथ-साथ अपनी बातों को स्पष्टता से रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने निखिल कामथ के पॉडकास्ट शो में बॉलीवुड पर चर्चा की। इस दौरान शो में निखिल के द्वारा की गई टिप्पणी कि बॉलीवुड फिल्म उद्योग पहले की तरह बेहतर नहीं कर पा रहा, पर अपनी प्रतिक्रिया दी। आइए जानते हैं कृति ने क्या कहा?

कृति ने इंडस्ट्री का बचाव करते हुए कहा कि आज के समय में दर्शकों की फिल्मों से अपेक्षाएं भी बढ़ गई हैं। वहीं, जब पॉडकास्ट में कहा गया कि बॉलीवुड इंडस्ट्री की सफलता में गिरावट आई है और पहले की तरह लोगों को रोजगार देने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। इस पर कृति ने अपनी असहमति जताई। उन्होंने अपनी फिल्म 'क्रू' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' का उदाहरण दिया।

अभिनेत्री ने अपनी नजरिया साझा करते हुए विस्तार से बताया कि जहां एक समय 100 करोड़ रुपये कमाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हुआ करती थी, वहीं अब यह एक मामूली आंकड़ा बन गया है। उन्होंने स्वीकार किया कि एक दौर ऐसा भी था जब बॉलीवुड फल-फूल नहीं रहा था, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि अब थिएटर मजबूती के साथ वापसी कर रहे हैं।

अभिनेत्री की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया', जो 9 फरवरी, 2024 को रिलीज हुई को जबरदस्त सफलता मिली है। इस फिल्म में कृति ने 'सिफ्रा' नामक एक ह्यूमनॉइड रोबोट की भूमिका निभाई है।

वहीं, अपनी हालिया फिल्म 'क्रू' में कृति ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया है और आलोचकों की प्रशंसा भी बटोरी है। करीना और तब्बू जैसी इंडस्ट्री की दिग्गज हस्तियों के साथ स्क्रीन साझा करने के बावजूद कृति का अभिनय शानदार रहा है, जिसने फिल्म की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

प्रियंका चोपड़ा ने मुंबई को कहा अलविदा, प्रशंसक हुए भावुक

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हाल ही में मुंबई में अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और नीलम उपाध्याय की शादी के जश्न में शामिल हुईं। शादी समारोह के दौरान उन्होंने गुलाबी रंग की एक शानदार साड़ी पहनी थी, जो उनका 'देसी गर्ल' वाला लुक दे रहा था। अपने मुंबई यात्रा के दौरान, वह फिल्म सिटी भी गईं। अब भारत से वापस जाते समय अभिनेत्री ने एक 'अलविदा मुंबई' संदेश के साथ विदाई देते हुए एक वीडियो साझा किया है।

प्रियंका ने कहा अलविदा मुंबई

बता दें कि 27 अगस्त को, प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने हवाई जहाज की खिड़की से मुंबई को अलविदा कहते हुए एक वीडियो साझा किया। अभिनेत्री का यह वीडियो देख प्रशंसक भावुक हो गए। वीडियो के साथ, उन्होंने लिखा, 'जल्द ही मिलते हैं, मुंबई।'

इससे पहले, प्रियंका चोपड़ा ने अपने भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और उनकी मंगेतर नीलम उपाध्याय की सगाई की पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिर से साझा किया। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपनी सगाई और हस्ताक्षर समारोह की शानदार तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में सिद्धार्थ नीलम को चूमते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि दूसरी में दोनों गर्व से अपनी सगाई की अंगूठिया दिखा रहे हैं। उन्होंने कुछ रोमांटिक तस्वीरें और हस्ताक्षर समारोह की खूबसूरत तस्वीरें भी पोस्ट की।

साड़ी में साझा की थी तस्वीरें

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर साड़ी में कुछ शानदार तस्वीरें साझा की थीं। जिसमें, उन्होंने एक खूबसूरत गुलाबी साड़ी के साथ मोती का चोकर और मैचिंग इयररिंग्स पहनी हुई थी। ब्राइट लिपस्टिक और मेसी बन के साथ, उन्होंने खुद को स्टाइल किया था। एक तस्वीर में, उन्होंने काला चश्मा पहना हुआ था, जो उनका दबंग अंदाज दिखा रहा था।

प्रियंका चोपड़ा का वर्क फ्रंट

प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने हाल ही में 'द ब्लफ' की शूटिंग पूरी की है। वह एक्शन-कॉमेडी 'हेड्स ऑफ स्टेट' में भी दिखाई देने वाली हैं, जिसमें जॉन सीना, इदरीस एल्बा और जैक क्वैड शामिल हैं। वहीं, उनकी मराठी फिल्म पानी भी 18 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉलीवुड में बाहरी को 'जगह बनाने और बराबरी के लिए करना पड़ता है संघर्ष' : कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन हिंदी सिनेमा के जाने-पहचाने अभिनेता हैं। उन्होंने पिछली कुछ फिल्मों से अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया है। उनकी पिछली रिलीज फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए काफी सराहना मिली है। बॉलीवुड में अंदरुनी और बाहरी की चर्चा काफी ज्यादा होती रहती है। अब कार्तिक ने फिल्म इंडस्ट्री में एक बाहरी व्यक्ति के तौर पर अपने अनुभवों को साझा किया है। 'भूल भुलैया 3' अभिनेता ने इंडस्ट्री में बाहरी के तौर पर अपने अनुभवों को लेकर बात करते हुए कहा कि जब आप इंडस्ट्री से नहीं होते हो, तो पहचान और अवसर पाना चुनौतीपूर्ण होता है। अभिनेता ने कहा, ₹जब आप इंडस्ट्री से नहीं होते हैं, तो अवसर मिलना या आपके काम को पहचान मिलना मुश्किल होता है। इसका असर भी आप पर ही पड़ता। आपको सब कुछ शुरू से सीखना होता है, अपनी जगह खुद बनानी होती है और बराबरी का व्यवहार पाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

जी क्यू इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में अभिनता ने इंडस्ट्री में बाहरी के तौर पर अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी बात की। अभिनेता ने अवसर मिलने और पहचान बनाने के दौरान आने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री से जुड़े न होने से नुकसान भी हो सकता है। इस दौरान अभिनेता ने कहा कि उन्हें अक्सर आश्चर्य होता है कि अगर उन्हें भी वही फायदे मिलते, जो इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को मिलते हैं, तो उनका करियर कितना अलग होता। कार्तिक ने कहा, ₹यह महसूस करने के लिए बहुत आत्मनिरीक्षण करना पड़ा कि बाहरी व्यक्ति होना कोई कमजोरी नहीं है। मैंने अब तक जो कुछ भी किया है, वह मेरी अपनी मेहनत का फल है।

कार्तिक आर्यन ने इससे पहले बॉक्स ऑफिस नतीजों की महत्वता को लेकर भी बात कर चुके हैं। मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि बॉक्स ऑफिस के नतीजे महत्वपूर्ण हैं।

अभिनता ने कहा था कि अगर कोई यह कहता है कि बॉक्स ऑफिस मायने नहीं रखता, तो वह झूठ बोल रहा है, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि, इस दौरान उन्होंने कहा था कि उनके अनुसार सफलता का मापदंड ये है कि समय के साथ उसे कैसे याद किया जाता है और उसे लेकर कैसी बातें की जाती हैं।

बताते चलें कि कार्तिक आर्यन की पिछली फिल्म 'चंदू चैंपियन' को काफी सराहना मिली थी। फिल्म में कार्तिक आर्यन की बहुमुखी अभिनय क्षमता देखने को मिली थी। बात करें कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की, तो इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'भूल भुलैया 3' को लेकर व्यस्त हैं। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक हॉरर कॉमेडी होगी, जो 'भूल भुलैया' सीरीज की तीसरी किस्त है। फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी भी नजर आने वाली हैं।

फरहान अख्तर ने पत्नी शिबानी को दी जन्मदिन की खास बधाई, लिखा दिल छू लेने वाला नोट

बॉलीवुड अभिनेता फरहान अख्तर ने अपनी पत्नी शिबानी दांडेकर के जन्मदिन को अपनी स्पेशल विश से और भी खास बना दिया है। आज शिबानी अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर फरहान ने सोशल मीडिया पर एक मजेदार मैसेज के साथ शिबानी को जन्मदिन की बधाई दी।

वीजे और अभिनेत्री शिबानी अख्तर आज अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। इस अवसर को और भी यादगार बनाने के लिए उनके पति और अभिनेता फरहान अख्तर ने एक मजेदार अंदाज में जन्मदिन का संदेश साझा किया है, जिसमें उनके बीच के प्यार भरे रिश्ते को साफ देखा जा सकता है। फरहान ने शिबानी की स्टाइलिश बीच हैट की एक बेहद ही प्यारी तस्वीर साझा की है और साथ में एक भावुक और प्यारा नोट भी लिखा है।

फरहान अख्तर ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मजाकिया अंदाज में अपनी पत्नी शिबानी को जन्मदिन की मुबारकबाद दी है। उन्होंने शिबानी की बेहद ही प्यारी तस्वीर साझा की, जिसमें वह कूल टी-शर्ट, स्टाइलिश जैकेट और बड़ी टोपी में नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, हैप्पी बर्थडे शू.. मुझे नहीं लगता कि कोई भी व्यक्ति अपने सिर पर साडा डोसा रखते हुए इतना खूबसूरत दिखाई दिया होगा।

फरहान अख्तर और शिबानी अख्तर, जिन्होंने करीब तीन साल तक एक-दूसरे को डेट किया उसके बाद उन्होंने 19 फरवरी, 2022 को खंडाला में फरहान के पारिवारिक फार्महाउस में एक समारोह में शादी की। अपनी शादी में शिबानी ने एक शानदार लाल रंग की स्ट्रैपलेस गाउन पहनी थी, और फरहान ने एक क्लासिक ब्लैक टक्सीडो में बेहद हैंडसम दिखाई दिए थे। दिन में हुई उनकी शादी में फराह खान, रिया चक्रवर्ती, सतीश शाह, आशुतोष गोवारिकर और रितेश सिदवानी सहित कई मशहूर हस्तियां शामिल हुई थीं। साथ ही ऋतिक रोशन और उनके माता-पिता राकेश और पिंकी रोशन भी मौजूद थे।

बता दें फरहान अख्तर ने पहले सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट अधुना भबानी से शादी की थी। इस जोड़े ने 2000 में शादी की और 2017 में अलग हो गए। उनकी दो बेटियां हैं, शाक्य और अकीरा।

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल का एएमएमए के प्रेसिडेंट पद से इस्तीफा

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर एक्टर मोहनलाल ने एसोशिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स के प्रेसिडेंट पद से इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर के रिजाइन करने के बाद इस कमेटी के सभी मेंबर्स ने जॉइंट रेजिग्नेशन दे दिया है, जिसके बाद अब यह कमेटी ही भंग हो गई है। सभी ने यह फैसला हेमा कमेटी की रिपोर्ट सामने आने के बाद लिया है।

कुछ दिन पहले ही एएमएमए के महासचिव और वेटरन मलयालम एक्टर सिद्दीकी पर एक मलयाली एक्ट्रेस ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था। इसके बाद सिद्दीकी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। यहां पढ़ें पूरी खबर...

वहीं एएमएमए के जॉइंट सेक्रेटरी बाबूराज पर भी एक जूनियर आर्टिस्ट ने सेक्शुअल एब्यूज के आरोप लगाए थे।

एएमएमए के सदस्यों पर इस तरह के आरोप लगने के बाद भी मोहनलाल अब तक चुप थे। ऐसे में कई जाने-माने एक्टर्स ने उनकी आलोचना भी की थी।

पृथ्वीराज सुकुमारन ने की थी एएमएमए की आलोचना

'सालार' फेम एक्टर पृथ्वीराज सुकुमारन ने जस्टिस हेमा कमेटी की रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जो अपराध साबित होंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पृथ्वीराज ने पीड़ितों की शिकायतों को ठीक से न संभालने के लिए एसोसिएशन ऑफ मलयालम मूवी आर्टिस्ट्स (एएमएमए) की आलोचना की थी।

साथ ही निर्देशक तुलसीदास के खिलाफ श्रीदेविका की शिकायत पर संगठन की तरफ से कोई एक्शन न लेने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'एएमएमए की ओर से इसमें सख्ती के साथ दखल देने और कार्रवाई करने की जरूरत है।'

हम बोल रहे, वो चुप हैं: रेवती

वहीं वेटरन एक्ट्रेस रेवती ने कहा, 'मुझे यकीन है कि ममूटी और मोहनलाल जैसे मलयालम इंडस्ट्री के बड़े एक्टर्स यह सब सुनकर हमारी तरह ही शॉक्ड हैं। फर्क बस इतना है कि हम बोल रहे हैं और वो चुप हैं।'

वहीं एक्टर शम्मी तिलकन ने इस मामले पर रिएक्ट करते हुए कहा- 'लगता है मोहनलाल ने रिएक्ट करने की क्षमता खो दी थी।'

इन एक्ट्रेस ने भी सीनियर कलाकारों पर लगाए हैरेसमेंट के आरोप

हाल ही में मलयाली एक्ट्रेस सोनिया मल्हार ने खुलासा किया था कि साल 2013 में फिल्म शूटिंग के दौरान एक एक्टर ने उनके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की थी। एक्ट्रेस गीता विजयन और श्रीदेविका ने भी डायरेक्टर तुलसीदास पर फिल्म शूटिंग के दौरान सेक्शुअल हैरेसमेंट करने का आरोप लगाया है।

हेमा कमेटी ने हाल ही में सौंपी रिपोर्ट

बताते चलें कि बीते कई सालों से रीजनल सिनेमा से जुड़ी ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें महिला कलाकारों ने खुलासे किए हैं कि फिल्मों में काम देने के बदले कई बड़े फिल्म मेकर्स ने उनसे आपत्तिजनक मांग की हैं। वहीं कुछ महिला कलाकारों ने बताया है कि शूटिंग के दौरान उनके साथ यौन शोषण किया गया है।

बढ़ते मामले देखते हुए 2019 में रिटायर्ड न्यायमूर्ति हेमा की अध्यक्षता में एक 3 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था, जो ऐसे मामले पर बारीकी से नजर रख रही थी। कमेटी का गठन होने के करीब 4 साल बाद 19 अगस्त को हेमा कमेटी ने केरल सरकार को 233 पन्नों की एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें कई बड़े कलाकारों द्वारा शोषण किए जाने की बात सामने आई है। रिपोर्ट आते ही कई एक्ट्रेसेस अपने साथ हुए शोषण का खुलासा कर रही हैं।

बच्चों के साथ समय न बिताने का आमिर को आज तक है मलाल, बोले- उनके साथ रहने की जरूरत थी

आमिर खान बॉलीवुड के बड़े सुपरस्टार हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार और बेहतरीन फिल्में दी हैं। आमिर खान को बड़े पर्दे पर आखिरी बार फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में देखा गया था। आमिर तीन बच्चों के पिता हैं। आमिर ने हाल ही में अपने बच्चों, आयरा, जुनैद और आजाद के जीवन से अनुपस्थित होने का अफसोस जताया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

रिया चक्रवर्ती के साथ पॉडकास्ट में आमिर खान ने याद किया कि उन्होंने अपने करियर पर फोकस किया और इसके कारण उन्हें अपने बच्चों आयरा, जुनैद और आजाद के साथ कीमती समय बिताने का मौका मिला। आमिर को अभी इस बात का गहरा अफसोस है।

आमिर ने बताया कि उनकी बेटी आयरा अब डिप्रेशन से निपटने के बाद बेहतर हैं, लेकिन उस समय उन्हें उनकी जरूरत थी। अपने बेटे जुनैद के बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा कि उन्होंने अपना जीवन उनके बिना जिया है। आमिर ने यह भी कहा कि जुनैद अपने करियर में आखिरी बड़ा कदम उठा रहे हैं और सुपरस्टार को उनके साथ रहने की जरूरत है।

आमिर खान ने इस बात पर जोर दिया कि जब वह अपने काम में व्यस्त थे, तब उनके मन में अपने परिवार के लिए गहरी भावनाएं थीं। उन्होंने कहा, ₹मेरा ध्यान हमेशा दर्शकों का दिल जीतने पर रहता था। जब वे छोटे थे, तो मुझे उनकी भावनाओं या जरूरतों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। आमिर ने आगे कहा, ₹मैं अपनी टीम और निर्देशकों के बारे में सब कुछ जानता था, लेकिन अपने बच्चों की चुनौतियों के बारे में नहीं जानता था।

इसी इंटरव्यू में आमिर खान ने यह भी बताया कि वह शुरू में बॉलीवुड छोड़ने की योजना बना रहे थे। उनके बच्चों आयरा और जुनैद ने ही उन्हें फिल्में न छोड़ने की सलाह दी थी और इसे बड़ी गलती बताया था।

'प्यार घमंड नहीं करता, कभी अपमान नहीं करता' नताशा ने नोट साझा कर हार्दिक पर किया कटाक्ष?

अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक ने हाल ही में, एक क्रिप्टिक नोट साझा किया है। कुछ दिनों पहले वायरल रिपोर्ट्स में कहा गया था कि टीम इंडिया के क्रिकेटर हार्दिक पांड्या के साथ उनके तलाक के पीछे असली कारण यह था कि वह अपने आप में बहुत ज्यादा घमंडी थे। नताशा का यह नोट देखकर फैंस कयास लगा रहे हैं कि वायरल खबरों की पीछे जरूर कोई न कोई सच्चाई है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या लिखा है।

हालांकि, नताशा ने अभी तक सार्वजनिक रूप से कारण के बारे में बात नहीं की है, लेकिन उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि प्यार कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए।

इस नोट में लिखा था, प्रेम धैर्यवान होता है। प्रेम दयालु होता है। यह ईर्ष्या नहीं करता। यह घमंडी नहीं होता। यह दूसरों का अपमान नहीं करता। यह स्वार्थी नहीं होता। यह आसानी से क्रोधित नहीं होता। यह गलतियों का कोई हिसाब नहीं रखता। प्रेम बुराई से प्रसन्न नहीं होता, बल्कि सत्य से खुश होता है। यह हमेशा सुरक्षा करता है, हमेशा भरोसा करता है, हमेशा आशा करता है, हमेशा संरक्षण करता है। प्रेम कभी असफल नहीं होता।

जैसे ही उन्होंने यह पोस्ट साझा किया, नेटिजंस ने महसूस किया कि यह हार्दिक के साथ उनके खराब हुए रिश्ते पर कटाक्ष था और उन रिपोर्टों की पुष्टि थी, जिनमें उनके तलाक के पीछे वास्तविक कारण बताया गया था।

बता दें कि महीनों की अटकलों के बाद इस साल जुलाई में हार्दिक और नताशा ने एक संयुक्त बयान के साथ अपने तलाक की घोषणा की। उन्होंने लिखा था, चार साल साथ रहने के बाद, हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और अपना सर्वश्रेष्ठ दिया और हमें विश्वास है कि यह हम दोनों के लिए सबसे अच्छा है।

न्यूयॉर्क में मस्ती करते नजर आए सोनाक्षी-जहीर शाहरुख की इस फिल्म की दिलाई याद

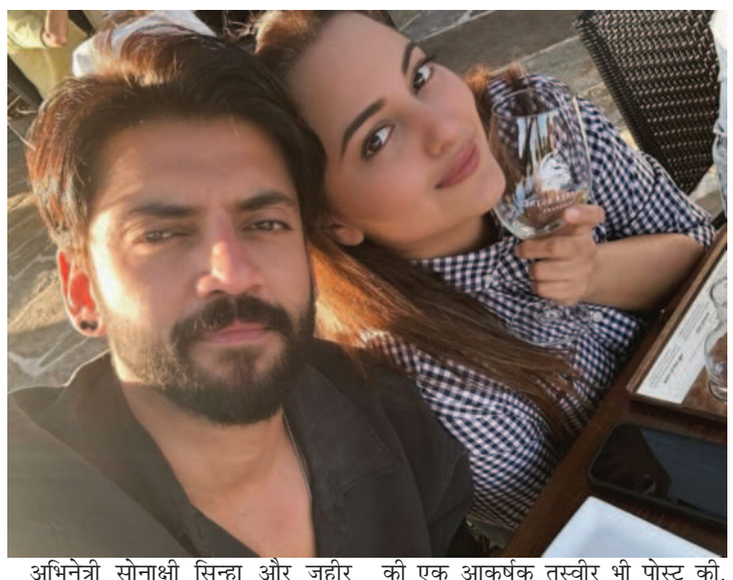

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल इन दिनों न्यूयॉर्क शहर में अपनी छुट्टियां मना रहे हैं। यह जोड़ा हाल ही में हुई अपनी शादी का आनंद उठा रहा है। सोनाक्षी और जहीर इंस्टाग्राम पर भी काफी सक्रिय रहते हैं। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर छुट्टी की कुछ झलकियां साझा की हैं। उनकी छुट्टियां रोमांच और उत्साह से भरी हुई नजर आ रही हैं। हाल ही में, सोनाक्षी और जहीर एक एडवेंचर पार्क गए, जहां जहीर ने सोनाक्षी का एक मजेदार वीडियो साझा किया, जिसमें वह शाहरुख-काजोल की मशहूर फिल्म कुछ कुछ होता है के 'ये लड़का है दीवाना' के पुराने गाने पर बॉल के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। सोनाक्षी के साझा किए इस वीडियो ने फिल्म की यादों को भी ताजा कर दिया।

वहीं, जहीर ने एडवेंचर पार्क से सोनाक्षी की एक आकर्षक तस्वीर भी पोस्ट की, जिसमें वह काफी खुश दिखाई दे रही हैं। सोनाक्षी ने भी अपने पति के साथ एक प्यारी सी सेल्फी साझा की, जिस पर गुलाबी दिल वाला इमोजी बना हुआ था।

अभिनेत्री के कैजुअल लेकिन स्टाइलिश आउटफिट में ब्लैक टॉप के साथ ब्लैक-एंड-व्हाइट चेक शर्ट, जॉगर्स और व्हाइट स्नीकर्स शामिल थें। कुछ दिनों पहले ही सोनाक्षी और जहीर ने अपनी शादी की दो महीने की सालगिरह मनाई।

बता दें कि सोनाक्षी ने सात साल तक जहीर को डेट करने के बाद शादी करने की घोषणा की थी। 23 जून को आयोजित समारोह में सोनाक्षी ने अपने माता-पिता शत्रुघ्न और पूनम सिन्हा और उनके करीबी दोस्तों सहित परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में शादी की। सोनाक्षी जहीर की शादी को लगभग दो महीने हो गए हैं।

शादी के सालों बाद रिश्ते में ताजगी बनाए रखने के तरीके, उम्र के साथ बढ़ेगा प्यार भी

आप दोनों ने जीवन भर घर-परिवार, बच्चों और रिश्तेदारों के लिए बहुत कुछ किया। क्या इस जिंदगी में आपके निजी रिश्ते भी थकने लगे हैं? पति-पत्नी का रिश्ता ऐसा होता है, जिसमें दोनों मिलकर हर उतार-चढ़ाव का सामना करते हुए एक साथ आगे बढ़ते हैं। इन अनुभवों के साथ दोनों में एक-दूसरे के प्रति परवाह और आपसी समझ भी बढ़ती है।

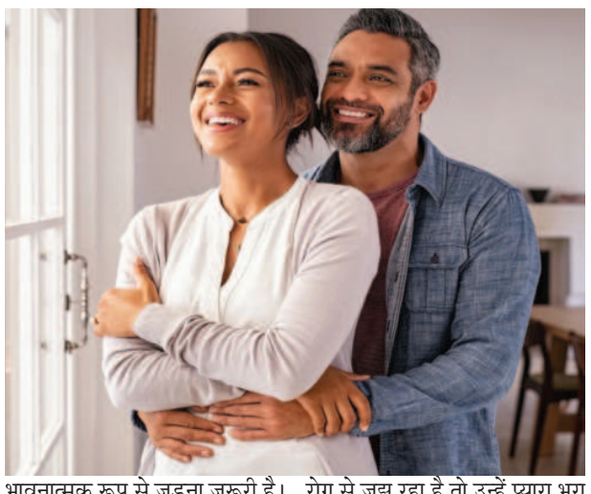

आदतों में सुधार

क्या आप अक्सर यह सोचती रहती हैं कि पहले चीजें कैसी हुआ करती थीं और अब ये बदल चुकी हैं। ऐसा सोचने के बजाय परिवर्तन को स्वीकार करें और नए तरीके से जीवन का आनंद उनके साथ लें। आपसी बातों में कोई रहस्य न रखें और कोई भी बात सही समय पर और सही तरीके से बताएं। अपने जीवन-साथी से सलाह किए बिना कोई बड़ा निर्णय न लें।

एक धन्यवाद जीवन में खुशियां बिखेर सकता है, इसलिए अच्छी बातों के लिए धन्यवाद जरूर कहें। ऐसी पुरानी आदतें, जिनसे आपका साथी खुशी महसूस करता था, उन्हें दोबारा अपनाएं।

पूरा समय और ध्यान

विवाह को भले ही कितने ही साल बीत गए हों, लेकिन अपने जीवन-साथी को समय और महत्व देना बहुत जरूरी होता है। इससे रिश्ते में मजबूती आती है। अक्सर ऐसा देखा गया है कि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियां निभाते हुए महिलाएं जीवन-साथी के साथ समय नहीं गुजार पातीं और रिश्ते में दूरी आ जाती है।

भावनात्मक जुड़ाव

वैवाहिक जीवन में मिठास भरने के लिए अपने जीवन-साथी से भावनात्मक रूप से जुड़ना जरूरी है। अगर कोई पत्नी अपने पति के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ाव महसूस नहीं कर पा रही तो इससे रिश्ता कमजोर पड़ने लगता है और भावनात्मक समस्याएं आने लगती हैं।

खुशनुमा माहौल

भले ही आपके विवाह को तीन या चार दशक बीत गए हों, लेकिन अपने जीवन-साथी के साथ हंसी-मजाक करना बहुत जरूरी है। ऐसा करने से रिश्ते में रोमांच बना रहता है। कभी-कभी आप पुरानी बातों को याद कर एक-दूसरे की टांग-खिंचाई भी कर सकती हैं। ऐसी नादानियों के बारे में सोचें, जिन पर पहले आप दोनों साथ बैठकर हंसा करते थे।

सेहत का ख्याल

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सेहत से जुड़ी परेशानियां भी आने लगती हैं। ऐसे में एक-दूसरे की सेहत का जरूर ध्यान रखें। इसके अलावा अगर जीवन-साथी डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारी, नींद से जुड़े विकार या फिर हड्डियों से जुड़े किसी रोग से जूझ रहा है तो उन्हें प्यारा भरा सहारा दें और उनकी मदद करें, साथ ही समय-समय पर उनके साथ अपना भी हेल्थ चेकअप कराती रहें।

तनाव कोसों दूर

उम्र बढ़ने के साथ ही मानसिक तनाव भी सेहत पर हावी होने लगता है। ऐसे में जरूरत है कि आप तनाव वाली बातों पर चर्चा करें और निष्कर्ष निकालें। सुबह-शाम साथ वॉक करने जाएं और खुश रहने की कोशिश करें। अगर आप वर्किंग हैं तो ऑफिस के काम का दबाव वहीं छोड़कर आएं और घर पर केवल पति पर और परिवार वालों पर ध्यान दें।

तुलना कभी नहीं

अपने जीवन-साथी की तुलना जीवन के किसी भी पड़ाव पर कभी भी किसी और से नहीं करनी चाहिए। अगर आप ऐसा करती हैं तो आपके जीवन-साथी को बुरा लग सकता है और वह नाराज हो सकता है। उसे ऐसा भी लग सकता है कि आप दूसरे लोगों को बेहतर मानती हैं, जिससे आपके रिश्ते में कड़वाहट आ सकती है।

थोड़ा समय

अगर किसी वजह से आपका जीवन-साथी गुस्से में या परेशान है तो उसे कुछ देर के लिए अकेला छोड़ दें। ऐसा करने से वह थोड़ा शांत हो पाएगा और हल्का महसूस करेगा।

मानसिक चोट न पहुंचाएं

पति-पत्नी में मन-मुटाव और लड़ाई-झगड़ा होना आम बात है। ऐसी स्थिति में एक बात का जरूर ध्यान रखना चाहिए कि चाहे जितना भी झगड़ा क्यों न हो जाए, लेकिन कभी भी ऐसी बात नहीं बोलनी चाहिए, जिससे उन्हें मानसिक चोट पहुंचे। कभी भी 'घर छोड़कर जाने' की बात या 'शादी तुमसे न हुई होती तो अच्छा होता' जैसी बात नहीं बोलनी चाहिए। ये बातें विवाद बढ़ती हैं। इसके अलावा 'आप प्यार नहीं करते' और बहुत खराब पिता होने की बात कहना जीवन-साथी के मन पर गहरी चोट पहुंचा सकता है।

बुराई करने से बचें

परिवार के सदस्यों की बुराई करना और उन्हें नीचा दिखाना आपके वैवाहिक रिश्ते को पूरी तरह प्रभावित कर सकता है। अगर आपके विचार ससुराल पक्ष के लोगों से मेल नहीं खाते हैं तो अपना पक्ष खुलकर अपने जीवन-साथी के सामने रखें और मिलकर इस समस्या का हल निकालने की कोशिश करें।

तोहफे से बनेगी बात

जीवन-साथी को खास मौके पर तोहफा जरूर दें। ऐसा करने से वह स्पेशल महसूस करेंगे और आपस में खुशियां बढ़ेंगी। दांपत्य जीवन में गंभीरता के साथ-साथ मनोरंजन भी जरूरी है, इसलिए अपने जीवन-साथी के साथ बाहर डिनर या लंच पर जाना भी न भूलें।

शरीर पर चीटियां काट लें तो इन चीजों का करें इस्तेमाल जलन से मिलेगी तुरंत राहत

वैसे तो बारिश का मौसम काफी सुहाना होता है लेकिन ये मौसम अपने साथ तमाम तरह की दिक्कत और परेशानियां लेकर आता है। इस मौसम में सबसे ज्यादा सीलन और कीड़े-मकोड़े की वजह से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। थोड़ी सी गंदगी से मच्छर पनपने लगते हैं, लाल वाली चीटियां आ जाती हैं जो काफी परेशान करती हैं।

मच्छरों के लिए तो बाजार में कई ऐसी मशीन आती है, जिनसे मच्छरों का सफाया हो जाता है लेकिन चीटियों का सफाया करना काफी मुश्किल हो जाता है। ये चीटियां जब काट लेती हैं तो काफी परेशानी होती है। इनके काटने की वजह से लाल चकत्ते होने लगते हैं। कई बार तो स्किन पर इंफेक्शन होने का खतरा भी बन जाता है।

ऐसे में अगर आपको भी चीटियों ने काटा है तो इसका तुरंत घरेलू उपाय करें। यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिनका इस्तेमाल आप लाल चींटी के काटने पर कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा पर किसी तरह की हानि नहीं होगी।

ठंडे पानी से धोना

अगर शरीर पर चीटियों ने काटा है तो प्रभावित जगह को तत्काल ही ठंडे पानी से अच्छी तरह से धो लें। इससे जलन कम होगी और त्वचा पर सूजन भी कम हो सकती है।

एलोवेरा जेल

अगर घर पर आपको एलोवेरा जेल तो आसानी से मिल ही जाएगा। ऐसे में प्रभावित स्किन पर तुरंत एलोवेरा जेल लगाएं। ये त्वचा को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इससे जलन और सूजन कम हो सकती है।

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा और पानी का पेस्ट बना लें और उसे प्रभावित स्थान पर लगाएं। इसमें पाए जाने वाले तत्व बैक्टीरिया को मारने का काम करते हैं। इसकी वजह से ही ये सूजन को कम करने और खुजली से राहत पाने में मदद

शहद

अगर रसोई में शहद मौजूद है तो तुरंत इसका इस्तेमाल करें। शहद एक प्राकृतिक एंटीसेप्टिक है। इसे चींटी के काटे हुए स्थान पर लगाने से संक्रमण का खतरा कम हो सकता है।

अपने रिश्ते की इन बातों को राज रखना ही होता है सही, वरना लोग उड़ाते हैं मजाक

हर रिश्ते में छोटे-मोटे झगड़े तो होते ही रहते हैं, लेकिन यदि ये झगड़े बढ़ने लगें तो इनकी वजह जानना जरूरी हो जाता है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि, किसी भी रिश्ते की नींव भरोसे पर ही टिकी होती है। अगर भरोसा टूट जाए तो रिश्ता टूटने तक की नौबत आ जाती है।

खासतौर पर अगर बात करें कपल्स की तो हर कपल अपने रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाता है, पर कई बार न चाहते हुए भी उनकी छोटी सी गलती से उनका रिश्ता खतरे में आ जाता है। बहुत बार देखा गया है कि रिश्ते में खटास हमेशा तीसरे व्यक्ति की वजह से ही आती है। ऐसे में आपको कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत है।

दरअसल, अक्सर जब हम अपने रिश्ते की सीक्रेट बातें किसी तीसरे व्यक्ति को बताते हैं, तो जरूरी नहीं है कि वो तीसरा व्यक्ति आपका शुभचिंतक हो। इसी के चलते ये कहा जाता है कि, अपने रिश्ते की कुछ बातें किसी और से कभी न कहें।

पारिवारिक झगड़े के बारे में

अगर आपका आपके पार्टनर के साथ झगड़ा हुआ है या फिर आपकी आपके पार्टनर से परिवार से नहीं बनती, तो इस बारे में भी किसी तीसरे को नहीं बताएं। ये आपके परिवार की बात है, जिसे आप और आपका पार्टनर ही सुलझा सकते हैं।

अपनी आर्थिक स्थिति के बारे में

अगर आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ा खराब है तो इस बात को अपने और अपने पार्टनर को ही रहने दें। अगर आप ये किसी और को बताएंगे तो इस बात का बुरा आपके पार्टनर को लग सकता है।

अपने पार्टनर की कमी के बारे में

अगर आपके पार्टनर में कोई कमी है, तो उसे पार्टनर से ही बात करके दूर करें। कभी इस बारे में किसी तीसरे व्यक्ति को न बताएं क्योंकि कमी को आप या आपका पार्टनर ही दूर कर सकता है। तीसरा व्यक्ति सिर्फ आपकी बातों को सुनकर उसका मजाक उड़ा सकता है।

अपने पार्टनर के सीक्रेट

अपने दोस्तों को भी अपने पार्टनर के सीक्रेट न बताएं। कुछ चीजें आपके और आपके पार्टनर के बीच ही रहनी चाहिए तो खासतौर पर ध्यान रखें कि अपने पार्टनर का सीक्रेट कभी किसी को न बताएं।

अपने क्वालिटी समय के बारे में

कभी भी अपने और अपने पार्टनर के क्वालिटी टाइम के बारे में किसी तीसरे को न बताएं। कई बार ऐसा होता है, जब आप किसी से अपनी पर्सनल बातें शेयर कर देते हैं, लेकिन तीसरा व्यक्ति आपकी भावनाओं का मजाक उड़ा सकता है।

स्किन टाइप के हिसाब से कराएं फेशियल आपकी त्वचा के लिए क्या सही

भले ही आप कितने भी महंगे और अच्छे कपड़े पहन लें, लेकिन अगर आपकी त्वचा डल रहेगी तो कपड़े भी फीके ही दिखेंगे। ऐसे में समय-समय पर त्वचा का ध्यान रखना जरूरी होती है। लोग अक्सर कुछ-कुछ दिनों में फेशियल कराते हैं, ताकि उनका चेहरा दमकता रहे।

चेहरे को चमकाने के लिए फेशियल सबसे सही और आसान तरीका होता है, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि जब हम पार्लर जाते हैं तो पार्लर का स्टाफ अपना पैसा बढ़ाने के लिए महंगे से महंगा फेशियल कराने की सलाह देने लगता है। ऐसे में आपको पहले से ही ये पता होना बेहद जरूरी है कि आपकी स्किन का टाइप क्या है और इस पर कैसा फेशियल सही रहेगा।

दरअसल, फेशयल हमेशा स्किन टाइप के हिसाब से ही कराना चाहिए। स्किन टाइप का ध्यान अगर नहीं रखा जाए तो आपकी त्वचा को न सिर्फ नुकसान हो सकता है, बल्कि आपके पैसे भी खराब हो सकते हैं। इसलिए आपको हम बताते हैं कि आपकी स्किन टाइप पर कैसा फेशियल सही रहेगा।

ऑयली स्किन

अगर आपकी त्वचा काफी तैलीय है, तो आपको इसका अतिरिक्त तेल हटाने की जरूरत है। इसके लिए आप क्ले मास्क फेशियल का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा से अतिरिक्त तेल निकालने में मदद करता है। इसके साथ ही आप चाहे तो सैलिसिलिक एसिड फेशियल भी करा सकते हैं। ये फेशियल पोर्स को साफ करने और ब्रेकआउट को रोकने में सहायक होता है, जिससे चेहरा चमक उठता है।

ड्राई स्किन

जिन लोगों की त्वचा काफी रूखी होती है, उन्हें हाइड्रेटिंग फेशियल की जरूरत रहती है। इसमें ह्यूमेक्टेंट्स और हाइड्रेटिंग सामग्री का उपयोग किया जाता है, जो त्वचा को नमी प्रदान करता है। इसके अलावा कोलेजन फेशियल भी ड्राई स्किन वालों के लिए फायदेमंद रहता है।

सेंसिटिव स्किन

जिन लोगों की त्वचा काफी संवेदनशील होती है, उन्हें फेशियल का चयन करते वक्त काफी ध्यान रखने की जरूरत है। इसके लिए आप कैल्मिंग फेशियल करा सकते हैं। इसके साथ-साथ ऐलोवेरा फेशियल भी संवेदनशील त्वचा के लिए अच्छा होता है।

नॉर्मल स्किन

इन लोगों के लिए क्लासिक फेशियल सही रहता है। ये त्वचा की क्लीनिंग, एक्सफोलिएशन और हाइड्रेशन पर ध्यान देता है। इसके साथ ही नॉर्ल त्वचा वाले लोग विटामिन C फेशियल से अपनी त्वचा को चमकदार बना सकते हैं।

कॉम्बिनेशन स्किन

अगर आपकी स्किन कॉम्बिनेशन स्किन है तो चारकोल फेशियल का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये फेशियल अतिरिक्त तेल और गंदगी को अवशोषित करने में मदद करता है, जो कॉम्बिनेशन स्किन के लिए फायदेमंद होता है।

रिश्ते में वित्तीय मजबूती कैसे लाएं, ताकि शादी रहे तनावमुक्त

आपका रिश्ता नया है। अगर आप इसे प्यार से भरना चाहती हैं, मजबूत बनाना चाहती हैं तो इस रिश्ते को फाइनेंशियली स्ट्रांग बनाने पर ध्यान दें। शादी जीवन में खुशी, उत्साह और सपनों से भरे एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक होती है। लेकिन कुछ शादियां टूट जाती हैं, जिनका मूल कारण होता है युगल का फाइनेंशियली स्ट्रांग यानी वित्तीय रूप से मजबूत न होना। आपकी इस नई शुरुआत और रिश्ते में और ज्यादा रंग एवं खुशी भरने के लिए वित्तीय नियोजन का होना बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए कपल्स को शादी के शुरुआती दिनों से ही अपने रिश्ते को फाइनेंशियली स्ट्रांग बनाने पर काम करना चाहिए। ऐसा करके आप तनाव मुक्त होकर शादीशुदा जीवन का आनंद उठा पाएंगी और आपसी झगड़े भी नहीं होंगे।

सबसे पहले निवेश

शादी के समय कपल्स को काफी कैश अमाउंट मिलता है। यह कैश अमाउंट अच्छा-खासा होता है, इसलिए आप इसे किसी अच्छी योजना में निवेश कर सकती हैं, जिसका अच्छा मैच्योरिटी अमाउंट मिलता है। अगर आप दोनों शादी के एक या दो साल बाद कार या घर खरीदने की योजना बना रहे हैं तो यह आपके काफी काम आ सकता है।

बजट बनाना जरूरी

आप दोनों मिलकर हर महीने एक बजट बनाएं और उसी के अनुसार पैसे खर्च करें। ऐसा करके आप हर महीने बचत करना सीख जाएंगी, जो जरूरत पड़ने पर आपके ही काम आएंगे।

फिजूलखर्ची क्यों

शादी के बाद खर्चे बढ़ जाते हैं। इसलिए फिजूलखर्ची न करें और अनावश्यक चीजों को खरीदने से बचें। जिस चीज की जरूरत हो, केवल वही खरीदें। आप चीजों को खरीदने के लिए प्राथमिकता तय करें। किसी दूसरे जोड़े से अपनी तुलना न करें। उसकी देखा-देखी न करें। ऐसा अक्सर नवविवाहित युगल अपने शुरुआती दिनों में करते हैं, क्योंकि उन्हें सब फिल्मों जैसा चाहिए होता है, जो कि असल जिंदगी में संभव नहीं। इसलिए सोच-समझकर खर्च करें।

स्वस्थ संवाद

नवविवाहित युगल को शुरुआत में ही यह तय कर लेना चाहिए कि पैसे कहां और कितने खर्च करने हैं। यदि दोनों जॉब करते हैं तो बचत कैसे करनी है, इसकी योजना बना लें। दोनों मिलकर खाली समय में कमाई के अन्य साधन भी तलाश सकते हैं। ऐसा करके आप खुद के साथ रिश्ते को भी फाइनेंशियली सपोर्ट दे सकती हैं। शादी के बाद यदि कुछ सालों तक कपल्स समझदारी से काम लें तो जीवन बेहद खुशनुमा हो जाता है।

कॉस्ट कटिंग

आज के समय में, जहां पेट्रोल, डीजल काफी महंगा होता जा रहा है, ऐसे में आप कार के बजाय बाइक का इस्तेमाल कर सकती हैं। वह भी ऐसी बाइक का चयन करें, जो अच्छा माइलेज देती हो। यह तरीका आपको बचत करने में मदद करेगा। आप दोनों अपने-अपने तरीके से कॉस्ट कटिंग करके अपने रिश्ते को फाइनेंशियली स्ट्रांग बना सकते हैं।

विश्वास और सुरक्षा की मजबूत नींव

रिलेशनशिप काउंसलर डॉ. शिवानी मिसरी साधू कहती हैं, वित्तीय स्थिरता एक स्वस्थ रिश्ते की आधारशिला है। वित्तीय मुद्दे विवाह में तनाव और संघर्ष के प्रमुख कारण बनते हैं। वित्तीय योजना को प्राथमिकता देकर और वित्त से संबंधित खुले संचार द्वारा शादीशुदा जोड़े अपने रिश्ते को मजबूत बना सकते हैं। यह केवल पैसे के प्रबंधन के बारे में नहीं, बल्कि आपके भविष्य के लिए एक साझा दृष्टिकोण बनाने के बारे में भी है। यह शादीशुदा रिश्ते में सुनिश्चित करता है कि दोनों साथी अपने वित्तीय लक्ष्यों में मूल्यवान और समर्थित महसूस करें। इसलिए आर्थिक रूप से मजबूत रिश्ता वही है, जो दोनों साझेदारों को अपनी सामूहिक समृद्धि में योगदान करने देता है। यह आपके रिश्ते में विश्वास और सुरक्षा की मजबूत नींव डालता है और रिश्ते को मजबूती देता है।

होंठों के लिए काफी लाभदायक है ये घरेलू स्क्रब, इसे बनाने और इस्तेमाल का तरीका

चेहरे की खूबसूरती को बरकरार रखने में होंठों का काफी योगदान होता है। भले ही आपका चेहरा चमकता रहे लेकिन होंठ काले हों, तो आप को शर्मिंदगी उठानी पड़

सकती है। ऐसे में न सिर्फ लड़कियां बल्कि लड़के भी अपने होंठों को गुलाबी बनाने के लिए तमाम नुस्खे अपनाते रहते हैं। अगर आप भी अपने होंठों प्राकृतिक रूप से गुलाबी बनाना चाहते हैं तो यहां हम आपको घरेलू स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं। स्क्रब आपके होंठों की त्वचा को एक्सफोलिएट करने और उन्हें मुलायम और स्वस्थ रखने के लिए एक प्रभावी उपाय है।

इसी वजह से यहां हम आपको एक ऐसे स्क्रब के बारे में बताने जा रहे हैं, जो लड़के और लड़कियों दोनों के लिए काफी फायदेमंद है। इस स्क्रब को तैयार करना भी काफी आसान है। तो चलिए आपको भी बिना देर किए होंठों के लिए घरेलू स्क्रब बनाने का तरीका और इसे इस्तेमाल करने का सही तरीका बताते हैं।

स्क्रब बनाने का सामान

1 चम्मच शहद
1 चम्मच चीनी

विधि

इस स्क्रब को तैयार करना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले एक छोटे बाउल में शहद और चीनी को मिलाएं। इसे थोड़ी देर ऐसे ही रखे रहने दें, ताकि चीनी थोड़ी सी नर्म हो जाए। थोड़ी देर के बाद ये स्क्रब इस्तेमाल करने के लिए तैयार है।

ऐसे करें इस्तेमाल

अब जब ये स्क्रब तैयार है तो इस स्क्रब को अपने होंठों पर हल्के हाथों से मसाज करते हुए लगाएं। लगाने के बाद 1-2 मिनट तक होंठों पर अच्छी तरह से मसाज करें। ध्यान रखें कि होंठों की मसाज आपको हल्के हाथ से ही करनी है। मसाज के बाद स्क्रब को एक गीले कपड़े या गुनगुने पानी से साफ कर लें। इसके बाद आखिर में अपने होंठों पर कोई लिप बाम या नारियल का तेल लगाएं ताकि उन्हें नमी मिले। इस स्क्रब का इस्तेमाल आप हफ्ते में दो से तीन बार कर सकते हैं।

मिलेंगे ये फायदे

इस स्क्रब के इस्तेमाल से आपको तमाम फायदे मिलेंगे। जैसे कि ये स्क्रब होंठों के कालेपन को दूर करने का काम करता है। इसके साथ-साथ इस स्क्रब में शहद मिले होने की वजह से ये होंठों को नमी और चमक प्रदान करता है।

बारिश में खोने लगी है पैरों की नमी तो इस्तेमाल करें घर पर बनी ये क्रीम

बारिश के मौसम में पैरों में तमाम तरह की परेशानियां होने लगती हैं। काफी बचाव के बाद भी इस मौसम में बारिश की वजह से पर हमेशा भीगे रहते हैं। अगर पैरों का ध्यान सही से ना रखा जाए तो इनमें रूखापन आने लगता है। यही वजह है कि बदलते मौसम में हाथों के साथ-साथ पैरों का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी हो जाता है।

नारियल तेल और शीया बटर क्रीम

इसे बनाने के लिए सबसे पहले2 टेबलस्पून नारियल तेल, 2 टेबलस्पून शीया बटर, 1 टेबलस्पून जैतून का तेल तो गर्म करके एक साथ मिलाएं। अब कुछ बूंदें एसेंशियल ऑयल लेकर सभी को अच्छी तरह से मिक्स करें। अब इसे एक डिब्बे में बंद करके रख लें। इसका इस्तेमाल आप हर रोज कर सकते है।

एलोवेरा और विटामिन E क्रीम

एलोवेरा से बनी क्रीम को बनाने लिए आपको 2 टेबलस्पून एलोवेरा जेल, 1 टेबलस्पून नारियल तेल, 1 टेबलस्पून ग्लिसरीन और 2 विटामिन E कैप्सूल्स की जरूरत पड़ेगी। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले एलोवेरा जेल, नारियल तेल, और ग्लिसरीन को मिलाएं। अब विटामिन E कैप्सूल्स को फोड़कर उसमें से तेल निकालें और मिश्रण में मिलाएं। अच्छे से मिक्स करने के बाद इसे एक डिब्बे में स्टोर कर लें।

शहद और ओट्स क्रीम

इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले 2 टेबलस्पून शहद

मेंबादाम के तेल को मिक्स करें। अब इसमें पिसी हुई ओट्स को मिलाकर इस एक डिब्बे में बंद कर लें। इसका क्रीम से आप हर रोज पैरों को मसाज कर सकते हैं।

दही और हल्दी क्रीम

दही तो आपके घर में मिल ही जाएगा। ऐसे में क्रीम को तैयार करने के लिए 2 टेबलस्पून दही, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर और 1 टेबलस्पून गुलाब जल को आपस में अच्छे से मिक्स करें। अब इसका इस्तेमाल पैरों पर करें। कुछ देर के बाद पैर पानी से धो लें। इससे पैरों में नमी के साथ-साथ चमक भी आएगी।

ग्लिसरीन और गुलाब जल क्रीम

इस क्रीम को बनाना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए 2 टेबलस्पून ग्लिसरीन, 2 टेबलस्पून गुलाब जल और 1/2 टीस्पून नींबू का रस मिक्स करें। अब इस क्रीम को रात में सोने से पहले पैरों पर लगाएं। यह पैरों की नमी बरकरार रखने में मदद करती है और फटी एड़ियों के लिए भी फायदेमंद है।

आरआईएल एजीएमः आईपीओ से लेकर सक्सेशन प्लान

अंबानी परिवार करेगा ये 4 ऐलान !

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। 5,000 करोड़ रुपए की भव्य शादी के एक महीने के बाद एशिया का सबसे अमीर अंबानी परिवार इस सप्ताह एक बार फिर से साथ नजर आने वाला है. लेकिन इस बार मौका पारिवारिक नहीं बल्कि व्यवसायिक होगा. गुरुवार यानी 29 अगस्त को देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की एनुअल जनरल मीटिंग होने जा रही है. ये कंपनी का 47वां एजीएम होगा. जिसकी शुरुआत दोपहर 2 बजे से होगी. जिसमें आरआईएल के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी कंपनी के 35 लाख शेयरधारकों को संबोधित करेंगे.कैलेंडर वर्ष में अब तक, रिलायंस के शेयरों ने लगभग 17 फीसदी रिटर्न देकर सेंसेक्स, निफ्टी से बेहतर प्रदर्शन किया है और 20 लाख करोड़ रुपए का मार्केट कैप हासिल करने वाली भारत की पहली और एकमात्र कंपनी बनी हुई है. बर्नस्टीन के एनालिस्ट राहुल मल्होत्रा ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि रिलायंस परिवर्तन के दौर में है. अगले 2 वर्षों में कमाई में इजाफा होगा जिसका प्रमुख सोर्स टेलीकॉम और रिटेल होगा.वहीं दूसरी ओर O2C

बिजनेस के प्रॉफिट ग्रोथ में कंसोलिडेशन देखने को मिलेगा. उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 तक ईपीएस 20 फीसदी सीएजीआर से बढ़ेगा. एजीएम से ठीक पहले, ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने आउटपरफॉर्म रेटिंग के साथ टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 3,440 रुपए कर दिया है. मॉर्गन स्टेनली ने भी टारगेट प्राइस 3,416 रुपए रखा है. आइए आपको भी बताते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के 35 लाख निवेशकों को अंबानी परिवार किस तरह के तोहफे देता है.

रिलायंस जियो, रिलायंस रिटेल का आईपीओ

मुकेश अंबानी ने साल 2019 के एजीएम में रिटेल और टेलीकॉम कंपनियों के आईपीओ लाने का ऐलान किया था. उन्होंने कहा था कि अगले 5 साल में दोनों कंपनियों के आईपीओ को लाया जा सकता है. उसके बाद से जानकार लगातार रिटेल और डिजिटल कंपनियों की लिस्टिंग का इंतजार कर रहे हैं. जेफ़रीज को उम्मीद है कि जियो अगले साल लगभग 112 बिलियन डॉलर की वैल्यूएशन के साथ लिस्ट हो सकता है. इस बार, निवेशक ओ2सी (तेल-से-रसायन) व्यवसाय में किसी संभावित रणनीतिक हिस्सेदारी बिक्री की भी तलाश कर रहे होंगे.

न्यू एनर्जी का गेमप्लान

रिलायंस जामनगर में सोलर पीवी, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रोलाइजर, फ्यूल सेल और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए नियोजित गीगा फैक्ट्रीज के साथ एक मेगा ग्रीन एनर्जी कैंपस विकसित कर रहा है. हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि पहले तीन वर्षों में 10 अरब डॉलर के निवेश की प्रारंभिक योजना की तुलना में, प्रगति धीमी लगती है, अब तक 2 अरब डॉलर का निवेश हुआ है. जेएम फाइनेंशियल ने कहा कि निवेशक न्यू एनर्जी बिजनेस में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति के साथ-साथ परियोजना शुरू होने की समयसीमा और इन परियोजनाओं से कमाई की संभावित संभावनाओं पर अपडेट की उम्मीद कर रहे हैं।

मालाबार गोल्ड एण्ड डायमंड्स समूह सम्मानितः एम.पी. अहमद

हैदराबाद, 27 अगस्त(स्वतंत्र वार्ता)। सबसे बडे आभूषण समूहों में से एक मालाबार गोल्ड एण्ड डायमंड्स समूह अध्यक्ष एम.पी. अहमद ने कहा कि, इंडिया गोल्ड कॉन्फ्रेंस या आईजीसी से रिस्पॉन्सिबल ज्वेलरी हाउस पुरस्कार प्राप्त करने पर सम्मानित हुए हैं। प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक यह सम्मान मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स को प्राप्त हुआ है। उक्त पुरस्कार यह सुनिश्चित करता है कि आभूषण का हर टुकड़ा शुद्धता और अखंडता के उच्चतम मानकों के साथ तैयार किया गया है। मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की ओर से, भारत संचालन के प्रबंध निदेशक ओ. आशेर ने बैंगलोर के हिल्टन मान्यता बिजनेस पार्क बेंगलोर में आयोजित एक समारोह में इंडिया गोल्ड पॉलिसी सेंटर के अध्यक्ष डॉ. सुंदरवल्ली नारायणस्वामी से यह पुरस्कार प्राप्त किया। इस अवसर पर मालाबार समूह के अध्यक्ष एम.पी. अहमद ने आभार व्यक्त किया और नैतिक प्रथाओं के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। प्रबंध निदेशक ओ. आशेर ने कंपनी द्वारा संचालित प्रत्येक देश में कानूनी और कर नियमों के पालन पर प्रकाश डाला। जिसमें उन्होने कहा कि, "हम सुनिश्चित करते हैं कि हम जो सोने की छड़ें खरीदते और बेचते हैं, वे जिम्मेदारी से सोर्स की गई हों और पूरी तरह से वैध हों। हम लंदन बुलियन मार्केट

एसोसिएशन (एलबीएमए) द्वारा प्रमाणित लंदन गुड डिलीवरी बार्स (एलजीबीडी), दुबई गुडडिलीवरी बार्स (डीजीबीडी) और एचयुआयडी-हॉलमार्क युक्त भारतीय गुड डिलीवरी बार्स का उपयोग करते हैं। ओ. आशेर ने बताया कि, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के वर्तमान में 13 देशों में 355 स्टोर संचालित करता है, जिसमें लगभग 21,000कर्मचारीगण कार्यरत हैं। इसके तहत 100 से अधिक देशों के 15 मिलियन से अधिक संतुष्ट ग्राहकों के साथ, कंपनी अपने सभी स्टोरों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान करती है। अपनी 'वन इंडिया वन गोल्ड रेट' पहल के माध्यम से, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स पूरे भारत में एक समान सोने का मूल्य सुनिश्चित करता है। इसके अतिरिक्त, यह समूह वंचितों के लिए चिकित्सा , घर निर्माण , लड़कियों के लिए शैक्षिक छात्रवृत्ति और आर्थिक रूप से चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि से जुडी युवतियों के विवाह या शादी के लिए वित्तीय सहायता भी करता है। इस कार्यक्रम में मालाबार गोल्ड एलएलसी में बिजनेस डेवलपमेंट के प्रमुख सीतारामन वरदराजन, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स में बुलियन के प्रमुख दिलीप नारायणन, फिनमेट पीटीई लिमिटेड के निदेशक सुनील कश्यप, रैंड रिफाइनरी के सीईओ प्रवीण बैजनाथ और मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के कर्नाटक क्षेत्रीय प्रमुख फिल्सोर बाबू भी उपस्थित हुए।

पंजाब नैशनल बैंक ने 1 करोड़ रुपए का पीएनबी रक्षक सुरक्षा चेक सौंपा

पंजाब नैशनल बैंक ने 1,00,00,000 (1 करोड़ रूपए) का पीएनबी रक्षक सुरक्षा चेक सौंपाआज पंजाब नैशनल बैंक के हैदराबाद अंचल की सेरीलिंगमपल्ली शाखा के सम्मानित ग्राहक एवं भारतीय सेना के सुबेदार स्वर्गीय एम आर कृष्ण रेड्डी के शहीद होने के कारण उनके सुपुत्र श्री एम किरण कांथ को अंचल प्रमुख श्री दीपक कुमार श्रीवास्तव, उप अंचल प्रमुख, श्री संजय माने एवं मंडल प्रमुख श्री अरविंद कालरा द्वारा एक करोड़ का पीएनबी रक्षक प्लस बीमा चेक सौंपा गया जो उनकी नामिति श्रीमती एम उमा देवी के खाते में जमा किया गया । इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक श्री राजकुमार सिन्हा, श्री वासुदेव राय, श्री वेंकट कृष्णन, श्री सीवी राव एवं अंचल के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें।

सोना खरीदने वालों के लिए जरूरी जानकारी

घट गए दाम, जानें बड़े शहरों के ताजा रेट

मंगलवार को सोना-चांदी के गहने खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो आपके लिए जरूरी खबरयहां है. आज वायदा बाजार यानी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है. वहीं चांदी भी आज सस्ती हुई है. देश के प्रमुख शहरों में 24-22-18 कैरेट सोने के दाम यहां जान सकते हैं.

वायदा बाजार में सोने के भाव जानें-

घरेलू बाजार में सोने के दाम में कमी आई है. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट सोना 174 रुपये सस्ता होकर 71,865 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. वहीं सोमवार को यह 72,039 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था.

चांदी भी हुई सस्ती-

सोने के साथ-साथ वायदा बाजार में चांदी भी सस्ती हुई है. चांदी मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 58 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली गिरावट के साथ 85,610 रुपये प्रति किलोग्राम पर बनी हुई है. सोमवार को यह 85,668 रुपये

पर बंद हुई थी.

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी की कीमतों में उठापटक जारी-

घरेलू बाजार में जहां सोना-चांदी दोनों सस्ते हुए हैं, वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना सस्ता और चांदी महंगी हुई है. कॉमैक्स पर गोल्ड 5.66 डॉलर की गिरावट के साथ 2,510.55 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है. वहीं चांदी के दाम में मामूली बढ़त देखी जा रही है और यह कॉमैक्स पर कल के मुकाबले 0.09 डॉलर महंगी होकर 29.96 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है.

देश के प्रमुख शहरों में 24-22-18 कैरेट सोने के दाम जानें-

शहर का नाम	24 कैरेट गोल्ड/प्रति 10 ग्राम	22 कैरेट गोल्ड/प्रति 10 ग्राम	18 कैरेट गोल्ड/प्रति 10 ग्राम
दिल्ली	73,180 रुपये	67,090 रुपये	54,890 रुपये
मुंबई	73,030 रुपये	66,940 रुपये	54,770 रुपये
चेन्नई	73,030 रुपये	66,940 रुपये	54,770 रुपये
कोलकाता	73,030 रुपये	66,940 रुपये	54,770 रुपये
अहमदाबाद	73,080 रुपये	66,990 रुपये	54,810 रुपये
लखनऊ	73,180 रुपये	67,090 रुपये	54,890 रुपये
बेंगलुरू	73,030 रुपये	66,940 रुपये	54,770 रुपये
पटना	73,080 रुपये	66,990 रुपये	54,810 रुपये
हैदराबाद	73,030 रुपये	66,940 रुपये	54,770 रुपये
जयपुर	73,180 रुपये	67,090 रुपये	54,890 रुपये

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग के आसार

कंपनी कर रही आईपीओ लाने पर विचार

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की दिग्गज कंपनी एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स भारत में अपना आईपीओ लॉन्च कर सकती है. कंपनी इस पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 2030 तक भारत में अपने कारोबार के लिए 75 बिलियन डॉलर रेवेन्यू का लक्ष्य रखा है उसे हासिल करने के लिए कंपनी भारतीय स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी को लिस्ट कराने पर विचार कर रही है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स के सीईओ विलियम चो ने कहा, भारतीय शेयर बाजार में कंपनी लिस्टिंग एक प्रमुख विकल्पों में एक है जिससे दशकों पुराने कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस में नई जान फूंका जा सके. ये पहला मौका है जब एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स ने भारतीय शेयर बाजार में लिस्टिंग को लेकर कुछ कहा है हालांकि इसके लंबे समय से कयास लगाये जा रहे हैं. विलियम चो ने साल 2021 में एलजी ग्रुप के साथ तीन दशकों तक काम करने के बाद सीईओ का पदभार संभाला है. उन्होंने साल 2030 तक कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स बिजनेस के लिए 75 बिलियन डॉलर सालाना रेवेन्यू का लक्ष्य तय किया है. जबकि साल 2023 में कंपनी

का रेवेन्यू 65 बिलियन डॉलर रहा था. विलियम चो ब्लूमबर्ग टेलीविजन से भारत में कंपनी के संभावित आईपीओ लॉन्चिंग से जुड़े सवाल पर कहा, ये कई विकल्पों में से एक है जिसपर हम विचार कर सकते हैं. उन्होंने कहा, ग्लोबल इंवेस्टर्स के बीच इसे लेकर बहुत ज्यादा उत्सुकता है. लेकिन फिलहाल कुछ भी तय नहीं है. एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स पहले दक्षिण कोरियाई कंपनी नहीं है जिसके आईपीओ को लेकर चर्चा हो रही है. कोरियाई दिग्गज ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर भी भारत में अपना आईपीओ लॉन्च करने जा रही है जिसके लिए कंपनी ने शेयर बाजार के रेगुलेटर सेबी के पास अपने ड्राफ्ट पेपर्स फाइल कर दिया है. कंपनी आईपीओ में 17.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की तैयारी में है. हुंडई मोटर्स आईपीओ के जरिए कुल 3 अरब डॉलर यानी करीब 25,000 करोड़ रुपये जुटा सकती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	सिंह मे	सिंह-	05-22 बजे
चंद्र-	मिथुन मे	कन्या-	07-28 बजे
मंगल	वष मे	तुला-	09-32 बजे
बुध-	कर्क मे	वृश्चिक-	11-42 बजे
गुरु-	वृष मे	धनु-	13-56 बजे
शुक्र-	सिंह मे	मकर...	16-04 बजे
शनि-	कुंभ. मे	कुंभ-	17-52 बजे
राहु-	मीन मे	मीन-	19-32 बजे
केतु-	कन्या मे	मेष--	21-08 बजे
		वृष..	23-01 बजे
		मिथुन..	00-52 बजे
		कर्क..	03-52 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-04 सूर्यास्त. - 18-31
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**197294912 5**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **01-19** तक उपरान्त एकादशी
मास - भाद्रपद कृष्ण , बुधवार **28 August**
नक्षत्र - मृगशिरा **15-52** तक उपरान्त आद्रा
योग - वज्र **19-11** तक उप सिद्धी
करण- वणिज **13-22** तक उप विष्टी
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्रा काल - **13-23** से

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:17 से 13:51 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:04 - 07:36 शुभ	उत्पात	18:31 - 19:58 अशुभ
अमृत	07:36 - 09:10 शुभ	शुभ	19:58 - 21:24 शुभ
काल.	09:10 - 10:43 अशुभ	अमृत.	21:24 - 22:51 शुभ
शुभ	10:43 - 12:17 शुभ	चंचल	22:51 - 00:17 शुभ
रोग	12:17 - 13:51 अशुभ	रोग	00:17 - 01:44 अशुभ
उत्पात	13:51 - 15:24 अशुभ	काल	01:44 - 03:10 अशुभ
चंचल	15:24 - 16:58 शुभ	लाभ.	03:10 - 04:36 शुभ
लाभ	16:58 - 18:31 शुभ	उत्पात	04:36 - 06:04 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज आप बदली हुई भूमिका में हैं ,आप बेहतर वक्ता तो हमेशा से रहे ही हैं,अब आप बेहतर श्रोता भी बन गये हैं । अब सबको यह पता चल जाएगा कि आप आत्म केन्द्रित नहीं हैं और दूसरों की भलाई के लिए भी काम करने की इच्छा रखते हैं । एक चालीस वर्षीय महिला आपकी बहुत मदद करेगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुल रखें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपने स्वतंत्र विचारों को अभिव्यक्त कर दें लेकिन आवाज को नीची रखें । पुरानी बातों में उलझे रहने के स्थान पर बदलाव के लिए जो कुछ जरूरी है उसपर फोकस करें । इस समय बेहतर यही होगा कि आप जिनके साथ रहते हैं उनके साथ विवादों में पड़ने की बजाय विवादों से दूर ही रहें ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज आप बिना किसी कारण के जिद्दी बने हुए हैं और सबके कहने तथा अपने खुद के मन की भी नही सुनना चाहते । आपको यह समझना है की इस रवैये से आपको कुछ हासिल नही होगा । आपको अपनी वर्तमान समस्याओं से पार पाने के लिए अपने दिल और दिमाग को खुला रखना होगा ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप खुद की जरुरत से अधिक आलोचना करने के मूड में हैं । आपको भी पता है कि आपकी अधिकतर चिंताएं निरर्थक हैं,फिर भी आप चिंता करते रहते हैं । इसका एकमात्र समाधान यह है कि अपने किसी ऐसे करीबी से सा अपनी चिंताओं के बारे में बात करें जो आपको सहारा दे सके ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आपके मुख्य शब्द आराम और राहत रहेंगे । आप पिछले कुछ दिनों से बहुत मेहनत कर रहे हैं और अब इस मेहनत का आनंद लेने की बारी है ,बहुत बड़ी पार्टी ना रखें । छुट्टी का दिन शांति से बिताएं । अपने किसी विशेष प्रियजन से बात कर लेने से आपको बहुत संतुष्टि मिलेगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालांकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप ऊर्जा से भरे हैं और बहुत अच्छे मूड में भी हैं । दोस्तों को पार्टी दे सकते हैं । अपनी ख़ुशी में खोकर आपका ध्यान भविष्य के खतरों से हट सकता है । घबराए नही,किसी आदमी से कोई नुक्सान होने की आशंका नही है ,केवल आपका पेट अपच वाला अधिक भोजन करने के कारण खराब हो सकता है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

16 साल की उम्र में खड़ा किया अपना एंपायर

अब एलन मस्क के 'जहाज' से स्पेसवॉक करेगा ये बिजनेसमैन

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क हर बार कुछ अनोखा करते हैं. बुधवार को उनकी कंपनी स्पेसएक्स दुनिया के पहले कमर्शियल स्पेसवॉक 'मिशन पोलारिस डॉन' पर 4 लोगों को लेकर जा रही है. इन 'स्पेस टूरिस्ट' में अमेरिका का 41 साल का एक बिजनेसमैन भी शामिल है, जो खुद एक पायलट भी है. क्या आप जानते हैं कि उसने अपना कारोबारी एंपायर सिर्फ 16 साल की उम्र में खड़ा कर दिया था. क्या आपको उनके बिजनेस के बारे में पता है? 'मिशन पोलारिस डॉन' पर जाने वाले 4 लोगों में अन्ना मेनन, स्कॉट पोटेट, सारा गिलिस के अलावा अरबपति कारोबारी जेरेड आईजैकमैन शामिल हैं. एलन मस्क के जहाज यानी स्पेसशिप में जाने से पहले भी वह एक और स्पेसवॉक कर चुके हैं. बीते 3 साल में उनकी ये दूसरी स्पेसवॉक है.जेरेड आईजैकमैन के बिजनेस शुरू करने कहानी कुछ-कुछ गूगल की शुरुआत जैसी है. जेरेड आईजैकमैन ने महज 16 साल की उम्र में अपने माता-पिता के गैराज में न्यू जर्सी में एक कारोबार शुरू किया, जो बाद में जाकर शिफ्ट4 भुगतान बन गया. उन्होंने अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी. उनका बिजनेस लोगों को पेमेंट सर्विस के अलावा पीओएस(पॉइंट ऑफ सेल, कार्ड से पेमेंट लेने वाली मशीन) के लिए सॉफ्टवेयर का बिजनेस भी चलाती है.जेरेड आईजैकमैन की कंपनी 'शिफ्ट 4 पेमेट्स' आज हर साल 260 अरब डॉलर से अधिक के ट्रांजैक्शन हैंडल करती है. अमेरिका के एक तिहाई रेस्टोरेंट और होटल उसकी सर्विस का इस्तेमान करते हैं. हिल्टन, केएफसी जैसी चेन उसकी सबसे बड़ी क्लाइंट में से एक है।

सेंसेक्स-निफ्टी मामूली तेजी के साथ बंद

मंगलवार का सेशन रहा स्मॉल-कैप और मिड-कैप स्टॉक्स के नाम

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार के लिए मंगलवार का कारोबारी सत्र स्मॉल कैप स्टॉक्स के नाम रहा है. स्मॉल कैप शेयरों में खरीदारी के चलते निफ्टी का स्मॉल कैप इंडेक्स लाइफटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा है. निफ्टी मिडकैप इंडेक्स ऑलटाइम हाई को छूने से कुछ ही फासले की दूरी पर रह गया. आज बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी मामूली तेजी के साथ क्लोज हुआ है. सेंसेक्स 14 अंकों के उछाल के साथ 81,711 और निफ्टी 7.15 अंकों के उछाल के साथ 25,018 अंकों पर क्लोज हुआ है. निफ्टी लगातार दूसरे दिन 25,000 के पार बंद होने पर सफल रहा है.

चढ़ने गिरने वाले स्टॉक्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में 11 स्टॉक्स तेजी के साथ और 19 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 21 शेयर तेजी के साथ जबकि 29 गिरकर बंद हुए. तेजी वाले शेयरों में बजाज फिनसर्व 2.37 फीसदी, मारुति सुजुकी 1.87 फीसदी, एल एंड टी 1.61 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.37 फीसदी,

इंफोसिस 1.11 फीसदी, सन फार्मा 1.02 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.74 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.63 फीसदी, भारती एयरटेल 0.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.15 फीसदी के उछाल के साथ क्लोज हुआ है. जबकि एचयूएल 2.01 फीसदी, टाइटन 1.89 फीसदी गिरकर बंद हुआ है. इसके अलावा टाटा मोटर्स के शेयर में 1.37 फीसदी, एनटीपीसी 1.24 फीसदी, आईटीसी 1.01 फीसदी और पावर ग्रिड 0.90 फीसदी गिरकर बंद हुआ है.

मार्केट कैप में ऑलटाइम हाई पर

मिड-कैप और स्मॉल-कैप स्टॉक्स में शानदार तेजी के चलते बाजार में निवेशकों की संपत्ति में जोरदार उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 463.08 लाख करोड़ रुपये के ऑलटाइम हाई पर बंद हुआ है जो इसके पहले सेशन में 462.29 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 79000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है.

ऑलटाइम हाई पर निफ्टी स्मॉल-कैप इंडेक्स

आज के कारोबार में बैंकिंग, आईटी, फार्मा, मीडिया, हेल्थकेयर और ऑयल एँड गैस सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए जबकि कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑटो, एनर्जी मेटल्स और एफएमसीजी शेयर गिरकर क्लोज हुए. निफअटी का स्मॉल-कैप इंडेक्स 19,349.25 अंकों के ऑलटाइम हाई को छूने में कामयाब रहा है. मिडकैप कैप इंडेक्स में भी शानदार तेजी रही।

पुलिस-कांग्रेसियों में झड़प, थानेदार की नाक टूटी

प्रदर्शनकारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया, भूपेश का काफिला रोकने पर थाना घेरने पहुंचे थे

भिलाई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भिलाई में भूपेश बघेल का काफिला रोकने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। धरना स्थल से सभी को खदेड़ा गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। झड़प में जामुल थाना प्रभारी की नाक में चोट आई है। इस बीच भूपेश बघेल ने सोशल मीडिया पर चेतावनी देते हुए लिखा कि, एसपी दुर्ग और उनके आका ठीक तरह से समझ लें। सत्ता उलटती-पलटती रहती है, काम ऐसे ही कीजिएगा कि भविष्य में आंक मिला सकें।

दरअसल, मंगलवार को भिलाई सिरसा गेट के पास जमा होकर कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे थे। यहां से सभी भिलाई-3 थाना घेरने जाने वाले थे।

इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। दुर्ग एसपी के मुताबिक बिना परमिशन कांग्रेसी प्रदर्शन कर रहे थे।

सुशील आनंद का तीखा हमला

बोले- तानाशाह है बीजेपी सरकार

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की स्टील सिटी भिलाई में प्रदेश के पूर्व सीएम भूपेश बघेल का काफिला रोकने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। पुलिस ने धरना स्थल से सभी को बलपूर्वक खदेड़ा। इससे कई लोगों को चोटें आई हैं। इस पर प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भिलाई में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज विष्णुदेव सरकार का तानाशाहीपूर्ण रवैया है।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि विपक्ष के नेता के काफिले को रोककर भाजपा और संघ के नेताओं ने अभद्रता की है। उन पर कार्यवाही के बजाय शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों पर लाठीचार्ज किया गया, जो बेहद दुखद और निंदनीय है। ये सरकार अपनी विदाई का का मार्ग खुद ही तय कर रही है।

बजरंग दल ने निकाली पूर्व सीएम की शव यात्रा फिर कर दिया दहन

भूपेश बघेल की खिलाफ की नारेबाजी

बालोद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बालोद नगर में आज बजरंग दल द्वारा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया पहले तो जय स्तंभ से बजरंगियों ने पूर्व मुख्यमंत्री की शव यात्रा निकाली जिसके बाद नगर भ्रमण कर वापिस लौटे और जय स्तंभ चौक पर हो पुतला दहन कर दिया पुलिस द्वारा पुतला बुझाने प्रयास किया गया लेकिन पुतला दहन करने में बजरंगी सफल हुए इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री के विरोध में नारेबाजी भी की गई। बालोद बजरंग दल के सदस्य आशुतोष कौशिक ने कहा कि यहां पर आज हमने प्रदर्शन किया है राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ वो कहते तो स्वयं को रामभक्त हैं लेकिन हमेशा अपनी ओछी मानसिकता लिए हुए बजरंगियों के खिलाफ ऊलजुल बयान बाजी करते हैं वही उमेश कुमार सेन ने कहा कि ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ और देश में रहने की जरूरत नहीं है।

झारखंड के डैम में डूबा विमान 7 दिन बाद निकाला

जहां कैप्टन के जूते मिले थे, वहां से 600 मीटर की दूरी पर मिला एयरक्राफ्ट

जमशेदपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जमशेदपुर के चांडिल डैम में डूबे ट्रेनी विमान को इंडियन नेवी के दल ने निकाल लिया है। सोमवार सुबह शुरू हुआ यह ऑपरेशन देर रात 12 बजे तक चला।

लगातार हो रही भरी बारिश के बीच नौसेना ने अपने इस मिशन को पूरा किया। विमान को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। नौसेना ने सुबह 10 बजे विमान को बाहर लाने की प्रक्रिया शुरू की। बैलून को विमान के लोकेशन पर डाला गया। उसमें हवा भरी गई। इसके बाद रस्सी की मदद से विमान को बाहर लाया गया। विमान को सतह पर लाने के बाद उसे नाव की मदद से किनारे लाया गया और फिर उसे क्रेन की मदद से निकाला गया। बताया जाता है कि जहां कैप्टन के जूते मिले थे, वहां से 600 मीटर की दूरी पर विमान मिला है।

विमान को पानी से बाहर निकालने के बाद नौसेना ने भारत माता की जय के नारे लगाए। इसके बाद विमान के पुर्जों को

अलग कर ट्रक में लोड कर सोनारी एयरपोर्ट ले जाया गया जहां जांच टीम विमान की जांच करेगी। विमान चांडिल डैम से लगभग 6 किमी की दूरी पर मिला था। सोनार यंत्र की मदद से विमान के मलबे को ढूंढ निकालने में मदद मिली थी। जो जानकारी मिली थी उसके मुताबिक विमान पानी से 15 मीटर गहराई पर है। सोनार से जो डाटा मिला है। उसके हिसाब से विमान पानी में उल्टा पड़ा थे। विमान के टायर ऊपर की ओर थे। एयरक्राफ्ट का वजन 800 किलो है, इसलिए इसे बाहर निकालने में परेशानी हुई। लेकिन देर रात तक इस ऑपरेशन को पूरा कर लिया गया। एयरक्राफ्ट हादसे में ट्रेनी पायलट और कैप्टन की मौत हो चुकी है। दोनों के शव 2 दिन बाद चांडिल डैम से मिले थे। जिस जगह पर कैप्टन के जूते मिले थे, वहां से करीब 600 मीटर की दूरी पर विमान मिला। 20 अगस्त को करीब 10:30 बजे जमशेदपुर के सोनारी एयरपोर्ट से डिप्टी चीफ फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर 30 साल के जीतशत्रु आनंद और ट्रेनी पायलट शुभ्रोदीप दत्ता ने उड़ान भरी थी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के पूर्व जज बने नए लोकायुक्त

राज्यपाल रामेन डेका ने इंदर सिंह को दिलाई शपथ, वेबसाइट पर पुराने चीफ की ही तस्वीर

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज इंदर सिंह उबोवेजा छत्तीसगढ़ के नए लोकायुक्त बनाए गए हैं। मंगलवार को रायपुर स्थित राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। जहां राज्यपाल रमन डेका ने इंदर सिंह को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के मुख्य लोकायुक्त के रूप में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण की प्रक्रिया अपर मुख्य सचिव रेणु पिल्लई ने पूरी की। इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, सांसद बृजमोहन अग्रवाल मौजूद रहे। सभी ने इंदर सिंह को बधाई दी। लोक आयोग भ्रष्टाचार के मामलों की जांच और सुनवाई करने की संवैधानिक संस्था है। हालांकि लोक आयोग की वेबसाइट पर अब तक पुराने लोकायुक्त जस्टिस टीपी शर्मा को ही लोकायुक्त बताया गया है। वेबसाइट अपडेट नहीं है। नए लोकायुक्त की नियुक्ति का आदेश पहले ही जारी हो चुका था। लेकिन लोक आयोग छत्तीसगढ़ की वेबसाइट के होम पेज पर पुराने लोकायुक्त की तस्वीर लगी हुई है। जानकारी के मुताबिक मूलतः सरायपाली बसना निवासी जस्टिस उबोवेजा विधि विभाग में सचिव के पद पर भी काम कर चुके हैं। इसके अलावा वे औद्योगिक न्यायालय के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। अब भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिए बनाई गई संस्था के प्रमुख की जिम्मेदारी दी जा रही है। भारत में लोकायुक्त एक भ्रष्टाचार विरोधी संस्था है, जो राज्य स्तर पर काम करती है। यह आम जनता की शिकायतों पर निष्पक्ष जांच करती है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करती है।

यह प्राधिकरण, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, सत्ता के दुरुपयोग, पदीय दुरूपयोग से जुड़ी शिकायतों की जांच करता है। लोकायुक्त को शिकायत या विश्वसनीय सूचना मिलने पर जांच करने का अधिकार है। लोकायुक्त को अपने अधिकार क्षेत्र में आने वाले मामलों की स्वप्रेरणा से भी जांच करने का अधिकार है। किसी भी सरकारी अधिकारी या लोक सेवक को पूछताछ के लिए बुलाना, किसी भी रिकॉर्ड का निरीक्षण करना, तलाशी और बरामदगी करना। अभियोजन शुरू करने के लिए मंजूरी देना। सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के तहत किसी मुकदमे की सुनवाई करते समय सिविल न्यायालय की सभी शक्तियां हासिल करना। न्यायालय की अवमानना अधिनियम, 1971 के तहत न्यायालय माना जाना और उच्च न्यायालय के समान न्यायिक शक्तियां और अधिकार हासिल करना। लोकायुक्त की जांच के दायरे में राज्य के मंत्री, सचिव, विभागाध्यक्ष, लोकसेवक, जिला परिषदों के प्रमुख और उप प्रमुख, पंचायत समितियों के प्रधान और उप-प्रधान, नगर निगमों के महापौर और उप महापौर, स्थानीय प्राधिकरण, नगरपरिषदों, और नगरपालिकाएं आती हैं।

'फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़' बनीं विशाखा राय

कास्टिंग काउच पर बोलीं- अब तक का एक्सपीरियंस अच्छा, मेरे आसपास अच्छे लोग

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की विशाखा राय 'फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़' चुनी गई हैं। विशाखा अब अक्टूबर में होने वाले राष्ट्रीय स्तर के फैशन कॉम्पिटिशन में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी। फेमिना मिस इंडिया छत्तीसगढ़ चुने जाने से उनके घर वाले बेहद खुश हैं। विशाखा ने मॉडलिंग से जुड़े दैनिक भास्कर के कई सवालों के सटीक जवाब दिए। कास्टिंग काउच पर उन्होंने कहा- अब तक का एक्सपीरियंस अच्छा है, मेरे आसपास काफी अच्छे लोग हैं। मॉडलिंग के अलावा उन्होंने अपनी लाइफ की जर्नी भी शेयर कीं।

मॉडल विशाखा राय ने बताया कि वह 21 साल की हैं। परिवार में पिता विपुल कुमार राय और मां सुनीता राय हैं। परिवार मूल रूप से नागपुर का रहने वाला है। इसके अलावा एक बहन है जो शिकागो (यूएसए) में सेटल है।

विशाखा के पिता एसईसीएल में जनरल मैनेजर के पोस्ट में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी पोस्टिंग

रायगढ़ में थी। वह चाहते थे कि विशाखा लॉ की डिग्री हासिल कर एक वकील बने। हालांकि विशाखा ने मॉडलिंग का रास्ता चुना। विशाखा ने स्कूली शिक्षा भिलाई के दिल्ली पब्लिक स्कूल से पूरी की है। यहां वो हॉस्टल में रहती थी, फिर वह अपनी बैचलर इन मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई के लिए पुणे चली गई। विशाखा ने बताया कि पढ़ाई के बाद उसने एक साल कंटेंट राइटर की नौकरी की। कॉलेज की पढ़ाई के दौरान उसने मॉडलिंग शुरू कर दी। विशाखा ने मिस इंडिया के कॉम्पिटिशन के लिए ट्रेनिंग भी ली है। इस कॉलेज जर्नी में उसने मॉडलिंग के कई प्रतियोगिताओं में पार्टिसिपेट किया और जीत हासिल की। विशाखा ने बताया कि इस मॉडलिंग के करियर में उनके सामने कई चुनौतियां आई। कॉलेज की पढ़ाई के साथ मॉडलिंग की। ऑडिशन के लिए उसे कई बार पुणे से मुंबई आना पड़ता था फिर रिजेक्ट होकर वापस लौटना पड़ता था।

वह 2023 में मिस इंडिया ऑडिशन में गई थी, लेकिन अपना बेस्ट देने के बावजूद चयन नहीं हो पाया। उन्होंने बताया कि इस मॉडलिंग की शुरुआती करियर में उनकी मां ने रात में जागकर उनके कई वीडियो भी मोबाइल में शूट किए।

मॉडलिंग फील्ड में रुचि रखने वाली लड़कियों के लिए विशाखा ने बताया कि यहां आने के कई रास्ते हो सकते हैं। सोशल मीडिया में खुद की रील्स पोस्ट करके या खुद का पोर्टफोलियो तैयार करवा कर आप भेज सकते हैं।

इसे किसी एजेंसी या कोऑर्डिनेटर की मदद लेनी होगी। लेकिन इस बात का भी ख्याल रखना होगा कि सही व्यक्ति या संस्था का चयन करें। फेमिना मिस इंडिया में पार्टिसिपेट करने के लिए एक ऑनलाइन फॉर्म आता है, जिसमें अपनी चार फोटो भरकर भेजनी होती है। सबसे पहले जोनल ऑडिशन होता है। छत्तीसगढ़ और झारखंड ईस्ट जोन में आता है। इसका ऑडिशन कोलकाता में हुआ था। फिर आगे के फाइनल ऑडिशंस मुंबई में हुए। इसके बाद करीब 30 स्टेट विनर नेशनल के लिए सिलेक्ट होते हैं।

झारखंड के 8 जिलों में बारिश-बिजली का यलो अलर्ट

रांची, 27 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड के 8 जिलों में बारिश-आकाशीय बिजली का यलो अलर्ट जारी किया गया है। जिनमें साहिबगंज, गोड्डा, पाकड़, दुमका, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह और धनबाद शामिल हैं।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा, बंगाल की खाड़ी में बने साइक्लोन सरकुलेशन का असर राज्यभर में होगा। राज्य के कई इलाकों में अच्छी बारिश की संभावना है। विभाग के अनुसार अगस्त महीने में 31 फीसदी अधिक बारिश हुई है।

राज्य में पिछले 24 घंटे के तापमान पर नजर डालें तो राज्य के ज्यादातर हिस्सों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राज्य में सबसे अधिक बारिश 118.4 मिमी पाकुड़ के महेशपुर में दर्ज की गई। राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 34.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। रांची में सबसे कम तापमान 22.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

राज्य के ज्यादातार जिलों में तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। देवघर, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज में अधिकतम तापमान 29 और न्यूनतम 25 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। वहीं कोडरमा, चतरा, गढ़वा, लातेहार, पलामू में अधिकतम तापमान बढ़कर 31 डिग्री तक रह सकता है। बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, रांची, खूंटी, गुमला में अधिकतम 30 डिग्री के आसपास होगा जबकि यहां भी न्यूनतम तापमान में कोई बदलाव नहीं होगा। पश्चिमी और पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला में अधिकतम 33 डिग्री व न्यूनतम 26 डिग्री के आसपास होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त महीने में अच्छी बारिश हुई।

बलौदाबाजार हिंसा, 7 दिन और जेल में रहेंगे देवेंद्र यादव

कोर्ट ने 3 सितंबर तक बढ़ाई रिमांड, 17 अगस्त को भिलाई से हुई थी गिरफ्तारी

रायपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भिलाई विधायक देवेंद्र यादव 7 दिन और जेल में रहेंगे। मंगलवार को पेशी के बाद कोर्ट ने 3 सितंबर तक उनकी रिमांड बढ़ा दी है। बलौदाबाजार हिंसा मामले में 17 अगस्त को भिलाई पुलिस ने गिरफ्तार किया था। हालांकि उनके वकील ने जल्द केस डायरी पेश करने की मांग की है। मंगलवार को उनकी पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंस से हुई। 17 अगस्त गिरफ्तारी के बाद से ही वे जेल में हैं। कोर्ट ने 17 अगस्त से 3 दिन तक और फिर 20 अगस्त से 7 दिन की रिमांड बढ़ा दी थी। अब फिर देवेंद्र यादव की पेशी 3 सितंबर को होगी।

पुलिस प्रशासन को 90 दिन के भीतर ही चालान पेश करना है। देवेंद्र के वकील का कहना है कि पुलिस की ओर से अब तक उन्हें एफआईआर की कॉपी नहीं मिली है। इसलिए जरूरी है कि पुलिस जल्द से जल्द कोर्ट में चालान पेश

करे। इस बार भी पेशी में वकील ने यही मांग कोर्ट में भी रखी। इससे पहले हुई सुनवाई के दौरान विधायक देवेंद्र यादव ने दुर्ग-भिलाई का रीजनल पेपर और रोजाना वकील से मुलाकात/वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की मांग की थी। इसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया था।

बलौदाबाजार पुलिस के एक उच्चाधिकारी की माने तो पुलिस के पास देवेंद्र के खिलाफ गवाह हैं। कुछ लोगों के बयान हैं। इसके अलावा पुलिस के पास कुछ वीडियो भी हैं। इसको आधार बनाकर उन पर कार्रवाई की जा रही है।

विधायक देवेंद्र यादव की गिरफ्तारी बलौदाबाजार हिंसा मामले में हुई है। उन पर लोगों को भड़काने का आरोप है। इस मामले में बलौदाबाजार पुलिस ने 4 बार नोटिस जारी किया, लेकिन विधायक ने बयान देने जाने से मना कर दिया था।

उन्होंने कहा था कि पुलिस को बयान लेना है, तो उनके पास और लेकर जाए। कलेक्ट्रेट आगजनी मामले में पूछताछ के लिए तीसरा नोटिस मिलने पर देवेंद्र यादव ने बलौदबाजार जाकर पुलिस अधीक्षक से मुलाकात भी की थी।

देवेंद्र यादव के खिलाफ बलौदाबाजार हिंसा का पहला मामला जांच में नहीं है, उनके खिलाफ कोयला घोटाला और कथित एमएमएस मामले की भी जांच चल रही है। कुछ दिन पहले भिलाई नगर पुलिस ने भी उन्हें नोटिस जारी कर फोटो वीडियो के लिए थाने बुलाया था।

देवेंद्र वहां भी दोबारा बयान दर्ज कराने नहीं गए। उन्होंने कहा वह थाने जाकर अपना बयान एक बार दे दिए हैं। लिखित में भी दिया है कि जांच में जो भी आगे पूछताछ या जानकारी चाहिए, उनके कार्यालय में आकर ले लें।

जानकारी के मुताबिक, 15 मई की देर रात सतनामी समुदाय के धार्मिक स्थल गिरौदपुरी धाम से करीब 5 किमी मानाकोनी बस्ती स्थित बाघिन गुफा में लगे धार्मिक चिन्ह जैतखाम को क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। जैतखाम तोड़े जाने के विरोध में समाज के हजारों लोग कलेक्ट्रेट के पास मौजूद दशहरा मैदान में कई दिन से प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने इस मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

दो भाइयों को ट्रैक्टर चढ़ाकर मार डाला

जमीन विवाद में 4 भाइयों समेत 9 लोगों ने लाठी-डंडे से पीटा, खेत गए थे दोनों

मुंगेली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में 4 भाइयों ने मिलकर अपने 2 सगे भाइयों को मार डाला। बताया जा रहा है कि पहले इन लोगों ने लाठी-डंडे से जमकर पीटा, फिर ट्रैक्टर चढ़ाकर हत्या कर दी। वारदात में आरोपियों की पत्नियां और बेटे समेत 9 लोग शामिल थे। मामला फास्टरपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक 25 अगस्त को भागबली पाटले और वकील पाटले खेत में काम करने गए थे। इस दौरान जमीन विवाद में रंजिश रखने वाले 4 भाई, उनकी पत्नियां और बेटे पहले से घात लगाए बैठे थे। दोनों भाई खेत से काम के बाद जैसे सड़क पर आए। आरोपियों ने पीटना शुरू कर दिया। इस दौरान दोनों घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि इस दौरान आरोपियों ने दोनों भाई भागबली पाटले और वकील पाटले पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। भागबली की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वकील पाटले की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हमले में परिवार के कुछ सदस्य भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मुंगेली एएसपी पंकज पटेल ने सोमवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि बुधवारा निवासी तोरण पाटले के 7 बेटे हैं। इसमें भागबली पाटले, वकील पाटले, केजू पाटले, माखन पाटले, रामबलि पाटले, कौशल पाटले और नरेंद्र पाटले हैं। इसमें भागबली पाटले, वकील पाटले और कौशल पाटले एक पक्ष के हैं, जबकि दूसरे पक्ष में केजू पाटले, गाखन पाटले, रामबलि पाटले और नरेंद्र पाटले हैं। मुंगेली एएसपी ने बताया कि भागबली पाटले पक्ष और केजू पाटले पक्ष में जमीन को लेकर वर्षों से विवाद चला आ रहा है।

पति ने पेट्रोल छिड़क कर दी थी जान

अब पत्नी पांच साल के बच्चे के साथ कुएं में कूद गई, मायके वालों ने लगाया ससुराल पक्ष पर आरोप

कोडरमा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। कोडरमा में घरेलू विवाद से परेशान महिला ने अपने पांच साल के बेटे के साथ कुएं में कूद गई। इसमें दोनों की जान चली गई। घटना तरवन गांव की बताई जा रही है। महिला कई दिनों से घरेलू विवाद को लेकर परेशान थी। मंगलवार की सुबह की यह घटना घटी है। मृतक की पहचान तरवन निवासी दिलीप यादव के 35 वर्षीय बहू मसोमात कुशुम देवी और बेटा प्रेम कुमार 5 वर्ष के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने मां बेटे का शव कुआं से बरामद किया। घटना की सूचना मिलते ही मायके जयनगर थाना क्षेत्र के कटिया मनीडीह से परिजन सहित गांव के दर्जनों महिला पुरुष तरवन पहुंचकर मृतक के सास ससुर तथा देवर पर कुशुम देवी व पुत्र प्रेम कुमार को हत्या कर कुआं में डाल देना आरोप लगाया है। महिला के घरवालों ने दोनों के शव को कुएं से निकलने के बाद हंगामा किया और ससुराल वालों पर गंभीर आरोप लागए। थाना प्रभारी विकास कुमार सहित पुलिस प्रशासन ने मायके वालों को काफी समझा बूझकर मामला शांत कराया। कुसुम देवी की पति उपेंद्र कुमार यादव वर्ष 2020 में विवाद को लेकर पेट्रोल छिड़क कर आत्महत्या कर ली थी। कुसुम देवी अपने दो पुत्र प्रीत कुमार, प्रेम कुमार तथा एक पुत्री प्रियांशु कुमारी के साथ अपने ससुराल में ही रह रही थी। मृतक के पिता टीपन महतो ने बताया कि उनके दामाद निधन होने के बाद कुशुम को सास ससुर और देवर द्वारा परेशान करते थे।

कई बार पंचायत भी किया गया परंतु उनके साथ से ससुराल वालों नहीं सुधरे। ससुराल वालों को डर था कि उसे संपत्ति में हिस्सा देना होगा। मायके वाले ही बेटी और बच्चों का खर्च उठाते थे। सोमवार की सुबह मृतक कुसुम देवी का घर में विवाद हुआ, वह अपने छोटे बेटे प्रेम कुमार के साथ घर से निकल गई। मंगलवार की सुबह गांव वालों एवं पुलिस प्रशासन गांव के बगल एक कुआं के पास कुसुम देवी का चप्पल, मोबाइल, चाबी और कई सामान मिले।

खाट पर सरकारी सुविधाएं

इलाज के लिए ग्रामीणों को तय करना पड़ता है एक किमी का सफर गांव तक नहीं पहुंचती है सड़क

सिमडेगा, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सिमडेगा जिले के ताराबोगा पंचायत के कुरूमडेगी गांव इस गांव में जब कोई बीमार पड़ता है तो उसे खटिया में लादकर एक किमी का सफर तय करना पड़ता है। इसी गांव में रहने वाला फिरू सिंह बीमार पड़ा तो ग्रामीण उसे खटिया में लादकर पैदल ही अस्पताल लेकर पहुंचे। गांव तक पहुंचने के लिए ना सड़क है ना नदियों में पुल बना है। गांव से एक किमी की यात्रा करनी पड़ती है तब पक्की सड़क आती है। अगर कोई बीमार पड़ा तो उसे इस पक्की सड़क तक की यात्रा खटिया में करनी पड़ती है फिर यहां से एंबुलेंस या किसी दूसरी गाड़ी में लादकर उसे अस्पताल ले जाया जाता है।

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने किया एलान

राज्य में भाजपा के साथ मिलकर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

रांची, 27 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा और ऑल इंडिया स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) का गठबंधन एक साथ चुनाव लड़ेगा। आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने एलान करते हुए कहा कि- उनकी पार्टी भाजपा के साथ गठबंधन में राज्य में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। इससे पहले दोनों पार्टियों ने हालिया लोकसभा चुनाव में राज्य में एक साथ चुनाव लड़ा था, जिसमें भाजपा ने आठ और आजसू ने एक सीट पर जीत हासिल की थी। राज्य में फिलहाल झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस और राजद गठबंधन के तहत सत्ता में काबिज हैं।

बता दें कि आजसू अध्यक्ष

सुदेश महतो ने पूर्व भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद इसका एलान किया है।

सुदेश महतो ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए लिखा, आज नई दिल्ली में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई। इस अवसर पर झारखंड के विकास, वर्तमान राजनीतिक हालात और आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित विभिन्न विषयों पर गहन चर्चा हुई। एनडीए सरकार झारखंड राज्य के लिए आवश्यक है और हम एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

चंपई सोरेन एनडीए का हिस्सा बने तो अच्छा होगा- सुदेश

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात पर आजसू अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा, झारखंड के मौजूदा राजनीतिक हालात और राज्य सरकार ने राज्य को जिस स्थिति में पहुंचा दिया है, उस पर चर्चा हुई। यह तय हुआ है कि हम साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे। इस दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को लेकर पूछ गए सवाल पर उन्होंने कहा कि अगर चंपई सोरेन एनडीए का हिस्सा बनते हैं तो यह अच्छा होगा।

'8 सितंबर को सीएम को देंगे बेरोजगारों का बायोडाटा'

वहीं आजसू सुप्रीमो ने राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस और राजद सरकार पर निशाना साधते हुए एक ट्वीट में लिखा- आजसू पार्टी ने राज्य के बेरोजगार युवाओं के हक के लिए कमर कस ली है। हम राज्यभर से पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं का बायोडाटा इकट्ठा कर आगामी 8 सितंबर को मुख्यमंत्री को सौंपेंगे।

काफी दर्द देने वाला होगा इस बार का बजट

पीएम स्टार्मर बोले- देश की नींव को ठीक करने के लिए यह जरूरी

लंदन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने अपने पहले भाषण में यूके की जनता को कुछ सख्त उपाय लागू करने का संकेत दिया। रोज गार्डन में हुई एक सभा में ब्रिटिश पीएम ने कहा कि देश की आर्थिक और सार्वजनिक वित्तीय स्थिति को कंजर्वेटिव पार्टी ने बेहद खराब करके हमे सौंपा है। अब देश की नींव को ठीक करना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए अक्टूबर में आने वाले बजट में सरकार को बेहद कड़े निर्णय लेने होंगे। इसके चलते आने वाला बजट काफी दर्द देने वाला हो सकता है।

उन्होंने कहा कि बजट में लंबे समय की भलाई के लिए छोटे दर्द होंगे। हो सकता है कि कुछ ऐसे फैसले हों, जिससे जनता परेशान हो, लेकिन देश की

मौजूदा स्थिति को देखते हुए हमारे कोई अन्य विकल्प नहीं है। इन कठिन आर्थिक निर्णयों का कारण टोरीज 14 वर्ष की सत्ता के अंत में छोड़ा गया 22 बिलियन पाउंड का ब्लैक होल होगा।

उन्होंने कहा कि जैसा कि मैंने वादा किया था सरकार देश की रोज सेवा करने वाले लोगों प्रशिक्षु, शिक्षक, नर्स, छोटे व्यवसाय के मालिक, अग्निशामक और हमारे समुदाय की सेवा करेगी, तो बिल्कुल ऐसा ही किया जाएगा। बस हमें चीजें कुछ अलग तरीके से करनी होंगीं।

हम 14 साल की सड़ांध को खत्म करने, एक दशक की गिरावट को कम करने और नींव को दुरुस्त करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

ब्रिटिश पीएम बोले कि अब से लेकर क्रिसमस के बीच हम वैसे ही आगे बढ़ेंगे, जैसे हमने शुरू किया था। हम बात नहीं करेंगे, बल्कि काम करेंगे। करदाताओं के धन की सुरक्षा करने के लिए कानून लाएंगे और कड़े निर्णय लेंगे। उन्होंने कंजर्वेटिव के कर बढ़ाने की आलोचना का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम चुनाव से पहले की स्थिति को लेकर ईमानदार हैं। हम किसी तरह की कर वृद्धि नहीं करने जा रहे हैं।

ब्रिटेन में हाल ही में हुए दंगों को लेकर उन्होंने कहा कि यह हिंसक झड़पें पूर्व सरकार के लुभावने वादों के कारण हुईं। पूर्व सरकार ने जनता को धोखा दिया। इसका इलाज एक साथ आकर ही किया जा सकता है। पीएम बोले कि हमारे पास एक ऐसा देश है, जिसे हमने कड़ी मेहनत के बाद मिलकर बनाया है। जो हम में से हर एक का है। आइए मिलकर इसे ठीक करें और गंदगी को साफ करें।

जुकरबर्ग का खुलासा- फेसबुक पर दबाव डालती थी अमेरिकी सरकार

कोरोना से जुड़े पोस्ट हटाने को कहा, अफसोस है कि पहले नहीं बोल पाया

वाशिंगटन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मेटा चीफ मार्क जुकरबर्ग ने आरोप लगाया है कि जो बाइडन-कमला हैरिस प्रशासन ने कोविड से संबंधित पोस्ट को सेंसर करने (हटाने) के लिए उनकी कंपनी पर बार-बार दबाव डाला। उन्होंने ज्यूडिशियरी कमेटी को लिखी चिट्ठी में ये आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का यूं दबाव डालना गलत था। उन्हें अफसोस है कि वह पहले इस मुद्दे पर ज्यादा नहीं बोल पाए।

जुकरबर्ग ने चिट्ठी में लिखा कि 2021 में कई महीने तक बाइडेन प्रशासन ने उन पर दबाव डाला। यहां तक कि वे कोविड-19 से जुड़े मीम तक को हटाना चाहते थे। जब हम इस पर सहमत नहीं हुए तो उन्होंने इसे लेकर अपनी निराशा भी जताई। मेटा चीफ ने कहा कि आखिरकार यह हमारा फैसला था कि कंटेंट को हटाना

है या नहीं। हमारे फैसलों के लिए हम ही जिम्मेदार हैं।

जुकरबर्ग ने कहा- "मुझे लगता है कि हमें किसी भी हाल में किसी भी सरकार के दबाव में नहीं झुकना चाहिए। हमें अपने कंटेंट के स्टेंडर्ड्स से समझौता नहीं करना चाहिए। अगर ऐसा कुछ फिर से होता है तो भी हमारा जवाब पहले जैसा ही होगा।"

इसी चिट्ठी में जुकरबर्ग ने आरोप लगाया कि एफबीआई ने 2020 के चुनाव से पहले उन्हें चेतावनी दी थी। मेटा चीफ ने कहा कि न्यूयॉर्क पोस्ट ने बाइडेन फैमिली के करप्शन से जुड़े मामले को लेकर एक रिपोर्ट लिखी थी। एफबीआई ने इसे रूसी दुष्प्रचार बताते हुए इस पर फैक्टचेक की नोटिस लगाने को कहा था।

जुकरबर्ग ने कहा कि मेटा ने इस स्टोरी को फेसबुक पर डिमोट कर दिया। इसकी वजह से ये स्टोरी बहुत लोगों तक नहीं पहुंच पाई। जुकरबर्ग ने चिट्ठी में दावा किया कि रिपोर्टिंग रूसी दुष्प्रचार नहीं थी और उसे दबाया नहीं जाना चाहिए था।

इससे पहले जुकरबर्ग ने 2022 में एक पॉडकास्ट में माना था कि मेटा ने बाइडेन से जुड़े कंटेट को फेसबुक पर दबा दिया था। उन्होंने कहा था कि फेसबुक ने एल्गोरिथम के जरिए 2020 में अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले बाइडन के बेटे हंटर बाइडन के लैपटॉप की खबर को एक हफ्ते के लिए सेंसर कर दिया था। जुकरबर्ग ने कहा था कि उन्होंने इसके लिए एफबीआई ने कहा था।

रिपब्लिकन पार्टी ने कसा तंज

जुकरबर्ग के आरोपों के बाद रिब्लिकन पार्टी ने बाइडेन प्रशासन पर तंज कसा है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा- मार्क जुकरबर्ग ने तीन बातें मानी हैं: 1- बाइडेन-कमला हैरिस प्रशासन ने अमेरिकियों को सेंसर करने के लिए फेसबुक पर 'दबाव' डाला। 2- फेसबुक ने अमेरिकियों को सेंसर किया। 3- फेसबुक ने हंटर बाइडेन लैपटॉप की कहानी को दबा दिया।' आगे तंज करते हुए लिखा कि यह फ्री स्पीच की बड़ी जीत है।

मेरी जान को खतरा, अगर मुझे कुछ हुआ तो सेना और आईएसआई जिम्मेदार

जेल में बंद इमरान खान बोले

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जेल में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को कहा कि उनकी इस हालत के लिए सेना और इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जिम्मेदार हैं। खान ने आशंका जताई कि उनकी जान को खतरा है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान पिछले साल से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में बंद हैं। उन्होंने मौजूदा सरकार को आलोचना करने वालों से नफरत करने और कानून-व्यवस्था की खराब स्थिति का दोषी ठहराया। उन्होंने पाकिस्तान की क्रिकेट की स्थिति की भी आलोचना की, जो लगातार हार का सामना कर रही है।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर खान ने एक पोस्ट में दावा किया कि चुनावों में धांधली हुई थी। उन्होंने कहा कि केवल सच्चे जनादेश वाली सरकार ही हालत के सुधार की योजना बना सकती है। उन्होंने कहा, आईएसआई जेल

में मामलों को नियंत्रित कर रही है। मैं फिर से कहा रहा हूं कि अगर मुझे कुछ हुआ तो सेना प्रमुख और आईएसआई के महानिदेशक (डीजी) जिम्मेदार होंगे। पूर्व प्रधानमंत्री की यह टिप्पणी शहबाज शरीफ सरकार के उस एलान के बाद सामने आई है, जिसमें कहा गया था कि इमरान खान के खिलाफ हिंसा के मामलों की सुनवाई सैन्य अदालत में हो सकती है। पिछले साल नौ मई को खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसक प्रदर्शन हुए थे। जिसमें उनके पार्टी कार्यकर्ताओं में कई सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था।

'हमले की सीसीटीवी फुटेज चोरी कर ली गई'

उन्होंने खुद पर हुए पहले के दो हमलों की याद दिलाई और कहा कि वजीराबाद में सीसीटीवी फुटेज चोरी कर ली गई और हमले से पहले आईएसआई ने क्षेत्रों को नियंत्रित किया। उन्होंने यह भी कहा कि जेल में उनकी हालत खराब हो गई है और उनके भोजन की सुरक्षा के लिए तैनात कर्मचारियों को चौथी बार बदल दिया गया है। खान ने कहा कि पूरी सरकार झूठ पर चलती है। मैं उनके समाचार नहीं पढ़ता। हमारे बीच बातचीत केवल देश और संविधान के लिए होगी।

क्रिकेट में पाकिस्तान की लगातार हार पर जताया दुख

खान ने मौजूदा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि देशभर में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ रही है। उन्होंने पाकिस्तान के क्रिकेट की स्थिति पर भी दुख जताया और कहा कि इस सबके लिए एक ही संस्था जिम्मेदार है।

इजरायल से बचने के लिए महिलाओं के कपड़े पहनकर भाग रहा हमास चीफ याह्या सिनवार

तेल अवीव, 27 अगस्त (एजेंसियां)। इजरायल के सबसे बड़े दुश्मन याह्या सिनवार को लेकर एक बड़ी खबर आई है। ब्रिटेन के डेली एक्सप्रेस ने रविवार को इजरायल के खुफिया सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि याह्या सिनवार गाजा पट्टी में आतंकी सुरंग के नेटवर्क से बाहर निकला था। इस दौरान उसने गाजा की आबादी के बीच छिपने के लिए महिलाओं की तरह कपड़े पहने हुए थे। न्यूयॉर्क टाइम्स ने रविवार को अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि सिनवार ने शायद सुरंग छोड़ दी है, जिसमें वह पिछले साल से कई मौकों पर छिपा रहा है। गाजा का लादेन के नाम से जाना जाने वाला सिनवार 7 अक्टूबर के हमले का मास्टरमाइंड रहा है। हमास चीफ इस्माइल हानिया की ईरान में हत्या के बाद सिनवार ही हमास का राजनीतिक चीफ बना है। कथित तौर पर सिनवार गाजा पट्टी में एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा रहा है, ताकि इजरायल उसे न पकड़ सके। इजरायली डिफेंस फोर्स ने जुलाई में हमास की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद दीफ को निशाना बनाया था। दीफ और इस्माइल हानिया की मौत के बाद अब इजरायल का सबसे बड़ा दुश्मन इस्माइल हानिया ही है।

इजरायली समाचार आउटलेट मारीव ने अगस्त में अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि सिनवार छिपने के लिए कई जगहों पर भाग रहा है। क्योंकि गाजा पट्टी में इजरायली हमने ने हमास नेतृत्व को काट दिया और गाजा में आगे बढ़ रहा है। ट्रैक न किया जा सके इसलिए सिनवार अपने नेताओं से बातचीत के लिए चिट्ठी का इस्तेमाल करता है, जिसे उसका कोई खास आदमी सही जगह पर पहुंचाता है। रिपोर्ट के मुताबिक सिनवार को किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर भरोसा नहीं है। इसके अलावा अरबी भाषा के अशरक अल-अवसात की रिपोर्ट के मुताबिक सिनवार इस बात पर जोर दे रहे है कि युद्धविराम समझौते के तहत उसकी जान बख्श दी जाए।

भारतीय वीजा सेंटर में हंगामा

प्रदर्शनकारियों ने लगाए भारत विरोधी नारे

ढाका, 27 अगस्त (एजेंसियां)। सोमवार को बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय वीजा केंद्र में हंगामा हो गया। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी वीजा सेंटर में घुस गए और वहां भारत विरोधी नारे लगाना शुरू कर दिया। हालांकि प्रदर्शकारियों ने कोई हिंसा या तोड़फोड़ नहीं की। बाद में पुलिस ने आकर हालात को नियंत्रित किया। ढाका स्थित भारतीय उच्चायुक्त ने इस मामले को बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय के सामने उठाया है।

पासपोर्ट लेने आए लोगों ने किया हंगामा

भारतीय उच्चायोग का कहना है कि बड़ी संख्या में लोग जबरन वीजा सेंटर में घुस आए। इस दौरान लोगों ने भारत विरोधी नारे लगाने शुरू कर दिए। इससे वीजा सेंटर में मौजूद स्टाफ घबरा गया और वह अपना काम भी नहीं कर पाए।

बांग्लादेश पुलिस का कहना है कि लोग अपना पासपोर्ट लेने आए थे। यहां पहुंचने पर उन्हें बताया गया कि अभी वीजा मिलने में थोड़ा समय लगेगा, जिसके बाद अचानक ही वहां लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। इस हंगामे के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसा के बाद से ही भारत ने वीजा ऑपरेशन घटाया

बांग्लादेश में हिंसा और शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही भारत ने बांग्लादेश में अपने वीजा सेंटर्स का काम काफी कम कर दिया है। वीजा सेंटर्स पर काफी कम स्टाफ के साथ काम किया जा रहा है। गौरतलब है कि बांग्लादेश में सबसे बड़ा वीजा ऑपरेशन भारत का ही है। बीते साल 16 लाख बांग्लादेशी लोगों ने भारत की यात्रा की थी। इनमें से 60 प्रतिशत लोग भारत घूमने आए थे। वहीं 30 प्रतिशत लोग इलाज के लिए भारत आए और 10 प्रतिशत अन्य कारणों के चलते भारत आए थे। बांग्लादेश में अराजकता का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। अंतरिम सरकार के सत्ता संभालने के बाद फिर से बांग्लादेश में हिंसा भड़क गई और रविवार को बांग्लादेश के अंसार ग्रुप के सदस्यों और छात्रों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस झड़प में कई लोग घायल हुए हैं।

भारत और चीन के वॉरशिप एक ही दिन कोलंबो पहुंचे

आईएनएस मुंबई पर 410 क्रू मेंबर्स, ड्रैगन के 3 जंगी जहाजों पर 1473 लोगों का स्टाफ

कोलंबो, 27 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक ही दिन भारत और चीन के 4 वॉरशिप पहुंचे। इसमें से भारत का एक और चीन के 3 वॉरशिप हैं। श्रीलंकाई वेबसाइट डेली मिरर के मुताबिक भारतीय वॉरशिप और चीनी वॉरशिप्स 3 दिन की यात्रा पर कोलंबो पहुंचे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना का वॉरशिप आईएनएस मुंबई पहली बार श्रीलंका पहुंचा है। श्रीलंकाई नौसेना ने इसका स्वागत किया। ये इस साल आठवीं बार है जब किसी इंडियन शिप ने श्रीलंका का दौरा किया है। चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी की नौसेना के तीन वॉरशिप हे फेई, वुझिशान और किलियानशान भी सोमवार सुबह ऑफिशियल विजिट पर कोलंबो पोर्ट पहुंचे।

आईएनएस मुंबई 163 मीटर लंबा वॉरशिप है जिस पर 410 क्रू

मेंबर्स हैं। यह जहाज डोर्नियर टोही शिप के लिए जरूरी पार्ट्स लेकर पहुंचा है। भारत ने अगस्त 2022 में श्रीलंका की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए डोर्नियर टोही शिप गिफ्ट किया था। आईएनएस मुंबई, श्रीलंकाई नौसेना के साथ कुछ आयोजन में हिस्सा लेगा। रिपोर्ट के मुताबिक वॉरशिप के क्रू मेंबर्स श्रीलंका के कुछ पर्यटन केंद्रों का भी दौरा करेंगे। 29 अगस्त को आईएनएस श्रीलंकाई जहाज के साथ 'पैसेज एक्सरसाइज' में भी भाग लेगा। आईएनएस मुंबई भारत का स्वदेशी वॉरशिप है, जिसे साल 2001 में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था। चीन के तीनों वॉरशिप श्रीलंकाई नौसेना के साथ अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हैं। इसमें सबसे बड़ा 'हे फेई' है। इसकी लंबाई 144.50 मीटर है, जिस पर 267 सदस्य क्रू मेंबर्स हैं। वॉरशिप वुझिशान 210 मीटर लंबा है, जिस पर 872 क्रू मेंबर्स हैं। वहीं, किलियानशान 210 मीटर लंबा वॉरशिप है, जिस पर 334 क्रू मेंबर्स हैं। द हिन्दू बिजनेसलाइन के मुताबिक दोनों देशों के वॉरशिप का एक ही दिन कोलंबो पोर्ट पर आना काफी अनोखा है। दरअसल भारत लंबे समय से श्रीलंकाई द्वीप पर चीनी जहाज के रुकने को लेकर चिंता जताता रहा है। पिछले साल भारत ने कहा था कि चीन अपने रिसर्च वैसल्स के जरिए भारत की जासूसी करने की कोशिश कर रहा है। इसके बाद श्रीलंका ने सितंबर 2023 में चीन के जहाजों को अपने देश में रुकने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था। हालांकि कुछ महीने पहले श्रीलंका ने ये रोक हटा दी थी। चीन के पास कई जासूसी जहाज हैं। वो भले ही कहता हो कि वो इन शिप का इस्तेमाल रिसर्च के लिए करता है, लेकिन इनमें पावरफुल मिलिट्री सर्विलांस सिस्टम होते हैं।

130 पाकिस्तानी सैनिकों को मारने का दावा

बलूच आर्मी ने 12 जगह हमले किए, इनमें से 7 फिदायीन अटैक

इस्लामाबाद, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने 130 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि, पाकिस्तानी सेना ने अब तक 14 सैनिकों के मारे जाने की बात मानी है। बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ' के तहत बूलचिस्तान में 12 अलग-अलग जगहों पर हमले किए। बीएलए ने रविवार देर रात हमले शुरू किए और पाकिस्तानी सेना के कई कैंप, पुलिस चौकियों को निशाना बनाया। उन्होंने कई हाईवे पर नाकेबंदी भी कर दी। बीएलए ने 'ऑपरेशन हेरोफ' को बलूचिस्तान पर कब्जा करने का पहला कदम बताया। बलूच ग्रुप ने इस ऑपरेशन को बलूचिस्तान की आजादी के लिए मील का पत्थर बताया है। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि यह ऑपरेशन हेरोफ का पहला फेज था। उन्होंने इसके सफल होने का दावा किया।

जीयंद ने कहा कि इस ऑपरेशन में उसके अलग-अलग दस्ते के 800 लड़ाकों ने हिस्सा लिया था।

उनके लड़ाकों ने बलूचिस्तान में मौजूद पाकिस्तानी सेना की कई चौकियों और शिविरों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी फिदायीन लड़ाकों की 'मजीद बिग्रेड' ने बलूचिस्तान में बेला शिविर पर 20 घंटे तक कब्जा रखा। यहां पर पाकिस्तानी सेना के 68 सैनिक मारे गए और दर्जनों घायल हुए।

बलूच पुलिस को पहले ही दूर रहने की दी चेतावनी

बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने स्थानीय पुलिस को पहले ही चेतावनी दे दी थी कि वह पाकिस्तानी आर्मी की मदद न करे। उन्होंने कहा कि पुलिस और लेवी (टैक्स वसूली) करने वाले 22 कर्मचारियों को अस्थायी रूप से हिरासत में लिया गया और ऑपरेशन पूरा होने पर उन्हें सही सलामत रिहा कर दिया गया।

प्रवक्ता जीयंद ने कहा कि वह पुलिस और लेवी फोर्स को बलूचों का साथी मानता है।

हालांकि, समूह ने चेतावनी दी कि पाकिस्तानी सेना की मदद करने वाले किसी भी व्यक्ति या संस्था को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। बीएलए ने कहा कि इन हमलों में उनके 7 फिदायीन ने जान गंवाई। इनमें एक महिला- महल बलूच, भी थी। बीएलए ने दो फिदायीन की तस्वीरें भी जारी कीं। बलूचिस्तान पोस्ट के मुताबिक महल फिदायीन हमले में अपनी जान देने वाली तीसरी बलूच महिला बनी। रिपोर्ट के मुताबिक पहली बलूच महिला जिलान कुर्द थी, जिसने 1996 में तुर्की सैनिकों के खिलाफ आत्मघाती हमला किया था। इसके बाद अप्रैल 2022 में शारी बलूच ने चीनी नागरिकों को निशाना बनाया था।

हाईवे पर हुई मुठभेड़ में 62 सैनिकों के मारने का दावा

बीएलए प्रवक्ता ने यह भी कहा कि उसके फतेह दस्ते ने बलूचिस्तान के कई हाईवे पर नाकेबंदी कर दी थी। इसे हटाने आए 62 पाकिस्तानी सैनिकों को उनके लड़ाकों ने मार डाला। प्रवक्ता ने कहा कि उनके ऑपरेशन हेरोफ का पहला फेज पूरा होने के बाद उन्होंने नाकेबंदी हटा दी है। बीएलए प्रवक्ता ने कहा कि वे जल्द ही हमलों के बारे में और ज्यादा जानकारी देंगे और 'ऑपरेशन हेरोफ' में मारे गए लड़ाकों की पहचान बताएंगे।

तालिबान ने महिलाओं के खुले में बोलने पर रोक लगाई

कहा-आवाज सुनकर पुरुषों का मन भटक सकता है, मर्दों को घुटनों तक शरीर ढकना होगा

काबुल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबान ने महिलाओं को लेकर नए कानून लागू कर दिए हैं। महिलाओं को सख्त हिदायत देते हुए उनके घर से बाहर बोलने पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही उन्हें सार्वजनिक जगहों पर हमेशा अपने शरीर और चेहरे को मोटे कपड़े से ढकने का आदेश दिया गया है। अंग्रेजी अखबार द गार्जियन के मुताबिक तालिबान ने इन कानूनों के पीछे की वजह देते हुए कहा है कि महिलाओं की आवाज से भी पुरुषों का मन भटक सकता है। इससे बचने के लिए महिलाओं को सार्वजनिक जगहों पर बोलने से पहरेज करना चाहिए। तालिबान के सुप्रीम लीडर मुल्ला हिबातुल्लाह अखुंदजादा ने नए कानूनों को मंजूरी दे दी है। इन कानूनों को हलाल और हराम की दो कैटेगरी में बांटा गया है। तालिबान के इस फैसले की संयुक्त राष्ट्र संघ ने कड़ी निंदा की है। साथ ही कई मानवाधिकार संगठनों ने भी इसे लेकर आपत्ति भी जताई है।

तालिबान ने महिलाओं के घर में गाने और तेज आवाज में पढ़ने से भी मना किया है। जिन महिलाओं या लड़कियों को नए कानूनों तोड़ने का दोषी पाया जाएगा, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी। तालिबान ने इस बार महिलाओं के अलावा पुरुषों पर भी कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। पुरुषों को भी घर से बाहर निकलते समय घुटनों तक अपने शरीर को ढंकना होगा। वहीं, तालिबान ने किसी भी जीवित शख्स की तस्वीर खींचने पर भी पाबंदी लगा दी है। 15 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान की सत्ता दूसरी बार तालिबान के हाथ आई। उसी दिन से महिलाओं पर प्रतिबंध बढ़ गए थे। सबसे पहले अलग-अलग सरकारी संस्थानों में काम कर रही महिलाओं से उनकी नौकरियां छीनी गई। फिर उनकी पढ़ाई पर पाबंदियां लगाई गई। अफगानिस्तान में महिलाएं सिर्फ छठी कक्षा तक ही पढ़ाई कर सकती हैं। न सिर्फ महिलाओं पर प्रतिबंध बल्कि तालिबान ने सत्ता में आने के बाद कई ऐसे कानून लागू किए हैं जो मानवाधिकारों के खिलाफ हैं। इनमें सबसे अहम सार्वजनिक जगहों पर सजा देना है। तालिबान ने इस साल जून में समलैंगिक संबंध बनाने के आरोप में 63 लोगों की कोड़े मारकर पिटाई की थी।

चीन के विमान ने जापान के हवाई क्षेत्र का किया उल्लंघन

दोनों देशों में बढ़ा तनाव

टोक्यो, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जापान ने सोमवार को आरोप लगाया कि चीन की सेना के एक सर्विलांस विमान ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। जापान का कहना है कि यह पहली बार है कि चीन के विमान ने उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के एक वाई-9 सर्विलांस विमान ने सोमवार की सुबह करीब 11.29 बजे उनके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया। चाइनीज जहाज ने नागासाकी के नजदीक दानजो द्वीप के पास जापान की हवाई सीमा में प्रवेश किया। जापानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, चाइनीज विमान करीब दो मिनट तक जापान की सीमा में रहा। जापान का आरोप है कि चीन लगातार समुद्री सीमा में उकसावे की कार्रवाई कर रहा है। ऐसे में अब ताजा घटना के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने की आशंका है। जापान का कहना है कि चीन के विमान पहले भी दक्षिण पूर्व की सीमा के आसपास चक्कर लगाते रहे हैं, लेकिन यह पहली बार है कि किसी विमान ने जापान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है।

जापान ने कहा कि उन्होंने चीनी विमान के खिलाफ किसी हथियार का प्रयोग नहीं किया। हालांकि चीन की उकसावे वाली कार्रवाई को देखते हुए जापान ने अपनी पूर्वी सीमा पर लड़ाकू विमानों की तैनाती कर दी है। जापान ने चीन के राजदूत को इसे लेकर समन भी जारी किया है और घटना पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

गोली लगने पर गाना गाने लगा अपराधी

पुलिस से बोला- मुझे मार दो, माता-पिता की हत्या करके फरार हो गया था

वाशिंगटन, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में 9 जुलाई को पुलिस एक हत्यारे को पकड़ने पहुंची थी। पुलिस के पहुंचते ही वह शख्स भागने लगा। जैसे ही पुलिस ने उस पर गोली चलाई तो वह गाना गाने लगा। शख्स का नाम जोसेफ ब्रैंडन गेर्डविल है।

जोसेफ ने अपने माता-पिता और उनके कुत्ते की हत्या कर दी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, उसने हत्या करने के बाद शवों की फोटो अपने चचेरे भाई को भेजी थी। इसके बाद वह मौके से फरार हो गया था। जोसेफ के भाई ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को घटनास्थल पर खून से लथपथ शव मिले थे। जब पुलिस अपराधी की खोज में निकली तो वह घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर गोल्फ कार्ट चलाता मिला। वो बाइक पाथ पर गोल्फ कार्ट से भागने की फिराक में था। उसने वहां भी एक मजदूर पर हमला किया था। पुलिस को देखते ही उसने उनके ऊपर फावड़े से हमला कर दिया। इसके बाद पुलिस ने उसके ऊपर फायरिंग शुरु कर दी। जैसे ही पुलिस ने उस पर फायरिंग शुरु की तो वो गाना गाने लगा। उसने पुलिस से कहा कि, मेरे सिर में एक गोली मार कर, प्लीज मुझे खत्म कर दो। पुलिस ने उस पर 5 राउंड गोलियां फायर की थी। जोसेफ गोली लगने के बाद जमीन पर गिर गया। इस दौरान वह बोला, "आई लव यू, मुझे माफ कर दो तुम्हें मरना होगा।" इसके बाद वह टीना टर्नर का 1984 का "व्हाट्स लव गॉट टू डू विद इट" और स्टीवी वंडर का "आई जस्ट कॉल्ड टू से आई लव यू " गाना गाने लगा। पुलिस ने जोसेफ को अस्पताल में भर्ती कराया है। उस पर हत्या के दो केस दर्ज किए गए हैं। पिछले महीने अमेरिका के इलिनॉय प्रांत में 6 जुलाई को एक पुलिसकर्मी ने 36 साल की एक अश्वेत महिला सोन्या मैसी को गोली मार दी थी। सीएनएन के मुताबिक, महिला ने इमरजेंसी नंबर 911 पर कॉल करके घर में किसी संदिग्ध व्यक्ति के घुसने की शिकायत की थी। इसके बाद 2 पुलिसकर्मी उसके घर पहुंचे थे। इसी दौरान उनके बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई और एक पुलिसकर्मी ने महिला पर गोली चला दी। इस मामले में पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का आरोप लगाया गया।

घाटी में चुनाव प्रचार करेंगे सीएम

पीएम मोदी के साथ बीजेपी स्टार प्रचारकों की लिस्ट में शामिल

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर में 90 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद यहां पहली बार चुनाव आयोजित होने जा रहे हैं। तीन चरणों में होने वाले इस चुनाव में बीजेपी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर रही है। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि पहले चरण में 24 सीटों, दूसरे चरण में 26 सीटों और तीसरे चरण में 40 सीटों पर मतदान होगा। 4 अक्टूबर को चुनाव के नतीजे घोषित किए जाएंगे।

सीएम भजन लाल ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर भक्तों को दिया ये बड़ा तोहफा

पहले चरण के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन 20 अगस्त को जारी किया गया था, जबकि नामांकन की आखिरी तारीख 27 अगस्त थी। पहले फेज की वोटिंग 18 सितंबर को होगी। इस चरण में प्रचार के लिए बीजेपी ने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नाम भी शामिल है।

जम्मू-कश्मीर में प्रचार करेंगे सीएम भजनलाल शर्मा

सीएम भजनलाल शर्मा ने लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान विभिन्न राज्यों में बीजेपी के लिए जोरदार प्रचार किया था। उनके प्रभावी प्रचार शैली के कारण उन्हें जम्मू और कश्मीर में भी प्रचार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बीजेपी की ओर से जारी स्टार प्रचारकों की सूची में सीएम भजनलाल शर्मा का नाम 12वें स्थान पर है।

इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान समेत कई वरिष्ठ नेताओं के नाम भी शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर के इस महत्वपूर्ण चुनाव में बीजेपी का प्रदर्शन कैसा रहेगा, यह देखना दिलचस्प होगा, लेकिन पार्टी ने पूरी तैयारी के साथ प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है।

विधानसभा उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर

बूथवार बनाएगी रणनीति

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में छह विधानसभा सीटों पर होने वाले उप चुनाव को लेकर कांग्रेस की तैयारी बैठकें मंगलवार से होंगी। बैठकें प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा विधानसभा क्षेत्र वार लेंगे। पहले दिन मंगलवार को देवली-उनियारा और खींवसर विधानसभा क्षेत्र और बुधवार को दौसा व झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के पदाधिकारियों की बैठकें होंगी।

इन बैठकों में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और संबंधित जिले के बड़े नेताओं को बुलाया गया है। इनसे संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा होगी। इसके साथ ही गत विधानसभा और लोकसभा चुनाव में संबंधित विधानसभा क्षेत्र के बूथवार आंकड़ों पर विशेष फोकस रखा जाएगा। किस बूथ पर कांग्रेस पार्टी को कितने वोट मिले। उसी के आधार पर चुनावी रणनीति तैयार की जाएगी। संगठन को लेकर भी चर्चा होगी। जहां पद खाली हैं, वहां नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा चुनाव तैयारी को लेकर अभियान चलाने पर मंथन किया जाएगा।

सलूंबर-चौरासी की बाद में होगी बैठक

राजस्थान में सलूंबर और चौरासी विधानसभा में उपचुनाव तैयारी को लेकर बैठक कुछ दिनों बाद होगी। इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों की तैयारी बैठकें प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा उदयपुर में ही लेंगे। इस बैठक को लेकर पार्टी ने अभी कार्यक्रम जारी नहीं किया है।

युवा कांग्रेस ने शुरू किया क्राउड फंडिंग अभियान

देश के कई राज्य इन दिनों बाढ़ और अतिवृष्टि की चपेट में हैं। प्रभावित लोगों को आर्थिक संबल देने के लिए युवा कांग्रेस ने क्राउड फंडिंग अभियान शुरू किया है। युवा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष और विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित लोगों को आर्थिक संबल देने के लिए क्राउड फंडिंग अभियान के जरिए घर-घर जाकर पैसा एकत्रित करेंगे, कार्यकर्ता भी इसमें अंशदान देंगे। वायनाड जाकर भी कार्यकर्ता बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद करेंगे।

17 नए जिलों को लेकर आई बड़ी खुशखबरी

रिव्यू कमेटी के अध्यक्ष ने कही बड़ी बात

ब्यावर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के नवगठित जिला रिव्यू कमेटी के प्रमुख ललित के. पंवार ने कहा कि नवगठित जिलों को लेकर आगामी 30 अगस्त को सरकार को रिपोर्ट सौंप देंगे। इन जिलों को लेकर अस्सी प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। शेष रहे काम को दो दिन में पूरा कर नियत अवधि से एक दिन पहले सरकार को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

इसमें नए जिलों के सृजन को लेकर पूरे देश में जिन मापदंडों का ध्यान रखा जाता है, उन दस मापदंडों को ध्यान में रखकर जिलेवार रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इसको लेकर जिले में जाकर जिला स्तरीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं संगठनों के पदाधिकारियों से भी जानकारी ली गई।

इसके अलावा नवगठित जिलों के संसाधनों को लेकर भी जमीनी हकीकत को जाना है।

इन सारे बिन्दुओं का समावेश करते हुए रिपोर्ट मंत्री मंडलीय उप-समिति को सौंपेंगे। पंवार जिला कलक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिला गठन को लेकर पूरे दस में से दस पैरामीटर को ध्यान में रखा जाता है।

रिपोर्ट मंत्री मंडलीय उपसमिति को सौंपी जाएगी

उन्होंने कहा कि जमीन, राजस्व व प्रशासन को लेकर वैदिक काल से लेकर अब तक का आंकलन किया गया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने विस्तृत जानकारी दी। सारे तथ्य उपलब्ध करवाए हैं। इन सारे तथ्यों को ध्यान में रखकर रिपोर्ट बनाकर मंत्री मंडलीय उपसमिति को सौंप दी जाएगी। ब्यावर के बाद मंगलवार को जोधपुर, बालोतरा, सांचोर व फलोदी जाकर फीडबैक लेंगे।

गौरतलब है कि राजस्थान सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन गत एक जुलाई को किया। इस कमेटी को 31 अगस्त तक का समय दिया गया है।

नवगठित जिलों को लेकर अस्सी प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। शेष काम एक दो दिन में पूरा कर तीस अगस्त को रिपोर्ट सौंप दी जाएगी।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र में खोला सड़कों का पिटारा

कहां और कितने होंगे खर्च

नागौर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। पीडब्ल्यूडी मंत्री मंजू बाघमार ने अपने विधानसभा क्षेत्र में सड़कों का पिटारा खोल दिया है।

जिसमें उन्होंने कई नई सड़कों का निर्माण तो कई टूटी फूटी सड़कों की मरमत को लेकर राशि जारी कर दी। ग्रामीणों ने बाघमार के नवीन सड़कें स्वीकृत का आभार जताया।

बता दें कि नोखा जोधा से जोचिणा सडक़ से बोदरी माता मंदिर तक टालनियाउ से बाघसरा, सीसी सड़क बटवाड़ी, मेघवालों की ढ़ाणी मांगलोद, हरिमा से लटियालों की ढ़ाणी, गौराऊ से सांडास, मकोड़ी, बावड़ी ताल से किशना भांभू की ढ़ाणी, बोड़वा में सीसी सड़क, सोनेली बाजार में, बोसेरी से मंगलपुरा, रातंगा से सुवादिया, जाजोलाई से जाजोलाई तालाव, सोनेली से खांवर व अजासर-जैसलसर सड़क से मेघवालों, छींपों व ईशरामों की ढ़ाणियों तक निर्माण कार्य किया जाएगा।

जोधपुर में नाबालिग से गैंगरेप

पुलिस की गिरफ्त में आए 2 आरोपी

जोधपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर में नाबालिग से गैंगरेप, पुलिस की गिरफ्त में आए 2 आरोपी पुलिस कमिश्नरेट जोधपुर में परिजन की डांट लपट से नाराज होकर बिना बताए घर से निकली एक किशोरी से दो युवकों ने महात्मा गांधी अस्पताल परिसर में सामूहिक बलात्कार किया। दोनों युवकों को हिरासत में लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) निशांत भारद्वाज ने बताया कि 15 साल की एक लड़की को घर वालों ने किसी बात पर डांट दिया था। इससे नाराज होकर वह रविवार शाम घर से बिना बताए निकल गई थी। वह रात को जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल परिसर पहुंची, जहां दोनों युवकों ने लड़की को अकेली देखा। दोनों आरोपी बहला फुसलाकर लड़की को अस्पताल परिसर के पीछे कैदी वार्ड के पास स्थित कोठरीनुमा जगह ले गए, जहां दोनों युवाओं ने बारी-बारी से किशोरी के साथ बलात्कार किया। फिर उसे छोड़ दिया। उधर, पीड़िता के घर से गायब होने का पता लगा तो पिता व अन्य परिजन ने तलाश की, लेकिन किशोरी नहीं मिली। पिता ने पुलिस को सूचना दी और बहला फुसलाकर भगा ले जाने की एफआईआर दर्ज करवाई।

पीड़िता दूसरे दिन शाम को अस्पताल परिसर के आस पास अकेले घूमते मिली। पुलिस उसे थाने ले गई और परिजन को थाने बुलाया। पुलिस ने पीड़िता से जांच व बयान लिए, तो उसने दो युवकों पर सामूहिक बलात्कार का आरोप लगाया। पुलिस ने बहला फुसलाकर ले जाने की एफआईआर में सामूहिक बलात्कार और पोक्सो की धाराएं जोड़ी। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज किए और मेडिकल करवाया। सहायक पुलिस आयुक्त को मामले की जांच सौंपी गई है। एफएसएल ने मंगलवार को वारदातस्थल की जांच की और साक्ष्य एकत्रित किए। आरोपियों की पहचान करने के बाद संभावित ठिकानों पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

दिवंगत पुलिसकर्मी के परिजनों से बेनीवाल ने की मुलाकात

बीजेपी को घेरा; बोले- दलितों को अलग नजरिए से देखते हैं

जयपुर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में धरने पर बैठे दिवंगत पुलिसकर्मी बाबूलाल बैरवा के परिजनों से सांसद हनुमान बेनीवाल ने मुलाकात की। इस दौरान बेनीवाल ने उन्हें ढांढस बंधाया और न्याय की लड़ाई में हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्थान सरकार संवेदनहीन हो चुकी है और भारतीय जनता पार्टी दलितों को अलग नजरिए से देखती है, जो ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा कि सुसाइड नोट में बाबूलाल बैरवा ने तमाम बातों को लिखा था, लेकिन सरकार ने किसी के खिलाफ कोई कड़ा एक्शन नहीं लिया जिससे यह इंगित होता है कि एक दलित पुलिस कार्मिक की मृत्यु से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। सांसद ने कहा कि स्वर्गीय बैरवा के परिजनों को न्याय दिलवाने के लिए प्रदेश का दलित और ओबीसी समाज राजधानी की सड़क पर बैठा है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है।

उन्होंने कहा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी न्याय की लड़ाई में आंदोलित परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा पर भी हमला बोलते हुए कहा कि जिस दिवंगत पुलिस कार्मिक ने न्याय की उम्मीद में जिनका नाम लिखा वो लोग भी आज खामोश बैठे है।

जल्द होगी आत्महत्या प्रकरण की सीबीआई जांच

बता दें कि हेड कांस्टेबल बाबूलाल बैरवा आत्महत्या प्रकरण की जल्द सीबीआई जांच होगी। पुलिस मुख्यालय ने गृह विभाग को सीबीआई जांच की पत्रावली भेजी है। गौरतलब है कि मृतक ने अपने सुसाइड नोट में सीबीआई जांच करवाने की बात लिखी थी। ऐसे में अपने महकमे से जुड़े व्यक्ति की राजस्थान पुलिस अंतिम इच्छा को पूरा कर रही है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक मृतक के परिजन और प्रदर्शनकारी सीबीआई जांच से मुकरे हैं। इधर, परिजन मृतक के मोबाइल का पासवर्ड भी नहीं बता रहे हैं।

ये मिलेंगे फायदे

बाबूलाल बैरवा प्रकरण के अनुसंधान के लिए एक एसआईटी टीम जो दिनेश एम. एन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) के नेतृत्व में गठित की जायेगी। वहीं, पुलिस विभाग की तरफ से स्वैच्छिक आर्थिक सहयोग की प्रक्रिया आज ही शुरू कर दी जायेगी एवं एक महीने के अन्दर पूर्ण कर ली जायेगी। इसके साथ ही बाबूलाल बैरवा के सेवा परिलाभ जो लगभग 55 लाख रूपये है एवं पेंशन आदि की सेवा तुरंत शुरू करवायी जायेगी। वहीं बाबूलाल बैरवा के पुत्र तनुज गोठवाल को शीघ्रताशीघ्र अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जायेगी, साथ ही बाबूलाल बैरवा की पुत्री को जयपुर में ही संविदा पर शीघ्र ही नियुक्ति प्रदान की जायेगी। बाबूलाल बैरवा की पुत्री साक्षी गोठवाल (23) को पुलिस परिवार के द्वारा गोद लिया जायेगा। इनकी शिक्षा से लेकर विवाह तक की जिम्मेदारी पुलिस विभाग द्वारा वहन की जावेगी।

अतिक्रमण की शिकायत पर पहुंची पुलिस

महिलाओं ने फाड़ी कांस्टेबल की वर्दी

चुरू, 27 अगस्त (एजेंसियां)। निकटवर्ती गांव गुलपुरा में सरपंच की शिकायत पर अतिक्रमण हटवाने गई पुलिस के साथ एक परिवार के लोगों ने हाथापाई की। इस दौरान एक पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ने की बात भी सामने आई है। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ एकत्र हो गई। गांव के अन्य लोगों ने आरोपियों को समझाया भी, लेकिन कोई असर नहीं हुआ है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी सहित तीन महिलाओं को हिरासत में लिया है। आईपीएस अधिकारी प्रशांत किरण ने बताया कि ग्राम पंचायत गुलपुरा के सरपंच की शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा पांच दर्जन से अधिक ग्रामीण आरोपियों के विरोध में खड़े थे। निर्माण कार्य में बाधा पहुंचाने और अतिक्रमण की शिकायत पर आरोपियों को समझाने का भी प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने पुलिस के साथ हाथापाई करने का प्रयास किया।

शांति भंग के आशंका को देखते हुए पुलिस ने चेतावनी भी दी। लेकिन फिर भी एक परिवार के लोग मारपीट पर उतारू हो गए। जिस पर पुलिस ने एक आरोपी को पकड़ कर हिरासत में लेने का प्रयास किया तो आरोपी के परिवार जनों तथा महिलाओं ने पुलिस दल के साथ धक्का मुक्की करने लगे तथा एक कांस्टेबल की वर्दी को पकड़कर फाड़ने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने गांव में चल रहे खुर्रा निर्माण कार्य को रोक कर निर्माण कार्य को तोड़ दिया।

उन्होंने गांव के चौक में अतिक्रमण कर रखा था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव के सार्वजनिक चौक में कूड़ा कचरा डालकर भी अतिक्रमण किया हुआ है।

ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत की ओर से खुर्रा निर्माण कार्य चल रहा था। जिसको आरोपियों ने तोड़ दिया तथा इसी शिकायत पर कार्रवाई के दौरान उक्त घटना हुई अनेक ग्रामीणों ने कहा कि काफी वर्षो से अतिक्रमण के कारण समूचा गांव परेशान था तथा समस्या समाधान में सहयोग नहीं किया जा रहा था।

शादी का झांसा देकर लड़की के माता-पिता ने हड़पे 30 लाख

पुलिस ने दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार

नागौर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। मकराना तहसील के ग्राम डांबड़ी सांबलदास के व्यक्ति को अपने पुत्र की शादी करवाने का झांसा देकर एक शातिर महिला व आदतन अपराधी उसके पति ने 30 लाख रुपए सहित पशु धन व मोबाइल हड़प कर शादी के लिए मना कर दिया। जिस पर पीड़ित हनुमान बिसू ने 14 अप्रैल को गच्छीपुरा पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया।

जिस पर गच्छीपुरा पुलिस ने अनुसंधान कर जिला डीडवाना कुचामन एसपी राजेंद्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार, वैभव शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक परबतसर, मकराना डिप्टी भवानी सिंह व थानाधिकारी गिरिराज कुमार के नेतृत्व में गच्छीपुरा पुलिस ने रात के अंधेरे में पहाड़ों के बीच रहवासी ढाणी से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गच्छीपुरा थानाधिकारी गिरिराज कुमार ने बताया कि पीड़ित हनुमान बीसू ने रिपोर्ट देकर बताया कि लड़के के शादी के लिए लड़की की तलाश में परिचित ने रूपनगढ़ थाने क्षेत्र के नटुटी गांव में देवकरण पुत्र दुर्गाराम जाट की लड़की देखने गए, जहां लड़का पसंद आने पर सगाई 2020 में पक्की कर दी। थोड़े ही दिनों बाद लड़की की माता मंजू देवी ने शादी से पहले मकान का काम पूरा करवाने व शादी में आभूषण बनवाने के लिए उधार रूपयों की मांग की, जिस पर पीड़ित ने रुपए दे दिए।

वहीं पीड़ित को लगातार फोन कर कभी रोकड़ी रुपए तो कभी पशुधन और मोबाइल भी झांसे में लेकर मंगवा लिए। 2024 में अप्रैल माह में शादी पक्की करने की बात पर पीड़ित ने शादी के लिए कार्ड छपवाकर मकान के रंग रोशन कर पूरी तैयारी कर ली थी।

गर्लफ्रेंड के साथ भारत में घुसना चाहता था पाकिस्तानी प्रेमी

प्रेमिका ने किया इनकार तो पार किया बॉर्डर

बाड़मेर, 27 अगस्त (एजेंसियां)। बाड़मेर के बाखासर थाना क्षेत्र में भारत-पाक सीमा पर तारबंदी पार कर भारत में घुसे घुसपैठिए से दूसरे दिन सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त पूछताछ हुई। पूछताछ में कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। ऐसे में फिर से भारतीय सुरक्षा एजेंसियां मंगलवार को फिर संयुक्त पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया कि भारत-पाक बॉर्डर पर बाखासर थाना क्षेत्र के बरनाल व नवातला के बीच शनिवार रात करीब 12 बजे तारबंदी पार कर जगसी (20) पुत्र परसु कोली निवासी हाकली, खारोड़ी, थारपारकर भारत पहुंच गया था। ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने पकड़ लिया था। इसके बाद बीएसएफ व अन्य भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही थी। पुलिस ने आरोपी जगसी को गिरफ्तार किया है। अब तक पूछताछ में सामने आया है कि मामला बाड़मेर बॉर्डर से महज 3 किलोमीटर दूर पाकिस्तान के अकली गांव का है। जहां ये युवक अपनी प्रेमिका के घर में घुसा और उसे अपने साथ भारत भाग जाने की बात कहने लगा। इस दौरान जब प्रेमिका ने इनकार कर दिया तो युवक ने लड़की के ही दुपट्टे को पेड़ की टहनी पर बांधा और खुद को फांसी लगाने की धमकी दी। इस दौरान टहनी टूट गई और युवक नीचे गिर गया। इस बीच लड़की के परिजन भी पहुंच गए। उन्होंने युवक की पिटाई करना शुरू कर दिया।

8 लाख की रिश्वत लेते एसएचओ गिरफ्तार

सरकार ने एसपी को किया निलंबित

प्रतापगढ़, 27 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के प्रतापगढ़ में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने अरनोद थाना अधिकारी और एक दलाल को आठ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। इस मामले में राजस्थान सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है।

सरकार ने प्रतापगढ़ के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण दास को निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक पर लापरवाही बरतने के आरोप के संबंध में सरकार ने यह आदेश जारी किए है।

आठ लाख रुपए की राशि एक व्यक्ति को एनडीपीएस के प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में मांगने का आरोप लगा था। ब्यूरो के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रमसिंह परमार ने बताया था कि निकटवर्ती मध्यप्रदेश के रतलाम जिले के पीपलोदा के एक व्यक्ति ने ब्यूरो कार्यालय में शिकायत दी कि अरनोद थाना प्रभारी सुरेंद्र सोलंकी और दलाल कांतिलाल प्रजापत उर्फ गुड्डू एनडीपीएस के प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में आठ लाख रुपए की मांग कर रहे हैं।

जिसके बाद ब्यूरो की ओर से शिकायत का सत्यापन करवाया गया। रिश्वत की यह राशि थाने में दलाल के मार्फत मांगी जा रही थी। इस पर ब्यूरो कार्यालय ने अरनोद थाने में पहुंचकर कार्रवाई की। यह कार्रवाई कल देर शाम तक जारी रही। उन्होंने बताया था कि इसमें और भी कई खुलासे हो सकते हैं।

हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल की पीओएसएच शिक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी सिक्योरिटी काउंसिल (एचसीएससी) ने कार्यस्थलों और समुदायों में यौन उत्पीड़न को संबोधित करने के उद्देश्य से कार्यशालाओं की एक श्रृंखला शुरू की है। उद्घाटन सत्र यौन उत्पीड़न रोकथाम (पीओएसएच) अधिनियम, 2013 के बारे में विभिन्न संगठनों के आंतरिक समिति के सदस्यों को शिक्षित करने पर केंद्रित है। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य अधिनियम के बारे में ज्ञान की खाई को पाटना और संगठनों को इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन 27 अगस्त को एफटीसीसीआई, सुराना हॉल, रेड हिल्स में किया गया। इस कार्यक्रम में शिखा गोयल, महिला सुरक्षा महानिदेशक, के. श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर और अध्यक्ष एचसीएससी वाकाटी करुणा, तेलंगाना सरकार की सचिव और महिला एवं बाल विकास आयुक्त, सी शेखर रेड्डी, महासचिव, एचसीएससी दारा कविता, डीसीपी, साइबर अपराध/महिला सुरक्षा और संयोजक, महिला फोरम, और गीता गोटी, संयुक्त सचिव, महिला फोरम, एचसीएससी, प्रशांत कुमार, संयुक्त सचिव, सीएसआर फोरम और प्रसन्ना, एसीपी, महिला सुरक्षा के साथ-साथ अन्य प्रतिष्ठित पैनलिस्ट ने भाग लिया। पीओएसएच अधिनियम, जो सभी संगठनों में आंतरिक समितियों के गठन को अनिवार्य करता है, कर्मचारियों, विशेष रूप से महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। हालांकि, इस कानूनी अनिवार्यता के बावजूद, कंपनियों के बीच अधिनियम के प्रावधानों के बारे में अधिक जागरूकता और समझ की अभी भी आवश्यकता है। कार्यशाला श्रृंखला व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करके इन अंतरालों को दूर करने के लिए डिजाइन की गई है जिसमें कानूनी पहलू, अपराधियों के व्यवहार में मनोवैज्ञानिक अंतर्दृष्टि और पीड़ितों द्वारा सामना की जाने वाली कमजोरियों की बेहतर समझ शामिल है। इस पहले सत्र में, कॉर्पोरेट संगठनों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है, जबकि निजी क्षेत्र से प्रतिक्रिया बहुत बढ़िया रही है, सरकारी विभागों के भीतर जागरूकता का एक महत्वपूर्ण अंतर बना हुआ है, जो इन मुद्दों से निपटने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस कार्यक्रम में महिला सुरक्षा महानिदेशक शिखा गोयल, आईपीएस की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई, जो साहस पोर्टल और शी टीम जैसी पहलों के पीछे एक प्रेरक शक्ति रही हैं। इस कार्यशाला के आयोजन और यह सुनिश्चित करने में उनके समर्थन और मार्गदर्शन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है कि यह चिंता के प्रमुख क्षेत्रों को संबोधित करे। के. श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद शहर, अध्यक्ष, एचसीएससी ने भी हाल ही में कार्यस्थल की घटनाओं के मद्देनजर इस तरह की पहलों के महत्व को पहचानते हुए अपना पूरा समर्थन दिया। इसके अतिरिक्त, कार्यशाला को महिला और बाल कल्याण विभाग से मजबूत समर्थन मिला, जिसमें वाकाटी करुणा तेलंगाना सरकार की सचिव और महिला और बाल विकास आयुक्त, मुख्य अतिथि के रूप में सेवारत थीं। विभाग देश भर में पीओएसएच अधिनियम के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण रहा है और समझ और अनुपालन में अंतराल को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस पहल के हिस्से के रूप में, एचसीएससी ने पीओएसएच विषय पर 10 लघु वीडियो भी लॉन्च किए हैं। ये वीडियो, जिनमें से प्रत्येक लगभग एक मिनट लंबा है, जागरूकता बढ़ाने के लिए शक्तिशाली उपकरण के रूप में डिज़ाइन किए गए हैं। वीडियो को सिनेमाघरों सहित सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे असंगठित क्षेत्र की महिलाओं सहित व्यापक दर्शकों तक पहुंचें। कार्यशाला का उद्देश्य सार्थक चर्चा और ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है, जिससे संगठनों और उनके कर्मचारियों को यह समझने में मदद मिले कि यौन उत्पीड़न के मामलों को कैसे संभालना है और निवारक उपाय कैसे करने हैं। तेलंगाना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री फेडरेशन ने इस पहल का उदारतापूर्वक समर्थन किया है, जिसके लिए जगह उपलब्ध कराई

एससीआर के 11 कर्मचारियों को 'महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी' सुरक्षा पुरस्कार

महाप्रबंधक ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा की समीक्षा की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में आयोजित सुरक्षा समीक्षा बैठक के दौरान कर्तव्य के प्रति सतर्कता और समर्पण दिखाने के लिए 11 कर्मचारियों को महीने का सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी भाग लिया। सभी छह डिवीजनों यानी सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए समीक्षा बैठक में शामिल हुए। अरुण कुमार जैन ने सतर्कता दिखाने और असुरक्षित स्थितियों को रोकने के लिए समय पर कार्रवाई करने के लिए 11 कर्मचारियों (सिकंदराबाद डिवीजन- 02, हैदराबाद डिवीजन- 01, विजयवाड़ा डिवीजन- 03, गुंटकल डिवीजन- 04 और गुंटूर डिवीजन- 01) को महीने का कर्मचारी सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए। कर्मचारी लोको पायलट, स्टेशन मास्टर, तकनीशियन, पॉइंट्स मैन और ट्रैक मेंटेनर जैसी विभिन्न श्रेणियों के थे। महाप्रबंधक ने पुरस्कार विजेताओं को उनकी ईमानदारी और कर्तव्यों के निर्वहन के प्रति प्रतिबद्धता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ये पुरस्कार अन्य कर्मचारियों को अधिक सतर्क रहने और सुरक्षा के रखरखाव के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेंगे। श्री जैन ने जोन में ट्रेन परिचालन की सुरक्षा पर विस्तृत समीक्षा की।

उन्होंने जोन में चलाए जा रहे विभिन्न सुरक्षा अभियानों की स्थिति की समीक्षा की उन्होंने दोहराया कि पर्यवेक्षकों को नियमित रूप से लोको पायलटों और सहायक लोको पायलटों के साथ परामर्श सत्र आयोजित करना चाहिए और उन्हें हर समय सुरक्षा प्रक्रियाओं का अनुपालन सुनिश्चित करने की सलाह देनी चाहिए, जबकि किसी भी शॉर्टकट तरीकों का उपयोग करने से सख्ती से बचना चाहिए। बाद में, आरएलडीए (रेल भूमि विकास प्राधिकरण) के अधिकारियों ने एससीआर पर निष्पादित विभिन्न रेल विकास परियोजनाओं की स्थिति पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

तेलंगाना में बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी

आईएमडी का येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) हैदराबाद ने तेलंगाना में अगले पांच दिनों में भारी बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी देते हुए येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 1 सितंबर तक प्रभावी अलर्ट में राज्य भर के कई जिलों में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने की आशंका है। अगले तीन दिनों के लिए भारी बारिश का संकेत देते हुए येलो अलर्ट जारी किया गया है। तथा 31 अगस्त और 1 सितंबर को राज्य में कई स्थानों पर बहुत भारी बारिश का संकेत देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 28 अगस्त को वारंगल, हनमकोंडा और जंगाओं जिलों में आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे) चलने की संभावना के साथ येलो अलर्ट लागू है। 29 अगस्त को येलो अलर्ट जारी रहेगा, जो आदिलाबाद, मंचेरियल और करीमनगर सहित अन्य जिलों तक फैल जाएगा, जहां अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चल सकती हैं। 30 अगस्त को आदिलाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोत्तागुडेम, खम्मम, महबूबाबाद और वारंगल में अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 31 अगस्त को ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, आदिलाबाद, कुमुरम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम और महबूबाबाद में बहुत भारी बारिश की संभावना है। जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, नलगोंडा, सूर्यापेट, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट और यदाद्री भुवनगिरी में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी है। 1 सितंबर को जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्रि कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों में बहुत भारी बारिश के साथ ऑरेंज अलर्ट है।

श्री बालाजी मसाला एजेंसी का भव्य शुभारम्भ आज

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बेगम बाजार लक्ष्मी बालाजी कॉमप्लेक्स स्थित श्री बालाजी मसाला एजेंसी का भव्य शुभारम्भ मुख्य अतिथि मास्टर चेफ इंडिया फेम कौशल्या चौधरी के करकमलों द्वारा बुधवार 28 अगस्त मध्याह्न 1.15 बजे भव्य रूप से किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोजक प्रेमसुख सांगवा, बुधाराम जाट ने संयुक्त रूप से बताया कि भाग्यनगर की पावन भूमि दक्षिण में पहली बार सीधी मारवाड़ी के मसाला प्रोडक्टस् शोरूम का भव्य शुभारम्भ किया जाएगा। जिसमें बत्तौर मुख्यअतिथि मास्टर चेफ इंडिया फेम कौशल्या चौधरी व सम्मानित अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम स्थल पर सीधी मारवाड़ी मसाला प्रोडक्टस् में विभिन्न प्रकार के मारवाड़ के मशहूर, प्रकृति से जुड़े उच्च क्वालिटी के मसाले, कच्ची घाणी तेल, सुखी हुई मारवाड़ी सब्जीयां सम्मानित ग्राहकों के लिए उचित दामों पर उपलब्ध कराया जाएगा। आयोजक चेनाराम प्रजापत ने सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों व आमंत्रित सम्मानित ग्राहकों से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में समय पर पधारकर सहयोग करें।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव के पावन अवसर पर भजन प्रस्तुत करते हुए भैराराम, भुराराम सैंणचा, मध्य रात्रि पूजा-अर्चना, झुला-झुलाना, महाआरती व प्रसाद वितरण कार्यक्रम में उपस्थित समाज बन्धु।

जाट समाज का जन्माष्टमी महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वनस्थलीपुरम अलमासगुडा स्थित जाट समाज ट्रस्ट मंदिर हॉल में जन्माष्टमी महोत्सव के पावन अवसर पर समाज बन्धुओं के सानिध्य में सोमवार 26 अगस्त को पुजा-अर्चना, जागरण कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

अध्यक्ष दूदाराम बाबल ने बताया कि हर वर्ष की भांति जन्माष्टमी महोत्सव आयोजित किया गया। सोमवार 26 अगस्त सायं 5 बजे ठाकुरजी का भव्य दरबार फूलों व लाईटिंग से सजाकर, रात्रि 8.15 बजे से पधारे भक्तों व समाज बन्धुओं के लिए भोजन-प्रसादी व रात्रि 9.15 बजे से जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें विनोद गिरी, संजु राव पाली ने भजनों के पुष्प अर्पित किये, जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। कार्यक्रम में पधारे सम्मानित अतिथि भजन गायकार गजेन्द्र राव जोधपुर का विशेष सम्मान किया गया।

रात्रि 12 बजे कृष्ण जन्मोत्सव, झुला-झुलाना, प्रसाद वितरण व आरती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में आगामी कार्यकाल के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष दूदाराम बाबल, संरक्षक सोहनलाल बांगड़ा, सचिव बाबुलाल पूनिया, कोषाध्यक्ष लिखमाराम खोखर, उपाध्यक्ष कैलाश सारण, सुखाराम चांगल, बक्साराम खुड़खुड़िया, धर्माराम रियाड़, सहसचिव गोविन्द सांगुण, धन्नाराम जाखड़, सहकोषाध्यक्ष दौलाराम कड़वा, खेल मंत्री गोविन्द खदाव, शिक्षा मंत्री हनुमान छिणंग, प्रचार मंत्री सोहनलाल धायल, सलाहकारों, एरिया मेम्बरों व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा।

आईजी गौशाला में मनी जन्माष्टमी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जन्माष्टमी पर आईजी गौशाला बालाजी नगर में सभी गौभक्तों ने श्रीकृष्ण का जन्मदिन मनाया। पंडित गोविंद शर्मा व मंगलाराम द्वारा श्रंगार एवं 56 भोग लगाया गया। अचलाराम हाम्बड़ व मोहनलाल भायल, अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपुरा, सह सचिव ढगलाराम सेपटा कोषाध्यक्ष नारायण परिहार, भगाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, भंवरलाल मुलेवा, बाबूलाल मुलेवा, मोहनलाल हाम्बड़, हिरालाल चोयल, चेनाराम परिहार, पारसमल शर्मा, किशनलाल पंवार, बाबूलाल मुलेवा, रतनलाल सानपरा, गोपाराम मुलेवा, मांगीलाल परिहार, नारायण लाल गहलोत, ताराराम सुथरा, लादुराम सीरवी, ओमप्रकाश परिहार, ओमप्रकाश काग, मोतीलाल राठौड़ आदि ने भजनों का लाभ लिया।

श्री श्याम मंदिर सेवा समिति द्वारा काचीगुडा स्थित श्री श्याम मंदिर में आयोजित श्री जन्माष्टमी महोत्सव के तहत सजाया गया श्याम बाबा का अलौकिक दरबार। अवसर पर भजन प्रस्तुत करते गायक। साथ में समिति के अध्यक्ष चन्द्रकांत डाकोतिया, मंत्री इन्द्रकरण अग्रवाल, उपाध्यक्ष रामदेव अग्रवाल, राजकुमार विग, प्रहलादराय टिबडेवाल, सुरेश अग्रवाल, अशोक डाकोतिया, पुरुषोत्तम गोयल, राजेश कुमार अग्रवाल व अन्य।

केसरियां कंवरजी मंदिर का दसवां प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। नेरेडमेट स्थित जे.जे.नगर के केसरियां कंवर मंदिर का भव्य दसवां प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के दो दिवसीय कार्यक्रम में सोमवार 26 अगस्त जागरण व मंगलवार 27 अगस्त प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर, अभिषेक व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्य रूप से आयोजित किया गया।

प्रेस विज्ञप्ति में पुजारी पारसमल प्रजापति ने बताया कि हर वर्ष की भांति जे.जे.नगर स्थित श्री केसारिया कंवर के मंदिर का दसवां प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया। दो दिवसीय कार्यक्रम के तहत 26 अगस्त को प्रात: वेला में मंदिर को भव्य रूप से लाइटिंग व फूलों से सजाकर केसरिया कंवरजी का श्रृंगारकर रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। जिसमे चेतननाथ, अमराराम, सोनाराम एंड पार्टी ने श्री केसरियां कंवरजी के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका भक्तों ने देर रात तक नाचते-गाते हुए लाभ लिया।

27 अगस्त को प्रात: 4.15 बजे अभिषेक, पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर व महाआरती का कार्यक्रम भक्तों के सानिध्य में आयोजित किया गया।

हजारों की संख्या में पधारे भक्तों ने गोगा नवमी के पावन अवसर पर सपरिवार पधारकर श्री केसरियां कंवरजी के चरणों में श्रीफल व प्रसाद सामग्री भेंटकर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। प्रात: 11 बजे महिला मंडल द्वारा केसारियां कंवर मंदिर प्रांगण में नाचते-गाते हुए भजन प्रस्तुत किये।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना तथा बिहार महिला एसोसिएशन द्वारा दुर्गा माता मंदिर इंदिरा नेहरू नगर के प्रांगण में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। बच्चों द्वारा भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप तथा गोपियों के स्वरूप की विभिन्न प्रकार की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई तथा बिहार महिला संगठन की महिला सदस्यों द्वारा डांडिया नृत्य की प्रस्तुति की गई। मध्य रात्रि के 12:00 बजे भगवान श्री कृष्ण के प्राकट्य समय के बाद उनकी पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण के साथ इस उत्सव का समापन हुआ। स्वागत समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव और महिला एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिता भगत ने अतिथियों का स्वागत किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

कोलकाता रेप...

19 पॉइंट्स पर बैरिकेंडिंग और 21 पॉइंट्स पर डीसीपी तैनात किए गए हैं। हावड़ा ब्रिज बंद कर दिया है। निगरानी के लिए ड्रोन की मदद ली जा रही है।

राज्य सचिवालय नबन्ना के पास बीएनएस की धारा 163 (सीआरपीसी की धारा 144) लगा दी गई है। यहां एक साथ 5 से ज्यादा लोग नहीं जुटेंगे। इसके अलावा यहां क्रेन के जरिए भारी कंटेनर भी सड़कों पर रखे गए हैं, ताकि प्रदर्शनकारी आगे न बढ़ पाएं।

केजरीवाल की...

साथ ही जमानत के लिए लोअर कोर्ट जाने को कहा था। 23 अगस्त को सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और आप विधायक दुर्गेश पाठक पर केस चलाने की मंजूरी मिल गई है। सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इस पर भी आज सुनवाई होगी।

पंजाब में बढ़ी ...

कमेटी के कानूनी सलाहकार अमनबीर सिंह सियाली द्वारा भेजे गए नोटिस में कंगना रनोट समेत फिल्म के निर्माताओं से सार्वजनिक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जारी ट्रेलर को हटाने और सिख समुदाय से लिखित माफी मांगने को कहा गया है।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर का कहना है, मैं शंभू बॉर्डर से बोल रहा हूं। भाजपा पार्टी ने नेशनल लेवल पर कंगना रनोट के बयान पर किनारा कर लिया है। लेकिन, कंगना रनोट भाजपा की एमपी है, उस पर अनुशासनिक कार्रवाई होनी चाहिए। अगर भाजपा ये मानती है कि ये बयान उचित नहीं है, गलत दिया गया बयान है। तो उन्हें कंगना रनोट पर अनुशासनिक कार्रवाई करनी चाहिए। उन्हें बोलना चाहिए कि कंगना रनोट इस बयान पर खुद माफी मांगे और कंगना रनोट को खुद माफी मांगनी चाहिए।

पंजाब के 45 हजार...

इसी कंपनी के काम करने के आइडिया के तहत उसने 1980 में पर्ल्स गोल्ड्न फॉरेस्ट (पीजीएफ) नाम की कंपनी बनाई। यह कंपनी भी गोल्डन फॉरेस्ट इंडिया लिमिटेड की तर्ज पर लोगों से सागौन जैसे पेड़ों के प्लांटेशन पर इन्वेस्टमेंट करा कुछ वक्त बाद अच्छा मुनाफा लौटाने का वादा करती थी। 1996 तक कंपनी ने करोड़ों रुपये जुटा लिए। इनकम टैक्स और दूसरी जांच के चलते कंपनी को बंद कर दिया गया।

सरकार लगा सकती...

इनमें दर्द निवारक, बुखार और सूजन के लिए मेफेनमिक एसिड और पैरासिटामोल इंजेक्शन और पेट दर्द के इलाज के लिए ओमेप्राजोल मैग्नीशियम और डाइसाइक्लोमाइन एचसीआई शामिल हैं।

यह 2016 में 344 एफडीसी पर प्रतिबंध लगाने के बाद से दूसरी सबसे बड़ी कार्रवाई है। सरकार ने दवा तकनीकी सलाहकार बोर्ड (डीटीएबी) और सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद यह निर्णय लिया। बताया जा रहा है कि अभी लगभग 16 और एफडीसी पर नजर है और जल्द ही इन पर भी प्रतिबंध लगने की संभावना है।

राज्यसभा उपचुनाव...

रवनीत सिंह के खिलाफ मैदान में कांग्रेस की तरफ से कोई उम्मीदवार नहीं उतारा गया था।

एनडीए के पास राज्यसभा में अभी 101 सीटें थीं। इन पांच सीटों पर जीत के बाद संख्या बढ़कर 106 हो गई है। इनमें भाजपा के पास 91 और सहयोगी दलों के पास 15 सीटें हैं। वहीं इंडिया गुट के पास 87 और बाकी के दलों के पास 28 सीटें हैं। राज्यसभा में सांसदों की कुल संख्या 245 है। फिलहाल राज्यसभा में 230 सांसद हैं, जबकि 15 सीटें खाली हैं। इनमें जम्मू-कश्मीर की 4 और नामित सदस्यों की 4 सीटें हैं। 5 सीटों पर निर्विरोध सांसद चुने जाने के बाद अब 3 सितंबर को 7 सीटों पर उपचुनाव होंगे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024

टीम इंडिया का ऐलान, 15 खिलाड़ियों पर वर्ल्ड चैंपियन बनाने का दारोमदार

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है. 15 सदस्यीय टीम की कमान हरमनप्रीत कौर के हाथ में है. हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना टीम की दूसरी अनुभवी खिलाड़ी है. टीम में श्रेयांका पाटिल और विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को भी जगह मिली है, जो फिलहाल अपनी इंजरी से उबर नहीं मानना है. ये दोनों खिलाड़ी टूर्नामेंट शुरू होने तक फिट हो जाते हैं तो टीम में बने रहेंगे, नहीं तो इन्हें रिप्लेस किया जा सकता है. सेलेक्शन कमेटी ने 3 खिलाड़ियों को रिजर्व के तौर पर रखा है.

ओपनिंग से मिडिल ऑर्डर तक इन खिलाड़ियों पर दारोमदार

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया की ओपनिंग की जिम्मेदारी स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा के हाथों में होगी. इनके अलावा मिडिल ऑर्डर में जेमिमा रोड्रिगेज, कप्तान हरमनप्रीत कौर और अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा टीम की कमान संभालती दिखेंगी. इनके अलावा मिडिल ऑर्डर में यास्तिका भाटिया और डी. हेमलता में से किसी एक की जगह भी प्लेइंग इलेवन में बनती दिखेगी.

ऋचा घोष टीम की फर्स्ट चॉइश विकेटकीपर रहने वाली है, जिनमें मैच को फीनिश करने की गजब की क्षमता है. ऋचा लंबे-लंबे शॉट्स लगाने में माहिर हैं. टीम के पेस अटैक की कमान जहां रेणुका ठाकुर और पूजा वस्त्राकर के हाथों में होगी वहीं स्पिन डिपार्टमेंट का जिम्मा श्रेयांका पाटिल, आशा शोभना और राधा यादव संभालती दिखेंगी.

टी20 वर्ल्ड कप में भारत का शेड्यूल

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 का आयोजन 3अक्टूबर में यूएई में होना है, जिसमें भारतीय टीम अपने अभियान का आगाज 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी. वहीं 6 अक्टूबर को उसे हाई-वोल्टेज मुकाबले में पाकिस्तान से भिड़ना है, जो कि टूर्नामेंट में उसका दूसरा मैच होगा. भारतीय टीम 9 अक्टूबर को श्रीलंका और 13 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी. 17 और 18 अक्टूबर को महिला T20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे. जबकि, 20 अक्टूबर को फाइनल होगा.

महिला टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया के 15 खिलाड़ी:

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, डी. हेमलता, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिगेज, ऋचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, रेणुका ठाकुर, आशा शोभना, ए. रेड्डी, राधा यादव, श्रेयांका पाटिल, एस. सजीवन.

रिजर्व प्लेयर: तनुजा कंवर,उमा क्षेत्री, सायमा ठाकोर.

बीसीसीआई छोड़ने से पहले जय शाह का बड़ा ऐलान

भारतीय क्रिकेटरों पर होगी पैसों की बारिश

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह जल्द ही इस पद को छोड़ सकते हैं. खबरें है कि बीसीसीआई के कर्ता-धर्ता जय शाह अब विश्व क्रिकेट के बॉस बनने वाले हैं. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के मौजूदा चेयरमैन ग्रेग बार्कले का कार्यकाल खत्म हो रहा है और जय शाह का उनकी जगह लेना लगभग तय है. अब इसका फैसला कब होगा, ये तो आने वाले दिनों में साफ हो जाएगा लेकिन जाने से पहले जय शाह ने भारतीय क्रिकेटरों की झोली में और ज्यादा पैसे का इंतजाम कर दिया है. बीसीसीआई सचिव ने घरेलू क्रिकेट में इनाम का ऐलान किया है, जिसका फायदा महिला क्रिकेटरों से लेकर जूनियर और सीनियर मेंस क्रिकेटरों तक को भी मिलेगा.

अब अवॉर्ड के साथ मिलेगा पैसा

बीसीसीआई के सचिव शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए बोर्ड के नए फैसले की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि बोर्ड की ओर से अब घरेलू क्रिकेट में महिलाओं के सभी टूर्नामेंट और जूनियर क्रिकेट के सभी टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ियों को इनाम में पैसा भी दिया जाएगा. इतना ही नहीं, सीनियर मेंस क्रिकेट के दो सबसे अहम टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में भी ऐसे अवॉर्ड के साथ प्राइज मनी दी जाएगी. रणजी ट्रॉफी में पहले से ही प्राइज मनी दी जाती रही है.

जय शाह के इस फैसले से घरेलू क्रिकेटरों की कमाई में कुछ इजाफा जरूर होगा और ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में और भी सुधार की प्रेरणा मिलेगी. बीसीसीआई सचिव ने इस फैसले की वजह भी बताई. उन्होंने बताया कि इस फैसले से बोर्ड घरेलू क्रिकेटरों के अच्छे प्रदर्शन को पहचान और इनाम देना चाहता है. उन्होंने इस फैसले को पास करने के लिए बीसीसीआई की एपेक्स काउंसिल का भी धन्यवाद दिया और देश के क्रिकेटरों के लिए अच्छा माहौल बनाने के प्रयास को जारी रखने की बात भी कही.

बीसीसीआई ने बढ़ाई खिलाड़ियों की कमाई

पिछले 3-4 साल में बीसीसीआई ने पुरुष टीम के साथ ही महिला क्रिकेट और घरेलू क्रिकेट में भी खिलाड़ियों की कमाई को बढ़ाने का काम किया है. इस साल की शुरुआत में ही बोर्ड ने टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए ज्यादा से ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस में इजाफे का ऐलान किया था. वहीं दो साल पहले बोर्ड ने तीनों फॉर्मेट के इंटरनेशनल मुकाबलों में महिला खिलाड़ियों की मैच फीस को भी पुरुष खिलाड़ियों के बराबर करने का ऐलान किया था. इससे पहले बोर्ड ने रणजी ट्रॉफी खेलने वाले खिलाड़ियों की मैच फीस भी लगभग दोगुनी कर दी थी.

18 छक्के, 20 गेंदों में कोहराम, जिसे होटल में छोड़ आई थी टीम

उसी बल्ले से तबाही देख आंखें फटी रह गई

नई दिल्ली, 27 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली प्रीमियर लीग में सिर्फ 20 गेंदों में गजब का कोहराम देखने को मिला. उस बल्लेबाज ने उन 20 गेंदों पर छक्कों की बौछार कर दी. उसने चौके कम और छक्के उसके दोगुने मारे. उसकी टीम ने टी20 मुकाबला 88 रन के बड़े अंतर से जीता.

18 छक्के. 20 गेंदों में कोहराम. ये सब पढ़कर यकीन नहीं हो रहा होगा. तो मत कीजिए. मगर ऐसा हुआ जरूर है. हम जिस मैच की बात कर रहे हैं, उसमें 18 छक्के भी लगे हैं और 20 गेंदों में कोहराम भी मचता दिखा है. लेकिन, कहानी में ट्विस्ट ये है कि ये दोनों चीजें एक दूसरे से जुड़ी होकर भी अलग-अलग हैं. जिस बल्लेबाज ने ऐसा किया है वो गौतम गंभीर का चहेता है. उसने राहुल द्रविड़ का भी दिल जीता है. यहां तक कि उसने अपनी टीम के हाथों अपमान का कड़वा घूंट भी पिया है. हम बात कर रहे हैं आयुष बडोनी की, जिन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग 2024 यानी डीपीएल में ऐसी तबाही मचाई कि सब देखते रह गए.

20 गेंदों में आयुष बडोनी का कोहराम

आयुष बडोनी ने 26 अगस्त की शाम पुरानी दिल्ली के खिलाफ मैच में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की तरफ से खेलते हुए हाहाकार मचा दिया. उन्होंने बल्ले से ऐसी तबाही मचाई कि साथी खिलाड़ी प्रियांश आर्या के शतक के बाद भी उनकी पारी का असर कम नहीं हुआ. और, ये सब आयुष बडोनी ने सिर्फ 20 गेंदों में कोहराम मचाकर किया.

6 छक्के, 3 चौके और 56 रन... बस 20 गेंद

आयुष बडोनी ने 20 गेंदों में 280 की स्ट्राइक रेट के साथ बल्लेबाजी की. उन्होंने अपनी इनिंग में चौके कम छक्के ज्यादा मारे और ऐसा करते हुए 56 रन ठोक डाले. आयुष बडोनी की 56 रनों की ये विस्फोटक पारी 6 छक्के और 3 चौके से सनी रही.

18 छक्के आयुष बडोनी की टीम ने मिलकर मारे

20 गेंदों में जमाए आयुष बडोनी के वो 6 छक्के उन 18 छक्कों का हिस्सा रहे, जो कि साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स ने अपनी इनिंग में जड़े. साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स की ओर से सबसे ज्यादा 7 छक्के प्रियांश आर्या ने मारे. उसके बाद आयुष बडोनी ने 6 छक्के लगाए. इन दोनों के अलावा 3 छक्के सार्थक रे और 2 छक्के तेजस्वी ने जमाए.

होटल के कमरे में छोड़ आई थी टीम

आयुष बडोनी को आईपीएल 2024 से पहले दिल्ली की उनकी रणजी टीम ने काफी अपमानित किया था. वो उन्हें होटल के कमरे में बंद करके ही मैच देखने चली गई थी. ऐसा तब हुआ था जब वो टीम के मेन बल्लेबाज थे. यहां तक कि दिल्ली रणजी टीम के अधिकारियों ने उन्हें टॉप 15 खिलाड़ियों की लिस्ट से भी बाहर कर दिया था, ताकि कोई मैच फीस ना मिले. बहरहाल, उस अपमान से उबरने के बाद ना सिर्फ वो आईपीएल 2024 में बल्कि अब डीपीएल 2024 में भी लगातार अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं.

ओलंपिक मेडल विनर्स को क्यों मिलेगी सजा? ये कैसा फैसला!

प्योंगयांग, 27 अगस्त (एजेंसियां)। जहां कुछ देशों ने अपने स्टार एथलीट्स के पेरिस ओलंपिक से देश लौटने पर पलक-पांवड़े बिछाकर रख दिए। एथलीट्स को करोड़ों रुपये इनाम देकर उन्हें सम्मानित किया गया, वहीं एक देश ऐसा भी है, जो अपने एथलीट को सजा देने की तैयारी कर रहा है। जी हां, सही पढ़ा आपने। दरअसल, नॉर्थ कोरिया के टेबल-टेनिस खिलाड़ी किम कुम-योंग और री जोंग-सिक को पेरिस ओलंपिक के दौरान अपने व्यवहार के लिए जांच का सामना करना पड़ रहा है। इन खिलाड़ियों ने टेबल टेनिस के मिक्स्ड इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था।

बस 'इतना सा' था गुनाह

उनका गुनाह सिर्फ इतना है कि उन्होंने साउथ कोरिया के एथलीट्स के साथ मुस्कुराते हुए फोटो ली थी। बस, फिर क्या था इस तस्वीर पर इतना बवाल हुआ कि मामला शीर्ष स्तर पर जा पहुंचा। टेलीग्राफ के अनुसार, किम के टेबल-टेनिस पार्टनर री जोंग-सिक ने पोडियम समारोह के बाद चीन के गोल्ड मेडलिस्ट और दक्षिण कोरिया के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट के साथ मुस्कुराते हुए फोटो ली थी। इस 'गुनाह' के लिए उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

केएल राहुल नहीं हो सकते हैं लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। आईपीएल-2025 के मेगा ऑक्शन से पहले फ्रेंचाइजियों की ओर से टीम में बड़े व्यापक स्तर पर बदलाव देखने को मिलेगा। इस मेगा ऑक्शन से पहले कई टीमें अपना कप्तान और कोच बदलने की तैयारी में हैं, जिसे लेकर फ्रेंचाइजियों के खेमे में लगातार मंथन चल रहा है। इस बीच लखनऊ सुपर जायंट्स के अंदरखाने से बड़ी खबर सामने आ रही है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि फ्रेंचाइजी इस बार स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल से टीम की कप्तानी छीन सकती है।

टीम से जुड़े रहेंगे राहुल

समाचार एजेंसी आईएएनएस ने अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि लखनऊ सुपर जायंट्स आईपीएल के आगामी सीजन के लिए स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को रिटेन करेगी। हालांकि, उन्हें टीम में बरकरार तो रखा जाएगा लेकिन वो आगामी सीजन में टीम के कप्तान की भूमिका में नहीं होंगे। रिपोर्ट के अनुसार केएल राहुल खुद भी इस भूमिका से हटने के लिए तैयार हैं क्योंकि वो अपने बल्ले से टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करना चाहते हैं।

बैठक में कप्तान को लेकर हुई चर्चा

आईएएनएस ने फ्रेंचाइजी के करीबी सूत्रों के हवाले से बताया है कि सीईओ संजीव गोयनका ने आधिकारिक बैठक की थी। इसमें टीम की कप्तानी और रिटेंशन जैसे मुद्दे पर चर्चा हुई है। गोयनका को राहुल पर पूरा भरोसा है इसलिए वो उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में टीम में बरकरार रखने के पक्ष में हैं। लेकिन टीम की कमान किसी और खिलाड़ी को देने पर विचार किया जा रहा है।

कौन है कप्तानी की दौड़ में

आईपीएल-2025 के लिए टीम की कप्तानी किसे सौंपी जाएगी, इसपर भी मंथन चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार क्रुणा पंड्या और निकोलस पूरन का नाम इस दौड़ में सबसे आगे है।

पिछले साल दिखी थी अनबन

मालूम हो कि आईपीएल के पिछले संस्करण में केएल राहुल का टीम के मालिक संजीव गोयनका के साथ प्रशंसकों के सामने झगड़ा हुआ था। सूत्रों के अनुसार एलएसजी के मालिक राहुल की कप्तानी से खुश नहीं थे, क्योंकि लखनऊ सुपर जायंट्स अच्छी स्थिति में होने के बाद भी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल नहीं हो पाई थी।

अब एडिलेड स्ट्राइकर्स से खेलती नजर आएंगी स्मृति मंधाना

मुंबई, 27 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने एक बार फिर से महिला बिग बैश लीग में खेलने का फैसला किया है। इस बार वो मौजूदा चैंपियन एडिलेड स्ट्राइकर्स के लिए खेलती हुई नजर आएंगी। उन्होंने फ्रेंचाइजी के साथ प्री-ड्रॉफ्ट ओवरसीजन कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है। ऐसा करने वाली वो पहली भारतीय खिलाड़ी बन चुकी हैं। स्मृति मंधाना पिछले 10 सालों से इस लीग में खेल रही हैं। वह अब तक इस लीग में 4 टीमों के साथ खेल चुकी हैं। स्मृति मंधाना के अलावा अन्य भारतीय खिलाड़ी भी इस लीग में खेलती हुई नजर आएंगी। स्मृति मंधाना ने 2016 में पहली बार महिला बिग बैश लीग में हिस्सा लिया था। इसमें उन्होंने ब्रिस्बेन हीट की टीम से मैच खेला था। इसके बाद 2018-19 में उन्होंने होबार्ट हरिकेन्स की ओर से मैच खेला, जबकि 2021 में वो सिडनी थंडर्स की टीम का हिस्सा थीं। 2023 के सीजन में उन्होंने ब्रेक लिया था। इस बार उन्होंने एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ करार किया है। इस बार ये लीग 1 सितंबर से शुरू हो रही है।

स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया की इस प्रतिष्ठित लीग में अब तक कुल 38 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 130.01 की स्ट्राइक रेट से कुल 784 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 64 गेंदों पर नाबाद 114 रनों का रहा है। ये पारी उन्होंने 2021 में रेनेगेड्स के खिलाफ खेली थी।

स्मृति मंधाना एक बार फिर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स के मार्गदर्शन में खेलती हुई नजर आएंगी। मंधाना और विलियम्स की जोड़ी ने पिछले साल विमेंस प्रीमियर लीग का खिताब जीता था। स्मृति मंधाना और ल्यूक विलियम्स की जोड़ी द हंड्रेड में भी एक साथ नजर आ चुकी है। स्ट्राइकर्स से जुड़ने के बाद स्मृति मंधाना ने कहा कि वो ऑस्ट्रेलिया में खेलने के लिए उत्सुक रहती हैं। स्ट्राइकर्स सफल टीमों में से एक है। टीम में वह भी अपना पूरा योगदान देने के लिए उत्साहित हैं। स्मृति मंधाने ने कहा कि वो कोच ल्यूक विलियम्स के साथ खेलने के लिए रोमांचित हैं।

ऑस्ट्रेलिया की इस लीग में भारत के कुल 19 खिलाड़ियों को ड्राफ्ट में शामिल किया गया है। इनमें टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, श्रेयंका पाटिल, तितास साधु, आशा शोभना, राधा यादव, अमनजोत कौर, यास्तिका भाटिया, शिखा पांडे, स्नेह राणा, हेमलता दयालन, सजना सजीवन, मन्नत कश्यप, मेघना सब्बिनेनी, वेदा कृष्णमूर्ति, मोना मेश्राम और मेघना सिंह शामिल हैं।

भारत में होने वाले मैच के लिए अफगानिस्तान की टीम घोषित

राशिद खान बाहर

काबुल, 27 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पहली बार टेस्ट मैच 9-13 सितंबर के बीच खेला जाएगा। ये मैच भारत के ग्रेटर नोएडा स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। हालांकि, इस टीम में स्टार खिलाड़ी राशिद खान को जगह नहीं मिली है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की चयन समिति ने टीम की घोषणा करते हुए कहा कि वो इस मैच के लिए बहुत उत्साहित है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए 20 सदस्यीय टीम के नाम की घोषणा की है। बोर्ड का कहना है कि पहले मैच में इन्हीं खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर टीम में जगह मिलेगी। बोर्ड की ओर से घोषित 20 सदस्यीय टीम कल यानी कि 28 अगस्त को ग्रेटर नोएडा पहुंच जाएगी। जहां मैच से पहले सभी खिलाड़ी एक सप्ताह का कैंप करेंगे। इसी कैंप में खिलाड़ियों की फिटनेस और उनके प्रदर्शन का आकलन किया जाएगा।

क्या बोले चीफ सेलेक्टर

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य चयनकर्ता अहमद शाह सुलेमानखेल ने बताया कि शिविर के दौरान खिलाड़ियों की कड़ी निगरानी की जाएगी और जो खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन करेंगे, उन्हें अंतिम टीम में जगह मिलेगी। उन्होंने ये भी कहा कि कुछ युवा खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उन्हें इस टेस्ट मैच के लिए मौका मिलना गर्व की बात है।

अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान हाल ही में चोटिल हो गए थे। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें 3-4 हफ्ते का आराम दिया था। हालांकि उन्होंने टी20 लीग में मैच खेले थे। बोर्ड की ओर से कहा गया कि वो लंबे फॉर्मेट में खेलने के लिए अभी पूरी तरह से फिट नहीं है। इस वजह से उनके फुल फिटनेस का इंतजार किया जा रहा है। फिलहाल न्यूजीलैंड की टीम टेस्ट क्रिकेट में बहुत मजबूत है और अफगानिस्तान की टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रियाज हसन, अब्दुल मलिक, रहमत शाह, बहीर शाह महबूब, इकराम अलीखेल व अफसर जजई (विकेटकीपर), शाहिदुल्लाह कमाल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्लाह उमरजई, जियाउर्रहमान अकबर, शम्सुर्रहमान, कैस अहमद , जहीर खान, निजात मसूद, फरीद अहमद मलिक, नवीद जादरान, खलील अहमद और यामा अरब

डब्ल्यूडब्ल्यूई के दिग्गज खिलाड़ी का कैंसर से हुआ निधन

खेल डेस्क, 27 अगस्त (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई और डब्ल्यूसीडब्ल्यू के चैंपियन रह चुके स्टार पहलवान का 63 साल की उम्र में कैंसर से निधन हो गया है। स्टार पहलवान के निधन से कुश्ती जगत के खिलाड़ियों में मातम पसर गया है। दिग्गज पहलवान इस दिग्गज खिलाड़ी को याद करते हुए अपने किस्से साझा कर रहे हैं। दिग्गज खिलाड़ी सिड विशियस हैं, जिनका असली नाम सिडनी रेमंड यूडी था। सिड विशियस डब्ल्यूडब्ल्यूई और डब्ल्यूसीडब्ल्यू के जगत में बड़ा नाम था।

दिग्गज खिलाड़ी सिड विशियस के बेटे गुन्नार यूडी ने फेसबुक पर एक भावुक पोस्ट लिखते हुए अपने पिता के निधन की जानकारी दी। गुन्नार ने लिखा कि 'मेरे पिता सिड यूडी की याद में। प्यारे दोस्तों और परिवार, मुझे यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मेरे पिता सिड यूडी कई साल तक कैंसर से जूझने के बाद इस दुनिया को छोड़ कर चले गए हैं। वह ताकत, दयालुता और प्यार के प्रतीक थे और उनकी मौजूदगी की कमी हमेशा खलेगी। इस नुकसान पर शोक जताते हुए हम आपकी संवेदनाओं और प्रार्थनाओं के आभारी हैं। स्मारक सेवा के विवरण जल्द ही साझा किए जाएंगे। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।'

सिड विशियस पेशेवर कुश्ती में सबसे प्रभावशाली और करिश्माई पहलवानों में से एक थे। वह अपने 6'9" जैसे लंबे कद और अपने प्रखर व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। उन्होंने 1989 में अपनी पहचान बनाई, जब उन्होंने डब्ल्यूसीडब्ल्यू के के साथ अनुबंध किया। यहां उन्होंने कुछ सबसे बड़े नामों के खिलाफ कुश्ती लड़ी, जिनमें द स्टेनर ब्रदर्स, द रोड वॉरियर्स और द फोर हॉर्समेन जैसे दिग्गज पहलवान शामिल थे। सिड विशियस ने ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में 1991 में सिड जस्टिस के नाम से डेब्यू किया था। उन्होंने समरस्लैम में स्पेशल गेस्ट रेफरी के रूप में अपनी छाप छोड़ी। यहां उन्होंने डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन हल्क होगन और द अल्टीमेट वॉरियर ने हैंडीकैप मैच में द ट्रायंगल ऑफ टेरर का सामना किया। इसके बाद 1995 में उन्होंने खुद को शॉन माइकल्स के साथ जोड़ लिया। रेसलमेनिया-11 में उनके अंगरक्षक के रूप में काम किया, जहां माइकल्स ने डब्ल्यूडब्ल्यूई खिताब के लिए डीजल का सामना किया। सिड ने 1996 में माइकल्स से डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप जीतकर बड़ी लोकप्रियता हासिल कर ली थी। इसके बाद फरवरी 1997 में ब्रेट हार्ट को हराकर दूसरी बार डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियनशिप का खिताब जीता।

सिड विशियस अपने पूरे करियर के दौरान 2 बार डब्ल्यूसीडब्ल्यू वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन भी बने। उन्होंने रेसलमेनिया और डब्ल्यूसीडब्ल्यू स्टारकेड जैसे प्रमुख टूर्नामेंट में भी हिस्सा लिया। 2001 में स्कॉट स्टेनर के खिलाफ मैच के दौरान पैर में गंभीर चोट लगने से उनका करियर समाप्त हो गया। हालांकि उन्होंने वापसी की, लेकिन उतने सफल नहीं हुए। उन्होंने अपना आखिरी मैच 2017 में खेला था।

17 सितंबर से 'प्रजा पालना' कार्यक्रम 10 दिनों तक चलेगा : रेवंत रेड्डी

मुख्य एजेंडा नए राशन कार्ड और स्वास्थ्य कार्ड जारी करना है

डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए 'फ्रांस नीति' का अध्ययन

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने राज्य में 17 सितंबर से 10 दिनों के लिए 'प्रजा पालना' कार्यक्रम आयोजित करने का फैसला किया है। इस बार, सभी पात्र व्यक्तियों को नए राशन कार्ड और स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए प्रजा पालना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। नई नीति के तहत, राशन कार्ड को स्वास्थ्य कार्ड से अलग कर दिया जाएगा और दोनों कार्ड अलग-अलग जारी किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को 10 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक परिवार का विवरण एकत्र करने और राज्य भर के सभी गांवों और वार्डों में प्रजा पालना आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को सचिवालय में समीक्षा बैठक की, जिसमें राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा, मुख्य सचिव शांति कुमारी, स्वास्थ्य विभाग की प्रधान सचिव डॉ. क्रिस्टीना चोंगटू, नगर निगम विभाग के प्रधान सचिव दाना किशोर और मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेषाद्रि शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्वास्थ्य डिजिटल कार्ड जारी करने, सभी के स्वास्थ्य प्रोफाइल को रिकॉर्ड करने के लिए मेडिकल टेस्ट, गांवों में स्वास्थ्य जांच शिविर लगाने और राज्य में प्रयोगशालाओं की मदद लेने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं पर निर्णय लेने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में विदेश यात्रा के दौरान उनसे मिलने वाले प्रतिनिधियों ने बताया कि फ्रांस ने डिजिटल स्वास्थ्य कार्ड जारी करने के लिए सबसे अच्छी नीति अपनाई है और अधिकारियों को नीति का अध्ययन करने की सलाह दी है। इसके बाद, राज्य सरकार द्वारा जारी किए जा रहे स्वास्थ्य कार्ड केवल राजीव आरोग्यश्री के तहत चिकित्सा उपचार प्रदान करने और सीएमआरएफ से दी जाने वाली सहायता के लिए ही विचार किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया और राज्य में डेंगू, चिकनगुनिया और अन्य वायरल बुखार के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त की। अधिकारियों को बुखार और बीमारियों के फैलने से पहले उचित निवारक उपाय करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ग्रेटर हैदराबाद के साथ-साथ सभी कस्बों और गांवों में मच्छरों के खतरे को खत्म करने के लिए फॉगिंग और छिड़काव तेज करने को कहा। सीएम ने आदेश दिया कि जीएचएमसी सीमा के तहत सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से फॉगिंग की जा रही है और अधिकारी नियमित रूप से क्षेत्र स्तर का दौरा और निरीक्षण करते हैं। सीएम ने चेतावनी दी कि जो कर्मचारी सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा में उदासीन हैं, उन्हें सेवाओं से निलंबित कर दिया जाएगा। सीएम ने जीएचएमसी क्षेत्राधिकार के तहत अधिकारियों, चिकित्सा और स्वास्थ्य अधिकारियों और जिला कलेक्टर को मौसमी बीमारियों को रोकने के लिए मिलकर काम करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने मौसमी बीमारियों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए पुलिस, स्वैच्छिक संगठन और मीडिया की मदद लेने की अपील की। सभी जिलों में कलेक्टरों और पंचायत राज अधिकारियों को मौसमी बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए तुरंत एक विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है। कलेक्टरों को सलाह दी गई है कि वे समय-समय पर सभी गांवों और कस्बों का दौरा करें और स्थिति का पता लगाएं। अधिकारियों को उन इलाकों का दौरा करने को कहा गया है जहां डेंगू और चिकनगुनिया के मामले सामने आए हैं, कारणों का पता लगाएं और जरूरी सफाई कार्यक्रम चलाएं।

एसडब्लूआरईआईएस जल्द ही ब्रह्माकुमारीज के साथ समझौता

छात्रों को परामर्श और व्यक्तित्व विकास की मिलेगी शिक्षा

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सामाजिक कल्याण आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी (टीजीएसडब्लूआरईआईएस) तेलंगाना में अपने छात्रों को परामर्श और व्यक्तित्व विकास कक्षाएं देने के लिए जल्द ही ब्रह्माकुमारीज के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने जा रही है। टीजीएसडब्लूआरईआईएस की सचिव वीएस अलगु वर्सिनी ने मंगलवार को यहां अपने कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि संस्थान में शामिल होने वाले छात्र अलग-अलग पारिवारिक पृष्ठभूमि से थे और मानसिक तनाव का सामना कर रहे थे। उन्होंने बताया, छात्रों में मानसिक साहस विकसित करने और उनमें अच्छी आदतें डालने के लिए हमने सितंबर के पहले सप्ताह में ब्रह्माकुमारीज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का फैसला किया है।

भूलक्ष्मी मंदिर में देवी की मूर्ति तोड़ी गई

हिंदू मंदिर को निशाना बनाया गया, तनाव बढ़ने पर दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार रात हैदराबाद के चंद्रयानगुट्टा के रक्षापुरम इलाके में स्थित भूलक्ष्मी मंदिर में देवी की मूर्ति को कुछ अज्ञात बदमाशों ने तोड़ दिया। इस घटना से स्थानीय निवासियों में व्यापक गुस्सा भड़क गया है, जिसके चलते वे मंदिर में एकत्र हुए और विरोध में नारे लगाए। हालांकि, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। डीसीपी दक्षिण पूर्व कांति लाल पाटिल के अनुसार, देवी की मूर्ति सोमवार रात 11.30 से 12 बजे के बीच तोड़ी गई। डीसीपी पाटिल ने कहा, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी के जरिए ट्रैकिंग की और दो लोगों को हिरासत में ले लिया। इनमें से एक व्यक्ति मुख्य रूप से जिम्मेदार है। जांच जारी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच में घटना में दो लोगों के नाम सामने आए है। उन्होंने कहा, इस बर्बरता के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को पकड़ा जाएगा। सीधे तौर पर जिम्मेदार दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

फिलहाल हमले के पीछे राजनीतिक मकसद का कोई सबूत नहीं है। भाजपा भाग्यनगर जिला अध्यक्ष समरेड्डी सुरेंदर रेड्डी ने कहा कि यह घटना चंद्रयानगुट्टा विधानसभा क्षेत्र रियासत नगर डिवीजन, रक्षापुरम कॉलोनी के भूलक्ष्मी मंदिर में हुई। उन्होंने आगे बताया कि यह मंदिर पुलिस स्टेशन से मात्र 50 वर्ग गज की दूरी पर है। इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी की नेता व हैदराबाद लोकसभा की पूर्व प्रत्याशी माधवी लता ने कहा कि यह बहुत ही कायराना हरकत है। पुलिस स्टेशन से कुछ दूरी पर स्थित मंदिरों को निशाना बनाया गया। इसके एक घटना के जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से कविता की ईमानदारी की पुष्टि : डॉ. श्रवण दासोजू

सुप्रीम कोर्ट ने बीआरएस नेता कविता को जमानत दी

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. श्रवण दासोजू ने कहा कि एक महत्वपूर्ण कानूनी घटनाक्रम में, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने बीआरएस नेता कविता को जमानत दे दी है। यह निर्णय कई महीनों के बाद आया है, जिसके बाद बीआरएस पार्टी ने कविता के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित आरोप लगाए थे।

उन्होंने राहत व्यक्त की और सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत किया, इसे सत्य और न्याय की जीत बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुनवाई के दौरान अदालत की टिप्पणियां कविता के साथ किए गए अनुचित व्यवहार को उजागर करने में महत्वपूर्ण थीं। डॉ. दासोजू ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने जांच पूरी होने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद भी कविता को हिरासत में रखने के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया है। ऐसी कार्रवाइयां न्याय के मूल सिद्धांतों का खंडन करती हैं और लोकतांत्रिक समाज में इनका कोई स्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि हाईकोर्ट ने कविता को जमानत देने से इनकार करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 की गलत व्याख्या की थी। डॉ. दासोजू के अनुसार, इस गलत व्याख्या के कारण उनकी हिरासत की अवधि अनावश्यक रूप से बढ़ा दी गई।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कविता को मुख्य रूप से अन्य आरोपियों की स्वीकारोक्ति रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के रूप में शामिल किया गया था। स्वीकारोक्ति पर इस निर्भरता ने आरोपों की वैधता और निष्पक्षता के बारे में चिंताएं पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक हिरासत में रखने का कोई औचित्य नहीं है, उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि कविता को सलाखों के पीछे रखने का कोई औचित्य नहीं है, खासकर जांच समाप्त होने और आरोप-पत्र दाखिल होने के बाद। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि न्यायालय द्वारा की गई यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि कविता के खिलाफ मामला मनगढ़ंत हो सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के आज के फैसले को न्याय की जीत बताते हुए डॉ. दासोजू ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय का फैसला न केवल कविता की जीत है, बल्कि भारत की न्याय व्यवस्था की मजबूती की पुष्टि भी है। उन्होंने कविता के लचीलेपन और साहस की प्रशंसा की और कहा कि पिछले पांच महीनों में उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना किया है। डॉ. दासोजू ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय का फैसला कविता की ईमानदारी की पुष्टि करता है और यह स्पष्ट संकेत है कि राजनीति से प्रेरित कार्यों पर न्याय की जीत होगी।

उन्होंने कविता को हार्दिक बधाई दी और चुनौतीपूर्ण समय में उनके साथ खड़े रहने वाले बीआरएस पार्टी कैडर, नेताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी प्रकार के अन्याय और राजनीतिक उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, इस अनुभव ने लोकतंत्र, पारदर्शिता और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने के हमारे संकल्प को और मजबूत किया है। हम तेलंगाना के लोगों की ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ सेवा करने के लिए समर्पित हैं।

'एकीकृत पेंशन योजना' से लगभग 63 हजार एससीआर कर्मचारियों को लाभ मिलेगा : किशोर बाबू

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी पी. किशोर बाबू ने मंगलवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में

मीडिया कर्मियों को नई घोषित योजना की मुख्य विशेषताओं और लाभों के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए हाल ही में स्वीकृत 'एकीकृत पेंशन योजना' से लगभग 63,000 एससीआर कर्मचारियों को लाभ होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एससीआर के प्रधान वित्तीय सलाहकार एस. विवेकानंद के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी शामिल हुए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, पी. किशोर बाबू ने कहा कि एकीकृत पेंशन योजना को सभी केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों द्वारा चुना जा सकता है जो नई पेंशन योजना के ग्राहक हैं। उन्होंने कहा कि हाल ही में घोषित एकीकृत पेंशन योजना से लगभग 23 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारी लाभान्वित होंगे। उसी के हिस्से के रूप में, दक्षिण मध्य रेलवे में कार्यरत लगभग 63,000 कर्मचारी लाभान्वित होंगे, जो इस क्षेत्र के कुल कर्मचारियों का लगभग 75 प्रतिशत है। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी ने यह भी कहा कि एकीकृत पेंशन योजना 01 अप्रैल, 2025 से लागू होगी और इसके 5 प्रमुख लाभ हैं, अर्थात सुनिश्चित पेंशन, सुनिश्चित पारिवारिक पेंशन, सुनिश्चित न्यूनतम पेंशन, मुद्रास्फीति सूचकांक और ग्रेच्युटी के अलावा सेवानिवृत्ति पर एकमुश्त भुगतान। उन्होंने कहा कि नई पेंशन योजना की तुलना में एकीकृत पेंशन योजना अधिक फायदेमंद है। उन्होंने कहा कि नई घोषित योजना के बारे में जागरूकता फैलाना महत्वपूर्ण है ताकि अधिक संख्या में सरकारी कर्मचारी इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि 'एकीकृत पेंशन योजना' की मुख्य विशेषताएं में सुनिश्चित पेंशन: 25 वर्ष की न्यूनतम अर्हक सेवा के लिए सेवानिवृत्ति से पहले अंतिम 12 महीनों में प्राप्त औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत, कम से कम 10 वर्ष की सेवा तक कम सेवा अवधि के लिए आनुपातिक है। उन्होंने इस योजना की विस्तार से जानकारी दी।

तेलंगाना डीजीपी डॉ. जितेंद्र से ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गारथ विन ओवेन और अधिकारी नलिनी रघुरामन ने मुलाकात की।

मलेरिया, डेंगू, मौसमी बीमारियां, बुखार जैसी बीमारियों के नियंत्रण के लिए उठाएं कदम : शशांक

जिला कलेक्टर ने क्षेत्रीय अस्पताल का औचक निरीक्षण किया

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को रंगारेड्डी जिले के कोंडापुर में जिला अस्पताल का कलेक्टर शशांक ने औचक निरीक्षण किया। स्टाफ के साथ मरीजों से संबंधित वार्डों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने कहा कि इस समय मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां अस्पतालों में आ गई हैं। क्षेत्र के अस्पताल के अंतर्गत लोगों को उचित इलाज मुहैया कराने के दौरान डॉक्टर को लोगों को मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जागरूक करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि प्रतिदिन अस्पताल आने वाले रोगियों की औसत संख्या, आंतरिक रोगी, डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड आदि की पूरी जानकारी रखनी चाहिए। उन्होंने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ से कई जानकारी ली। जिला कलेक्टर ने कहा कि अस्पताल आने वाले लोगों का उचित इलाज करना चाहिए। इस निरीक्षण के समय में डॉ.जी. राजू, डीसीएचएस, डॉ.जी. अनुरागिनी रेड्डी, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. चंद्रकृष्ण आरएमओ, डॉ. सुधाकर सीएस जनरल मेडिकल, हेमलता न्यूरो अधीक्षक, डॉ. अपर्णा, टी हब प्रभारी आदि उपस्थित रहे।

आंध्र प्रदेश में मरीज का ट्रेनी महिला डॉक्टर पर हमला

बाल खींचे, बेड पर पटका, घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड, डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया

तिरुपति, 27 अगस्त (एजेंसिया)। आंध्र प्रदेश में तिरुपति जिले के एक मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर पर मरीज ने हमला कर दिया। हमले की ये घटना अस्पताल के वार्ड में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना 24 अगस्त की रात श्री वेंकटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसवीआईएमएस) की है।

सीसीटीवी फुटेज में हमलावर पहले ट्रेनी डॉक्टर के बालों को पकड़ता और फिर बेड के स्टील फ्रेम पर पटकता दिख रहा है। यह देख वार्ड में मौजूद अन्य डॉक्टर हमलावर को पकड़कर ट्रेनी डॉक्टर को बचाते हैं। घटना के खिलाफ एसवीआईएमएस मेडिकल कॉलेज के अन्य डॉक्टर विरोध-प्रदर्शन किया। विरोध कर रहे डॉक्टर्स का कहना है कि वह अस्पताल में सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं। कर्मचारियों के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होने चाहिए।

पीड़ित ट्रेनी डॉक्टर ने वाइस चांसलर को पत्र लिखा :

ट्रेनी डॉक्टर ने एसवीआईएमएस मेडिकल कॉलेज की कुलपति डॉ. आरवी कुमार को पत्र लिखकर घटना की जानकारी दी। पत्र में लिखा- मैं शनिवार को इमरजेंसी डिपार्टमेंट में ड्यूटी पर थी, तभी एक मरीज बंगारू राजू ने पीछे से हमला किया। मेरी मदद के लिए कोई सुरक्षाकर्मी नहीं था। आसपास मौजूद डॉक्टर और कर्मचारियों ने मरीज को काबू में लिया, अगर उसके पास धारदार हथियार होता तो स्थिति और गंभीर होती।

डॉक्टरों ने घटना के खिलाफ प्रदर्शन किया :

घटना के बाद अस्पताल के एसवीआईएमएस के अन्य डॉक्टरों ने विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि अस्पताल में काम करने वाले डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए उचित व्यवस्था होनी चाहिए। मरीज ने डॉक्टर पर हमला क्यों किया, इसकी स्पष्ट जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। अस्पताल प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विशेष सारांश संशोधन पर प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग द्वारा विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर)- 2025 की घोषणा के परिणामस्वरूप मुख्य चुनाव अधिकारी, सी. सुदर्शन रेड्डी ने नव पदस्थ जिला चुनाव अधिकारियों और कलेक्टरों और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों के लिए मंगलवार को सीईओ कार्यालय, तेलंगाना, बीआरकेआर भवन, हैदराबाद में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

विशेष सारांश संशोधन 2025 पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है, जिसमें आईटी अनुप्रयोगों और ईएमएस 2.0 पर विशेष ध्यान दिया गया है। अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी डी.एस. लोकेश कुमार, उप सीईओ एम. सत्यवाणी, बी. हरि सिंह और मास्टर प्रशिक्षकों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया और विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर), 2025 के दौरान ध्यान केंद्रित किए जाने वाले प्रमुख बिंदुओं को साझा किया।

कांग्रेस जनादेश का अपमान कर रही है : एन वी सुभाष

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा राज्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभारी तेलंगाना एन वी सुभाष ने कहा कि कांग्रेस जनादेश का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि कविता को जमानत-कांग्रेस के राज्यसभा उम्मीदवार को बीआरएस का समर्थन और विलय से क्या संबंध है? आज कविता को अनुभवी कांग्रेस वकीलों की उदार मदद से जमानत मिलने और केसीआर द्वारा राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस का समर्थन करने के बाद लोग निश्चित रूप से पूछेंगे- ये रिश्ता क्या कहलाता है। सवाल यह है कि क्या केसीआर सोनिया अम्मा के सामने साष्टांग दंडवत करेंगे और अपनी पराजित और कमजोर बीआरएस को हमेशा के लिए कांग्रेस में विलय कर देंगे? मीडिया से बात करते हुए भाजपा प्रवक्ता एन वी सुभाष ने कहा कि जो लोग भाजपा पर बीआरएस के साथ गठबंधन करने का आरोप लगाते हैं, वे अब अपनी आंखें खोलकर देख सकते हैं कि तेलंगाना की राजनीति में क्या हो रहा है और सीएम रेवंत रेड्डी सरकार से पूछ सकते हैं कि अब तक विभिन्न घोटालों की जांच क्यों नहीं हुई है। अगर यह लोगों के जनादेश को धोखा देना नहीं है, तो क्या है?

कांग्रेस पार्टी ने विधानसभा और संसदीय चुनाव झूठे अभियानों से जीते : संगप्पा

कविता को जमानत मिलने से बीजेपी का कोई लेना-देना नहीं

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता संगप्पा ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के नेताओं की वर्तमान स्थिति क्या है। वे कीचड़ में लोट रहे हैं और दूसरों पर कीचड़ उछालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर बीआरएस एमएलसी कविता को जमानत दी गई तो इसका भारतीय जनता पार्टी से क्या लेना-देना है? कांग्रेस पार्टी ने पिछले विधानसभा और संसद चुनाव झूठे अभियानों से जीते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं के झूठे अभियान और धोखेबाज शब्द लंबे समय तक नहीं चलेंगे। अगर सुप्रीम कोर्ट जमानत दे दे तो क्या सत्ताधारी दल के लिए यह संभव है। ऐसे शब्द बोलने से पहले संविधान पढ़ें। राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी के नेता संविधान की किताब जेब में लेकर नहीं घूम रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और अन्य संवैधानिक शक्तियों की शक्तियों को पढ़कर और समझकर बोलें। संविधान, सुप्रीम कोर्ट, राष्ट्रपति और जजों का अपमान करना कांग्रेस पार्टी का अधिकार है।

अगर आप के मनीष सुसोदिया को जमानत मिलती है तो क्या पार्टी बीजेपी से हाथ मिलाएगी..? केजरीवाल ने कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन किया है। कांग्रेस पार्टी के नेताओं को भारत के संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का अपमान करने वाले कांग्रेस पार्टी के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। तेलंगाना के सभी लोग जानते हैं कि यह कांग्रेस पार्टी के वकील ही थे जिन्होंने एमएलसी कविता को जमानत दिलाई थी। उन्होंने कहा कि कौन हैं तेलंगाना से राज्यसभा भेजे गए अभिषेक सिंघवी। इस मामले में केसीआर ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यदि तेलंगाना के बेटे केशव राव राज्यसभा सांसद के पद से इस्तीफा देते हैं, तो वह पद किसी अन्य तेलंगाना के बेटे को क्यों नहीं दिया जाता है। केसीआर को अभिषेक सिंघवी की जरूरत है इसलिए उन्होंने कांग्रेस पार्टी का समर्थन किया।

कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों की दोस्ती से ही कविता को जमानत मिली। केसीआर की मदद से ही अभिषेक सिंघवी राज्यसभा सांसद बने। कांग्रेस और बीआरएस पार्टियों का पाखंडी नाटक उजागर हो गया है। पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी बीआरएस और बीजेपी एक होने का दुष्प्रचार कर साजिशों के साथ सत्ता में आई थी। कविता को जमानत मिलने से बीजेपी का कोई लेना-देना नहीं है।

एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार के मुख्य सलाहकार से मुलाकात की

हैदराबाद, 27 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष यादवल्ली वेंकट स्वामी ने तेलंगाना सरकार के मुख्य सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। वेम नरेंद्र रेड्डी को सम्मानित करने वाले वेंकट स्वामी ने स्वामी वेम नरेंद्र रेड्डी को बधाई देते हुए राज्य में छात्रों के पक्ष में खड़े होने और समस्याओं को हल करने के लिए कड़ी मेहनत करने का सुझाव दिया। प्रदेश में कांग्रेस सरकार आने के बाद बेरोजगारों के लिए नौकरियां, जॉब कैलेंडर जारी करना आदि सरकार ने जो किया है उसे युवाओं तक पहुंचाना है।

भारतीय रिज़र्व बैंक

पर्यवेक्षण विभाग

क्षेत्रीय कार्यालय, 6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद 500 004

सार्वजनिक सूचना

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (अधिनियम) की धारा 45-IA (6) के अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अधिनियम की धारा 45-I(a) के अंतर्गत परिभाषित गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान का व्यवसाय करने के लिए निम्नलिखित कंपनी के पंजीकरण प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया है :

क्रम सं.	कंपनी का नाम और सीआईएन संख्या	कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का पता	पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या और दिनांक	रद्द करने की तारीख़
1	मेसेर्स स्टार फिनसर्व इंडिया लिमिटेड (CIN: U65921TG1991PLC134774)	दरवाजा नं #8-2-268/ K/35, प्लॉट नं 35, नवोदय कॉलोनी, सड़क# 2, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, तेलंगाना	B-09.00208 दिनांक सितंबर 04, 2015	जून 12, 2024

अब से, उपर्युक्त कंपनी अधिनियम के तहत परिभाषित गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों का व्यवसाय नहीं कर सकती है।

यह जनहित में जारी किया गया है।

स्थानः हैदराबाद महा प्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.